राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण गुरुवार 24 अप्रैल 2025 वर्ष-8,अंक-64 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

27 पर्यटकों का खून माफ नहीं करेगा हिंदुस्तान

● आतंकियों और उसके आका पाक को सबक सिखाने की तैयारी... ● पीएम मोदी, अमित शाह एक्शन में, एनएसए डोभाल के साथ रक्षा मंत्री की बैठक ● पहलगाम अटैक के 3 संदिग्ध आतंकियों के स्केच जारी

श्रीनगर/नईदिल्ली (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में मंगलवार को आतंकवादियों ने बर्बरता दिखाते हुए निर्दोष पर्यटकों को नाम और धर्म पूछकर गोलियों से भून डाला। आतंकी हमले के खिलाफ पूरे देश में गुस्सा है, तो केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार आतंकवादियों को कड़ी सबक सिखाने की तैयारी में जुट गई है। 27 पर्यटकों का खून माफ नहीं करेगा हिंदुस्तान और आतंकियों और उसके आका पाक को सबक सिखाने की तैयारियां शुरु हो गई थी। हमले के कुछ देर बाद श्रीनगर पहुंचे गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को पहलगाम का एरियल सर्वे किया और बैसरन में सुरक्षा स्थिति की समीक्षा की। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने एयरफोर्स के एक कार्यक्रम में कहा- पहलगाम हमले के विरोध में जोरदार तरीके से एक्शन नजर आएगा। आतंकियों को छोड़ा नहीं जाएगा। उचित समय पर भारत जवाब देगा। आतंक के खिलाफ हमारी जीरो टॉलरेंस की पॉलिसी है। दक्षिण कश्मीर के पहलगाम में 'मिनी स्विट्जरलैंड' के नाम से मशहूर प्रमुख पर्यटक स्थल बैसरन में मंगलवार को आतंकवादियों ने हमला कर दिया था।

प्रधानमंत्री ने कहा- उनका नापाक मंसूबा कभी कामयाब नहीं होगा

पीएम मोदी ने कहा- पहलगाम आतंकी हमले की कड़ी निंदा करता हूं। जिन लोगों ने अपने प्रियजनों को खोया है, उनके प्रति संवेदना व्यक्त करता हूं। इस घिनौने कृत्य के पीछे जो भी लोग हैं, उन्हें बख्शा नहीं जाएगा। उनका नापाक मंसूबा कभी कामयाब नहीं होगा। आतंकवाद से लड़ने का हमारा संकल्प अडिग है और यह और भी मजबूत होगा। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, छुट्टियां मनाने आए पर्यटकों से आतंकियों ने पहले नाम पूछा, इसके बाद उसके फायरिंग की और भाग निकले। हमले की जिम्मेदारी लश्कर-ए-तैयबा ने ली है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अलावा राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, रक्षामंत्री राजनाथ सिंह, गृहमंत्री अमित शाह, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, जम्मू-कश्मीर के राज्यपाल मनोज सिन्हा, जम्मू-कश्मीर के सीएम उमर अब्दुल्ला, पीडीपी चीफ महबूबा मुफ्ती, असदुद्दीन ओवैसी, अक्षय कुमार, समेत कई नेता और सेलेब्रिटीज ने आतंकी हमले की कड़ी निंदा की और दुख व्यक्त किया है...।

दरिंदों के स्केच जारी

सुरक्षा और इंटेलिजेंस एजेंसियों ने पहलगाम अटैक के संदिग्ध आतंकियों के स्केच जारी किए हैं। इनके नाम आसिफ फौजी, सुलेमान शाह और अबु तल्हा बताए गए हैं। इंटेलिजेंस सूत्रों ने बताया कि हमले का मास्टर माइंड लश्कर-ए तैयबा का डिप्टी चीफ सैफुल्लाह खालिद है, जो पाकिस्तान में मौजूद है। इधर, नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी भी जांच के लिए पहलगाम पहुंच गई है।

हमले की जिम्मेदारी लश्कर-ए-तैयबा के प्रॉक्सी विंग द रजिस्टेंस फ्रंट ने ली है। इस बीच, पाकिस्तान के डिफेंस मिनिस्टर ख्वाजा आसिफ ने कहा कि इस हमले में हमारा कोई हाथ नहीं है।

हमले में मारे गए एनए 14 में लेफ्टिनेंट विनय नरवाल को उनकी पत्नी हिमांशी ने अंतिम विदाई दी। जिस ताबूत में उनका शव रखा था, हिमांशी उससे लिपटकर रोती रहीं। विनय और हिमांशी की शादी इसी महीने 16 तारीख को हुई थी।

पहलगाम में मंगलवार दोपहर हुए आतंकवादी हमले में 27 लोगों की मौत हो गई। 20 से ज्यादा लोग घायल हैं।

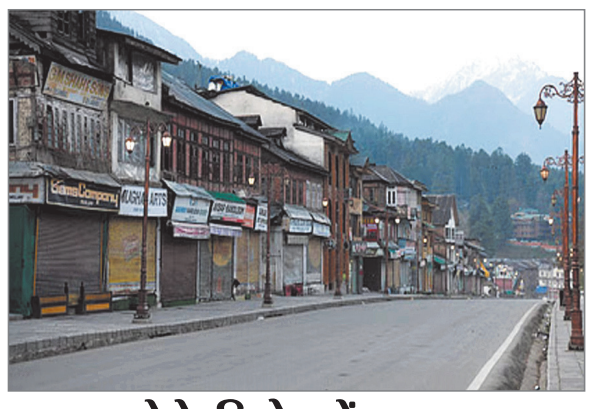

हमले के विरोध में पूरा जम्मू-कश्मीर बंद, घाटी में 35 वर्ष में पहली बार इतना बड़ा शटर डाउन

जम्मू (एजेंसी)। कश्मीर घाटी में 35 साल में पहली बार आतंकी हमले के खिलाफ बुधवार को बंद रहा। पहलगाम पर्यटन स्थल में हुई हत्याओं के विरोध में बंद के आह्वान का सभी क्षेत्रों के संगठनों ने समर्थन किया। दक्षिण कश्मीर के पहलगाम में मंगलवार को एक प्रमुख पर्यटन स्थल पर आतंकवादियों ने हमला किया, जिसमें कम से कम 26 लोग मारे गए, जिनमें अधिकतर पर्यटक थे और कई अन्य घायल हो गए। घाटी में सुरक्षा बढ़ा दी गई है, खासकर महत्वपूर्ण पर्यटन स्थलों पर कड़ी सुरक्षा की गई है। अधिकारियों ने बताया कि श्रीनगर में अधिकांश दुकानें, पेट्रोल पंप और अन्य व्यावसायिक प्रतिष्ठान बंद रहे। उन्होंने बताया कि शहर भर में केवल आवश्यक वस्तुओं की दुकानें ही खुली रहीं। उन्होंने बताया कि सार्वजनिक परिवहन भी कम रहा, लेकिन निजी वाहन सामान्य रूप से चल रहे थे।

घाटी में कई स्थानों पर शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन

अधिकारियों ने बताया कि घाटी में निजी स्कूल भी बंद रहे, लेकिन सरकारी स्कूल खुले रहे। उन्होंने बताया कि घाटी के अन्य जिला मुख्यालयों में भी बंद का असर देखा गया। घाटी में कई स्थानों पर शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन भी हुए, जिसमें प्रदर्शनकारियों ने हमले की निंदा की। उन्होंने निर्दोष लोगों की हत्या को रोकने का आह्वान किया।

पर्दे के पीछे छिपे मास्टरमाइंड को नहीं छोड़ेंगे

पहलगाम अटैक पर बोले रक्षा मंत्री- ऐसा जवाब मिलेगा कि दुनिया देखेगी

नईदिल्ली (एजेंसी)। पहलगाम आतंकी हमले पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि मंगलवार पहलगाम में एक धर्म विशेष को निशाना बनाकर आतंकवादियों ने कायराना हरकत की जिसमें कई निर्दोष लोगों की जान चली गई। उन्होंने आगे कहा कि मैं देशवासियों को आश्वस्त करना चाहता हूं कि सरकार हर जरूरी कदम उठाएगी। हम न सिर्फ इस कृत्य के दोषियों तक पहुंचेंगे बल्कि पर्दे के पीछे के किरदारों तक भी पहुंचेंगे।

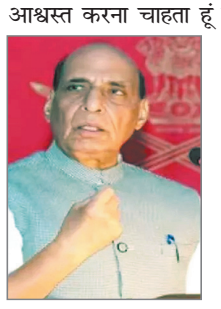

जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में दो विदेशी नागरिक सहित 25 लोगों की जान चली गई। श्रीनगर से लेकर दिल्ली तक, हाईलेवल मीटिंग चल रही है। इसी बीच राजनाथ सिंह ने आतंकी हमले पर चिंता जाहिर करते हुए कहा, कल पहलगाम में एक धर्म विशेष को निशाना बनाकर आतंकवादियों ने कायराना हरकत की, जिसमें कई निर्दोष लोगों की जान चली गई।

आतंकियों को मिलेगा करारा जवाब- राजनाथ सिंह ने आगे कहा,मैं देशवासियों को आश्वस्त करना चाहता हूं कि सरकार हर जरूरी कदम उठाएगी। हम न सिर्फ इस कृत्य के दोषियों तक पहुंचेंगे बल्कि पर्दे के पीछे के किरदारों तक भी पहुंचेंगे। आरोपियों को जल्द ही जोरदार और स्पष्ट जवाब मिलेगा, यह मैं देश को आश्वस्त करना चाहता हूं।

पहलगाम अटैक पर पाकिस्तान को थैंक यू बोलने वाला गिरफ्तार

नईदिल्ली (एजेंसी)। पहलगाम में पर्यटकों पर आतंकी हमले के बाद बोकारो पुलिस ने एक युवक को गिरफ्तार किया है। युवक ने हमले के बाद सोशल मीडिया एक्स पर पाकिस्तान को थैंक्यू लिखा था। युवका का नाम मो. नौशाद है। उसके पिता का नाम मो.

मुश्ताक है। चास थाने की पुलिस ने उसे मिल्लतनगर से अरेस्ट किया है।

सुप्रीम कोर्ट में रखा गया मौन- सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को पहलगाम आतंकी हमले की निंदा की। सुप्रीम कोर्ट के जज और स्टाफ ने हमले में मृतकों को मौन रखकर श्रद्धांजलि दी।

महाराष्ट्र सरकार 5 लाख की मदद देगी, 6 पर्यटक मारे गए- पहलगाम हमने में मारे गए पर्यटकों में 6 महाराष्ट्र के भी हैं। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि इन पर्यटकों के परिजनों को 5 लाख रुपए की मदद दी जाएगी।

पाकिस्तान को सता रहा एयरस्ट्राइक का डर

● भारत के एक्शन के डर से टेंशन में पाकिस्तान, रातभर जागे रहे सेना के अधिकारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में 26 पर्यटकों की मौत के बाद से पूरा देश आक्रोशित है। सरकार ने साफ कर दिया है कि इसके हमले को अंजाम देने वाले किसी भी आतंकी को बख्शा नहीं जाएगा। उधर पहलगाम हमले के बाद से ही पाकिस्तानी सेना में दहशत फैल गई है।

पाकिस्तान को डर सता रहा है कि भारत हमले का बदला लेने के लिए एयरस्ट्राइक कर सकता है। पाकिस्तानी सेना में सीमा पार अलर्ट जारी किया हुआ है और पाक सेना के अधिकारी इसी आशंका के चलते रात भर जगे रहे।

पाकिस्तानी सेना में बढ़ी हलचल- फ्लाइट डाटा दिखा रहा है कि भारत से डरकर पाकिस्तान जम्मू-कश्मीर के पास स्थित अपने बेस पर मिलिट्री विमानों को डिप्लॉय कर रहा है। डेटा के मुताबिक, पाकिस्तानी एयरफोर्स का हरकुलिस एयरक्राफ्ट पीएएफ 189 कराची एयरकमांड से लाहौर लाया गया है। वहीं पाकिस्तान में वीआईपी ट्रांसपोर्ट या इंटेलीजेंस ऑपरेशन के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला एम्ब्रेयर फेनोम 100 पीएएफ 101 कराची बेस से रावलपिंडी बेस पर भेजा गया है।

तुर्किये के इस्तांबुल में 6.2 तीव्रता का भूकंप

1 घंटे में भूकंप के 3 बड़े झटके, मरमारा सागर में था भूकंप का केंद्र

अंकारा (एजेंसी)। तुर्किये के इस्तांबुल में आज 6.2 तीव्रता का एक बड़ा भूकंप आया। इसका केंद्र इस्तांबुल के पास मरमारा सागर में था। तुर्किये की इमरजेंसी मैनेजमेंट एजेंसी ने बुधवार को बताया कि भूकंप से अभी तक किसी तरह के नुकसान या चोट की कोई खबर नहीं है। जर्मन रिसर्च सेंटर फॉर जियोसाइंसेज ने भी भूकंप की पुष्टि की है और कहा है कि भूकंप जमीन से 10 किलोमीटर की गहराई पर था। भूंकप से शहर और आसपास के इलाकों में बड़े झटके महसूस किए गए। लोकल मीडिया की रिपोर्ट्स के मुताबिक भूकंप का सेंटर सिलिवरी के नजदीक था, जो तटीय क्षेत्र है और भूकंपीय एक्टिविटी के लिए जाना जाता है।

पहला भूकंप 3.9 तीव्रता का था और स्थानीय समयानुसार 12:13 बजे सिलिवरी जिले के तट पर आया।

दूसरा भूकंप 6.2 तीव्रता का था और स्थानीय समयानुसार 12:49 बजे उसी इलाके में आया।

तीसरा 4.4 तीव्रता का भूकंप स्थानीय समयानुसार 12:51 बजे इस्तांबुल के बुयुकचेकमेस जिले में आया ।

हरियाणा के लेफ्टिनेंट से लिपटकर रो पड़ी पत्नी

● बोली- आई एम प्राउड ऑफ यू, जय हिंद कहकर सैल्यूट किया

करनाल (एजेंसी)। दिल्ली एयरपोर्ट पर पति की पार्थिव देह देखकर पत्नी हिमांशी भावुक होकर लिपट गईं। करनाल में पार्थिव शरीर को ले जाने के लिए फूलों से सजाया वाहन। जम्मू कश्मीर के पहलगाम में आतंकियों की गोली से कत्ल हुए करनाल के लेफ्टिनेंट विनय नरवाल की नवविवाहित पत्नी उनकी पार्थिव देह से लिपटकर रो पड़ी। विनय का शव करनाल लाने से पहले दिल्ली एयरपोर्ट पर लाया गया था। जहां गुरुग्राम की रहने वाली पत्नी हिमांशी ने विनय के लिए कहा- आई एम प्राउड ऑफ यू (मुझे आप पर गर्व है)। हिमांशी ने विनय को सैल्यूट करते हुए जय हिंद कहा। हिमांशी ने बिलखते हुए कहा-जितने भी दिन साथ में गुजारे, वो बेस्ट थे। मैं अब कैसे जिऊंगी? मैं आपको हर पल याद रखूंगी। आपको सर्वश्रेष्ठ जीवन मिले। हमें आप पर हमेशा गर्व रहेगा।विनय की पार्थिव देह अब दिल्ली से करनाल लाई जा रही है। बता दें कि कल (22 अप्रैल) को पहलगाम में आतंकियों ने नेवी लेफ्टिनेंट विनय नरवाल (26) की गोली मारकर हत्या कर दी थी। उनकी 7 दिन पहले ही गुरुग्राम की हिमांशी नरवाल से शादी हुई थी। वे दोनों 21 अप्रैल को हनीमून मनाने के लिए पहलगाम गए थे।

ताज को निहारते रह गए वेंस

● अमेरिकी उपराष्ट्रपति ने पत्नी और बच्चों के साथ किया ताजमहल का दीदार, सिटी पैलेस का दौरा रद्द

आगरा/जयपुर (एजेंसी)। भारत दौरे पर आए अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने जयपुर के सिटी पैलेस जाना था, लेकिन यह दौरा रद्द कर दिया गया है। माना जा रहा है कि पहलगाम आतंकी हमले की वजह से यह फैसला लिया गया। इससे पहले बुधवार सुबह वेंस और उनके परिवार से आगरा में ताजमहल देखा बस देखते ही रह गए। करीब 3 घंटे आगरा में बिताने के बाद वे जयपुर लौट आए। फिलहाल वेंस और उनका परिवार रामबाग पैलेस होटल में हैं। वे गुरुवार सुबह साढ़े 6 बजे अमेरिका रवाना होंगे।

अटारी चेक पोस्ट की जाएगी बंद, पाकिस्तान के साथ सिंधू जल समझौता रोका जाएगा, भारतीय विदेश मंत्रालय का बड़ा ऐलान

नई दिल्ली (एजेंसी)। पहलगाम आतंकवादी हमले के एक दिन बाद विदेश मंत्रालय ने बुधवार को एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित किया और कहा कि सुरक्षा मामलों की कैबिनेट समिति (सीसीएस) ने आतंकवादी हमले की कड़े शब्दों में निंदा की है। विदेश मंत्रालय में विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की अध्यक्षता में आज शाम सीसीएस की बैठक हुई और इसमें 22 अप्रैल 2025 को होने वाले आतंकवादी हमले के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। पहलगाम में हुए हमले में 25 भारतीय और एक नेपाली नागरिक की मौत हो गई। कई अन्य घायल हो गए। विदेश सचिव ने कहा कि सीसीएस ने इस हमले की कड़े शब्दों में निंदा की है और पीड़ितों के परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की है तथा घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की आशा व्यक्त की है।

उन्होंने कहा कि दुनिया भर की कई सरकारों से समर्थन और एकजुटता की मजबूत अभिव्यक्ति मिली है, जिन्होंने इस आतंकी हमले की स्पष्ट रूप से निंदा की है। उन्होंने यह भी कहा कि सीसीएस ने ऐसी भावनाओं के लिए अपनी सराहना दर्ज की है, जो आतंकवाद के प्रति शून्य सहिष्णुता को दर्शाती है। सीसीएस को दी गई ब्रीफिंग में आतंकवादी हमले के सीमा पार संबंधों को उजागर किया गया। उन्होंने कहा कि यह ध्यान दिया गया कि यह हमला केंद्र शासित प्रदेश में चुनावों के सफल आयोजन और आर्थिक वृद्धि और विकास की दिशा में इसकी निरंतर प्रगति के मद्देनजर हुआ है।

केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी का नया और दिलचस्प प्रस्ताव

-तेज और कर्कश हॉर्न की जगह सुनाई देगी वाद्ययंत्रों की मधुर ध्वनि

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने हाल ही में एक नया और दिलचस्प प्रस्ताव पेश किया है। उन्होंने कहा है कि वह ऐसा कानून लाने पर विचार कर रहे हैं, जिससे गाड़ियों के तेज और कर्कश हॉर्न की जगह भारतीय संगीत वाद्ययंत्रों की मधुर ध्वनि सुनाई दे। हाल ही में दिल्ली में हुए एक कार्यक्रम में बोलते हुए गडकरी ने बताया कि भविष्य में गाड़ियों के हॉर्न से बांसुरी, तबला, वायलिन और हारमोनियम जैसी सुकून देने वाली आवाजें सुनाई दे सकती हैं।

गडकरी ने इस पहल के पीछे की वजह भी समझाई। उनका कहना है कि सड़क किनारे होने वाला ध्वनि प्रदूषण कम करना बेहद जरूरी है ताकि लोगों को शहरी माहौल में राहत मिल सके। उन्होंने कहा कि जैसे हम हवा की गुणवत्ता सुधारने की कोशिश करते हैं, वैसे ही अब हमें ध्वनि प्रदूषण को भी गंभीरता से लेना चाहिए। उनका मानना है कि शांत और स्वस्थ माहौल शहरों को रहने लायक बनाएगा।

ट्रांसपोर्ट सेक्टर से 40 प्रतिशत वायु प्रदूषण

गडकरी ने यह भी बताया कि भारत में लगभग 40 प्रतिशत वायु प्रदूषण ट्रांसपोर्ट सेक्टर से आता है। इसी वजह से सरकार ग्रीन मोबिलिटी यानी पर्यावरण के अनुकूल यातायात साधनों को बढ़ावा दे रही है। इसमें बायो-फ्यूल जैसे एथेनॉल और मीथेनॉल से चलने वाली गाड़ियों को बढ़ावा दिया जा रहा है। उनका कहना है कि सरकार ऐसे ट्रांसपोर्ट विकल्पों पर काम कर रही है जो पर्यावरण के लक्ष्यों के अनुरूप हों।

भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा ऑटोमोबाइल बाजार

गडकरी ने भारत के ऑटोमोबाइल सेक्टर की तेजी से बढ़ती ताकत पर भी रोशनी डाली। उन्होंने बताया कि 2014 में भारतीय ऑटो सेक्टर की वैल्यू करीब 14 लाख करोड़ रुपये थी, जो आज बढ़कर 22 लाख करोड़ रुपये हो गई है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहलगाम में मजहबी आतंक का सबसे बर्बर चेहरा

ललित गर्ग

आतंक से जो जन्मती है, वह संस्कृति नहीं होती है, उसमें पाशविकता होती है, उसमें जानवर विद्यमान होते हैं। ऐसे व्यक्ति, संगठन एवं देश किसी के प्रिय नहीं हो सकते, वे मानवता को त्राण नहीं, संत्रास देते हैं। लगातार हो रहे इन हमलों के बाद भी हिन्दू समुदाय शांति और करुणा की ही बात करता आया है। पर एक बड़ा सवाल ये है कि आखिर कब तक यह सिलसिला चलेगा?

जम्मू-कश्मीर में स्थित पहलगाम, जिसे ह्यमिनी स्विट्जरलैंडह्ल के नाम से जाना जाता है, मंगलवार को एक भीषण, दर्दनाक एवं अमानवीय आतंकी हमले का गवाह बना, एक बार फिर जिहादी आतंक का घिनौना-बर्बर चेहरा दिखा। आतंकियों ने पहलगाम में निर्दोष-निहत्थे पर्यटकों की जिस तरह पहचान पता करके गोलियां बरसाईं, उससे यही पता चलता है कि वे केवल खौफ ही नहीं पैदा करना चाहते थे, बल्कि बड़ी संख्या में लोगों का खून बहाकर दुनिया का ध्यान भी खींचना चाहते थे। यह आतंकवाद एवं सांप्रदायिक घृणा का अब तक का सबसे घिनौना एवं बर्बर हमला एवं चेहरा है, जिसमें हिन्दू सुनकर चलाई गोलियां। जो पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद के मूल एजेंडे का हिस्सा है। इस जघन्य एवं त्रासद घटना में निर्दोष पर्यटकों को तब मौत की गहरी नींद सुलाया गया, जब अमेरिकी उपराष्ट्रपति भारत में हैं और भारतीय प्रधानमंत्री सऊदी अरब में। इस हमले ने यह प्रकट किया कि कश्मीर में बचे-खुचे आतंकी किसी भी सीमा तक गिरने पर आमादा हैं। आतंकियों ने उन पर्यटकों को निशाना बनाया, जो कश्मीरियों की रोजी-रोटी को ही सहारा देने कश्मीर गए थे। यह हमला इतना वीभत्स था कि उसने हर संवेदनशील दिल को झकझोर कर रख दिया। आतंकियों ने नृशंसता की सारी सीमाएं पार करते हुए अंधाधुंध गोलीबारी की, जिसमें 28 पर्यटक, जिनमें दो विदेश नागरिक भी थे, की दर्दनाक मौत हो गई।

हमले की जिम्मेदारी पाकिस्तान में स्थित प्रतिबंधित आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े संगठन 'द रेजिस्टेंस फ्रंट' (टीआरएफ) ने ली है। सुरक्षा एजेंसियों का मानना है कि हमलावरों ने दक्षिण कश्मीर के कोकेरनाग से होते हुए किश्तवाड़ के रास्ते बैसरन तक पहुंच बनाई। घटना दोपहर करीब तीन बजे की है, जब बैसरन के घास के मैदान और आसपास के इलाकों में भारी संख्या में पर्यटक मौज-मस्ती कर रहे थे, कुछ खच्चरों की सवारी का आनंद ले रहे थे तो कुछ परिवार पिकनिक मना रहे थे। तभी घात लगाए बैठे आतंकियों ने ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू कर दी। इस घटना के लिये सीधे तौर पर पाकिस्तान जिम्मेदार है। इसकी अनदेखी नहीं की जानी चाहिए कि चंद दिन पहले ही पाकिस्तान के सेनाध्यक्ष आसिम मुनीर ने किसी जिहादी की तरह हिंदुओं और भारत के खिलाफ अपनी घृणा का भद्दा प्रदर्शन किया था। अबू मूसा का वह भाषण और उसके तुरंत बाद हुआ पहलगाम नरसंहर दशार्ता है कि पीओके में बैठे आतंकी सरगना न केवल भारत विरोधी जहरीला प्रचार फैला रहे हैं, बल्कि कश्मीर घाटी की शांति, विकास एवं सौहार्द को बाधित करने की हर कोशिश को सफल बनाने

में जुटे हैं। वे आगामी समय में घाटी को फिर से अशांत करने की योजना पर भी काम कर रहे हैं। इस भीषण आतंकी हमले के बाद घाटी में पर्यटन संबंधी कारोबार करीब-करीब ठप पड़ना तय है। आखिर इतनी भयावह घटना के बाद कौन पर्यटक कश्मीर की ओर रुख करेगा? लम्बे समय की शांति, अमन-चैन एवं खुशहाली के बाद एक बार फिर कश्मीर में अशांति एवं आतंक के बादल मंडराये हैं। धरती के स्वर्ग की आभा पर लगे ग्रहण के बादल छंटने लगे थे कि एक बार फिर पहलगाव में आतंकियों ने पूरे देश में आक्रोश की लहर पैदा करने वाली घटना को अंजाम दिया है। अनुच्छेद 370 हटाए जाने के बाद पहली बार कश्मीर में इतना बड़ा आतंकी हमला हुआ है। आतंकियों और उनके समर्थकों को करारा जवाब दिया जाना आवश्यक ही नहीं, अनिवार्य है। पहलगाम में आतंकी हमले की गंभीरता इससे प्रकट होती है कि जहां गृहमंत्री अमित शाह आनन-फानन श्रीनगर के लिए रवाना हुए, वहीं सऊदी अरब गए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अपनी यात्रा बीच में छोड़कर दिल्ली आ गये। दिल्ली आते ही एयरपोर्ट पर ही एक मीटिंग की, जिसमें अजित डोभाल से गंभीर मंत्रणा के बाद इस आतंकवादी घटना के खिलाफ एक्शन लेना प्रारंभ कर दिया। मोदी एवं शाह के एक्शन से उम्मीद बंधी है कि इस बार कुछ निर्णायक होगा। पहलगाम की सुंदर घाटी को रक्त रंजित करने के लिये आतंकवाद का जिन्न भले ही निकल आया हो, लेकिन इस बार निर्दोष एवं बेकसूर लोगों का रक्त व्यर्थ नहीं जाना चाहिए। यह हमला पाकिस्तान की बौखलाहट का नतीजा है, उसी के इशारे पर किया गया। यह मानने के पुख्ता एवं पुष्ट कारण हैं कि पाकिस्तान सुलगते बलूचिस्तान से दुनिया का ध्यान हटाना चाहता है और उसे यह रास नहीं आ रहा कि कश्मीर में स्थितियां तेजी से सामान्य होती जा रही हैं। भारत को पाकिस्तान के शैतानी इरादों के प्रति और अधिक सतर्क रहना चाहिए था। वह न पहले भरोसे लायक था और न अब। अब आतंकियों को शह और सहयोग देने वाले पाकिस्तान को निर्णायक रूप से सबक सिखाया जाना ज्यादा जरूरी हो गया है।

तहव्वुर राणा का प्रत्यर्पण आतंकवाद के खिलाफ भारत की एक बड़ी जीत बनी है, जिससे भी पाकिस्तान भयभीत बना। मुंबई सहित देश के अन्य हिस्सों और विशेषतः जम्मू-कश्मीर में आतंकी हमले की पूरी प्लानिंग के पीछे पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई व उसकी जमीन पर सक्रिय आतंकवादी संगठनों का हाथ न केवल था, बल्कि आर्थिक एवं अन्य तरह का सहयोग भी शामिल है। पहलगाम की ताजा घटना हो या बार-बार होने वाली आतंकी घटनाएं तमाम सबूत होने के बाद भी पाकिस्तान इन हमले के पीछे अपनी कोई भूमिका होने से इनकार करता रहा है। हालांकि वह आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के प्रमुख हाफिज सईद और जकी-उर-रहमान लखवी जैसे आतंकवादी सरगनाओं को बचाता भी रहा है। राणा के माध्यम पाकिस्तान का पूरा सच देश एवं दुनिया के सामने आने का डर पाकिस्तान को सता रहा था, तभी उसने इस पहलगाम की घटना को अंजाम दिया। लेकिन अब हद हो गयी। अब एक साथ कई मोर्चे पर आतंकवाद के खिलाफ कमर कसनी होगी, अब भारतीय सुरक्षा एजेंसियों का असली बड़ा काम यहां से शुरू करना होगा। अमेरिका राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सीमा पार यानी पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद से लड़ने में भारत का साथ देने का संकल्प एकबार फिर दोहराया है, इसी तरह रूस भी भारत के साथ है। अनेक देशों ने भारत की आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में हर तरह से सहयोग का वादा किया है। अब समय आ गया है पाकिस्तान को उसकी जमीन दिखाने एवं उसके विध्वसंक एवं विनाशकारी मनसूंबों को नेस्तनाबूंद करने का।

तीन दशकों से कश्मीर घाटी दोषी और निर्दोषी लोगों के खून की हल्दीघाटी बनी रही है। लेकिन वर्ष 2014 के बाद से, नरेन्द्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद से वहां शांति एवं विकास का अपूर्व वातावरण बना है, यही पाकिस्तान को रास नहीं आ रहा है। कश्मीर सहित समूची दुनिया से आतंकवाद को समाप्त करने का नेतृत्व करके मोदी एक और करिश्मा घटित करने को तत्पर होना भी पाकिस्तान के लिये बड़ी चुनौती बना है, पहलगाव जैसी घटनाएं उनके इरादों को कमजोर नहीं, बल्कि बलशाली ही बनाती है। अब कश्मीर में आतंक का अंधेरा नहीं, शांति का उजाला होना ही चाहिए। दुनिया के शक्तिसंपन्न राष्ट्र भी मंथन करें आतंक रूपी विष और विषमता को समाप्त करने का, शांतिपूर्ण दुनिया निर्मित करने का। अब समय आ गया है कि पाकिस्तान में घूस कर सबक सिखाने का। सर्जिकल अटैक ही पुख्ता जबाव हो सकता है।

आतंक से जो जन्मती है, वह संस्कृति नहीं होती है, उसमें पाशविकता होती है, उसमें जानवर विद्यमान होते हैं। ऐसे व्यक्ति, संगठन एवं देश किसी के प्रिय नहीं हो सकते, वे मानवता को त्राण नहीं, संत्रास देते हैं। लगातार हो रहे इन हमलों के बाद भी हिन्दू समुदाय शांति और करुणा की ही बात करता आया है। पर एक बड़ा सवाल ये है कि आखिर कब तक यह सिलसिला चलेगा? भारत दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थ-व्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है। भारत के बढ़ते कदमों को रोकने के लिये पाकिस्तान आतंकी संगठन और आतंक का सहारा ले रही हैं। भारत सरकार की नीति, सशक्त सुरक्षा व्यवस्था, सरकार की सतर्कता के चलते ही पाकिस्तान, वहां के आतंकवादी संगठन एवं आतंकवादी अपने मनसूबों में कामयाब नहीं हो पा रहे हैं। लगातार असफलता से खीझे एवं बौखलाये हुए आतंकी कोई-न-कोई नई और अधिक खौफनाक आतंकी घटना को अंजाम देने में जुटे रहते हैं, हमारी सुरक्षा एजेंसियों को अधिक सतर्कता बरतने की अपेक्षा है।

संपादकीय

नौकरशाही का ढर्रा

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि भारत की नौकरशाही और नीति-निर्माण प्रक्रिया पुराने ढर्रे पर नहीं चल सकती। इसलिए कि उनकी सरकार जिन नीतियों पर काम कर रही है, वे अगले एक हजार साल के भविष्य को आकार देंगी। नई दिल्ली में सिविल सेवा दिवस समारोह को संबोधित करते हुए सोमवार को प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि अब ऐसा माहौल बनाया जा रहा है कि जो आम नागरिकों के बीच उद्यमिता को प्रोत्साहित करता है और उन्हें बाधाओं से पार पाने में मदद करता है। इस संदर्भ में उन्होंने औद्योगीकरण और उद्यमिता की गति को नियंत्रित करने वाले नियामक के रूप में नौकरशाही की पुरानी भूमिका का जिक्र भी किया और कहा कि अब ऐसा नहीं चलने वाला। खासकर इसलिए कि एक तो सरकार संकल्पबद्ध है कि 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाना है, और दूसरा इसलिए भी कि आज का युवा बेहद महत्त्वाकांक्षी है, और किसान और महिलाओं जैसे सामाजिक समूहों के सपने ऊंचे हैं। ऐसे में सरकार की महत्त्वाकांक्षा और आमजन के सपने को पूरा करने में कारगर भूमिका नौकरशाही तभी निभा पाएगी जब वह अपने पुराने ढर्रे को बदले। कामकाज में जवाबदेही हमेशा से तवज्जो पाती रही है, और जवाबदेही के पैमाने पर ही नौकरशाही को चाक-चौबंद रखा जाता रहा है। लेकिन अब नौकरशाही को नई चुनौतियों और नये उभरे आकांक्षी समूहों के सपनों को साकार करने में उत्प्रेरक की भूमिका में आना होगा। उसे अपने कामकाज की गति असाधारण तरीके से तेज रखनी होगी। दरअसल, आज के युवा की परवरिश भी पुराने ढर्रे पर नहीं हुई है। वह अपने कार्यों को लेकर परिणामोन्मुख तेवर रखता है, और अपने उद्देश्यों और लक्ष्यों को पूरा करने में स्वयं भी कोई शिथिलता नहीं बरतता। अदद नौकरी पाने का आकांक्षी भी नहीं रहा। अब वह उद्यमिता से प्रेरित है, इसलिए महज नौकरी पाने की लाइन में खटना नहीं चाहता। दरअसल, तेजी से बदल रहे समय के साथ कदमताल बनाए रखना हर किसी के लिए चुनौतीपूर्ण होता जा रहा है और कोई भी दौड़.में पीछे छूट जाने को तैयार नहीं है।

बच्चे भविष्य की नींव बच्चों को मजदूरी नहीं किताबें दें

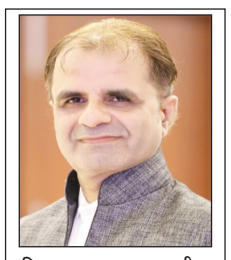

किशन सनमुखदास भावनानी

वैश्विक रूप से यह देखा गया है कि अनेक कमर्शियल संस्थानों, औद्योगिक संस्थानों, दवा उद्योग, खेत खलियानों गृहउद्योग, इत्यादि अनेक व्यवसायिक क्षेत्रों में छोटे-छोटे बच्चों से श्रम करवाया जाता है, क्योंकि उन क्षेत्रों में कामों के लिए यह छोटे-छोटे बच्चे आसानी से उपलब्ध हो जाते हैं और अपेक्षाकृत रोजी या मजदूरी भी इनकी कम होती है, और डेली वेजेस के रूप में रखकर आसानी से अपना काम करवा लेते हैं।

दूसरी तरफ हम अनेक चौराहों, बाजारों, हाट बाजारों, में हमने छोटे-छोटे बच्चों को अकेले या अपने मातापिता के साथ खिलौने,खाद्य पदार्थों इत्यादि बेचने को देखते रहते हैं।अनेक बड़ी या छोटी सिटीओ में तो सिग्नल स्टेशनों, बूथों पर अक्सर यह छोटे बच्चे भीख मांगते, सामान बेचते, हमें दिखते रहते हैं। यह नजारा हर छोटी बड़ी सिटी के चौराहों पर आसानी से देखने को मिलता है। संयुक्त राष्ट्र बाल श्रम उन्मूलन के लिए अंतर्राष्ट्रीय वर्ष घोषित करते हुए कि 2025 तक इस प्रथा को समाप्त करने के लक्ष्य को पूरा करने के लिए तत्काल कार्रवाई की आवश्यकता है।

बात अगर हम विश्व बाल श्रम की करें तो इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में आई संयुक्त राष्ट्र और यूनिसेफ की रिपोर्ट के अनुसार,संयुक्त राष्ट्र की एक नई रिपोर्ट दशार्ती है कि दो दशकों में पहली बार, बाल श्रमिकों की संख्या में बढ़ोत्तरी हुई है।दुनिया भर में काम पर लगाए जाने वाले बच्चों का आँकड़ा अब 16 करोड़ पहुँच गया है।पिछले चार वर्षों में इस संख्या में 84 लाख की वृद्धि हुई है। गुरुवार को जारी साझा रिपोर्ट के मुताबिक कोविड-19 महामारी के कारण लाखों अन्य बच्चों पर जोखिम मंडरा रहा है।चाइल्ड लेबर- ग्लोबल एस्टिमेट्स 2020 ट्रेंड्स रोड फॉरवर्ड नामक रिपोर्टअंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन (आईएलओ) और संयुक्त राष्ट्र बाल कोष(यूनिसेफ) द्वारा जारी की गई है...यूनीसेफ की कार्यकारी निदेशक, ने कहा है कि इस रिपोर्ट में सरकारों और अन्तरराष्ट्रीय विकास बैन्कों से आग्रह किया गया है कि वे ऐसे कार्यक्रमों में निवेश को प्राथमिकता दें, जो बच्चों को कार्यबल से हटाकर स्कूल में वापस ला सकें, उन्होंने देशों से बेहतर सामाजिक सुरक्षा कार्यक्रमों का भी आह्वान किया ताकि परिवारों को इस विकल्प को अपनाने की जरूरत के बारे में ही ना सोचना पड़े।

12 जून को बाल श्रम के खिलाफ विश्व दिवस से पहले जारी की गई इस रिपोर्ट में चेतावनी दी गई है कि पिछले 20 वर्षों में पहली बार, बाल श्रम को समाप्त करने की दिशा में हुई प्रगति में व्यवधान आया है। वर्ष 2000 और 2016 के बीच,बाल मजदूरों की संख्या में नौ करोड़ 40 लाख की कमी दर्ज की गई थी, मगर अब गिरावट का यह रूझान पलट गया है।यह 5 से 11 वर्ष की आयु के बीच काम करने वाले बच्चों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि की ओर इशारा करता है, जो कुल वैश्विक आँकड़ों का आधे से ज्यादा है। रिपोर्ट में चेतावनी दी गई है कि महामारी के परिणाम स्वरूप 2022 के अन्त तक, वैश्विक स्तर पर, 90 लाख अतिरिक्त बच्चों को बाल श्रम में धकेल दिये जाने का खतरा है। कोविड-19 के कारण महसूस किये गए आर्थिक झटकों और स्कूल बन्द होने के कारण, जो बच्चे पहले से ही काम करने के लिये मजबूर थे, उन्हें या तो लम्बे घण्टों तक काम करना पड़ रहा है या वे खराब परिस्थितियों में काम कर रहे हैं। वहीं, निर्बल परिवारों में कामकाज और आमदनी का जरिया खत्म होना, बड़ी संख्या में अन्य बच्चों को बाल श्रम के सबसे खराब रूपों की ओर धकेले जाने की वजह बन सकता है। उन्होंने कहा,अब, वैश्विक तालाबन्दी के दूसरे वर्ष में, स्कूल बन्द होने, आर्थिक व्यवधान और सिकुड़ते राष्ट्रीय बजट के कारण, परिवार पीड़ादायक विकल्प चुनने के लिये मजबूर होते जा रहे हैं। रिपोर्ट के मुख्य निष्कर्षः

- कृषि क्षेत्र में बाल मजदूरी करने वाले बच्चों का आँकड़ा 70 प्रतिशत है, सेवा क्षेत्र में 20 प्रतिशत और उद्योगों में 10 प्रतिशत बच्चे हैं। 5 से 11 वर्ष के लगभग 28 प्रतिशत बच्चे और 12 से 14 वर्ष की आयु के 35 प्रतिशत बाल श्रमिक, स्कूल से बाहर हैं। बाल श्रमिकों के तौर पर, लड़कियों की तुलना में लड़कों की संख्या अधिक है. लेकिन, अगर प्रति सप्ताह 21 घण्टे घर में किये गए काम को ध्यान में रखा जाए, तो बाल श्रम का यह लैंगिक अन्तर भी कम हो जाता है। ग्रामीण क्षेत्रों में बाल श्रम 14 प्रतिशत है, जो शहरी क्षेत्रों में 5 प्रतिशत के आँकड़े से लगभग तीन गुना अधिक है।

बात अगर हम भारत की करें तो भारत में भी अनेक बाल श्रमिक हैं। और बाल श्रमिकों की तेजी से संख्या भी बढ़ रही है हालांकि केंद्र और राज्य सरकारों ने इसके खिलाफ कड़े कदम उठाने में भी कोई कसर नहीं छोड़ी है। देखा जाए तो बाल श्रमिक निम्नलिखित रुप से काम करते हैं??बाल मजदूर - वे बच्चे जो कारखानों, कार्यशालाओं, प्रतिष्ठानों, खानों और घरेलू श्रम जैसे सेवा क्षेत्र में मजदूरी या बिना मजदूरी में काम कर रहे हैं।गली - मोहल्ले के बच्चे - कूड़ा बीनने वाले, अखबार और फेरी लगाने वाले और भीख मांगने वाले।बंधुआ बच्चे - वे बच्चे जिन्हें या तो उनके माता-पिता ने पैसों की खातिर गिरवी रखा है या जो कर्ज को चुकाने के चलने मजबूरन काम कर रहे हैं।वर्किंग चिल्ड्रन - वे बच्चे जो कृषि में और घर-गृहस्थी के काम में पारिवारिक श्रम का हिस्सा हैं।यौन शोषण के लिए इस्तेमाल किए गए बच्चे - हजारों बालिक बच्चे और नाबालिक लड़कियां यौन शोषण की जद में हैं।घरेलू गतिविधियों में लगे बच्चे - घरेलू सहायता के रूप में काम। इसमें लड़कियों का शोषण सबसे ज्यादा है - बच्चे छोटे भाई-बहनों की देखभाल, खाना पकाने, साफ-सफाई और ऐसी अन्य घरेलू गतिविधियों में लगे हुए हैं। हालांकि इन गतिविधियों को रोकने के लिए भारत में अनेक कानून कायदे बने हैं जैसे कि,खदान अधिनियम 1952 - 18 साल से कम आयु वाले बच्चों को खदानों में काम करने पर प्रतिबन्ध लगाता है

चिंतन-मनन

अपनेपन का प्रेम असली प्रेम

जब प्रेम बहुत गहरा होता है, तब तुम किसी भी गलतफहमी के लिए पूरी जिम्मेवारी लेते हो। पल भर के लिए ऊपरी तौर से नाराजगी व्यक्त कर सकते हो, परन्तु जब इस नाराजगी को दिल से महसूस नहीं करते, तब तुम एक-दूसरे को अच्छी तरह समझ पाते हो। तब तुम उस अवस्था में हो जहां सभी समस्याएं और मत-भेद मिट जाते हैं और केवल प्रेम झलकता है। प्रायः हम मतभेदों में उलझे रहते हैं क्योंकि अपने वास्तविक स्वभाव से दूर हो गए हैं। प्रेम के नाम पर हम दूसरों को इच्छानुसार चलाना चाहते हैं। यह स्वाभाविक है कि जब हम किसी से प्रेम करते हैं तो हम चाहते हैं कि वे त्रुटिहीन हो। तुम पहाड़ी के ऊपर से जमीन के गड्ढों को नहीं देख सकते।

इसी प्रकार, उन्नत चेतना की अवस्था से दूसरों की त्रुटियां नजर नहीं आती। परन्तु जमीन आकर गड्ढों को (दोषों को) देख सकते हो। और गड्ढों को भरना चाहते हो तो उन्हें देखना ही होगा। हवा में रहकर तुम घर नहीं बना सकते। गड्ढों को देखे बिना, उनको भरे बिना, कंकड़-पत्थर हटाए बिना, जमीन को नहीं जोत सकते।

इसीलिए जब तुम किसी से प्रेम करते हो और उनमें दोष ही दोष देखते हो तो उनके साथ रहो और गड्ढे भरने में उनकी मदद करो। यही ज्ञान है। तुम किसी को प्यार क्यों करते हो? क्या उनके गुणों के लिए या मित्रता और अपनेपन के कारण? अपनत्व महसूस किए बिना, केवल उनके गुणों के लिए, तुम किसी से प्रेम कर सकते हो!

इस प्रकार का प्रेम प्रतिस्पर्धा और ईर्ष्या पैदा करता है। परन्तु जब प्रेम आत्मीयता के कारण होता है, तब ऐसा नहीं होता। जब तुम किसी को उनके गुणों के लिए चाहते हो और जब उनके गुणों में बदलाव आता है, या जब तुम उनके गुणों के आदी हो जाते हो, तुम्हारा प्रेम भी बदल जाता है। परन्तु प्रेम यदि अपनत्व के भाव से है, क्योंकि वे तुम्हारे अपने हैं, तब वह प्रेम जन्म-जन्मान्तरों तक रहता है।

लोग कहते हैं, मैं ईश्वर से प्रेम करता हूं क्योंकि वे महान है। और यदि यह पाया जाए कि ईश्वर साधारण हैं, हमारे जैसे ही एक व्यक्ति, तब तुम्हारा प्रेम समाप्त हो जाएगा। यदि तुम ईश्वर से इसलिए प्रेम करते हो क्योंकि वे तुम्हारे अपने हैं, तब वे चाहे जैसे भी हों, चाहे वे रचना करें

बिहार में विधानसभा चुनाव से पहले महत्वपूर्ण राजनीतिक मंथन

राजद, कांग्रेस और कुछ छोटी पार्टियों से मिलकर बना महागठबंधन कड़ा चुनौती दे रहा है। गठबंधन पर चर्चा के लिए पिछले हफ्ते दिल्ली में राजद और कांग्रेस के शीर्ष नेताओं की बैठक हुई थी। 2020 के बाद से राजनीतिक पुनसंयोजन-वीआईपी का महागठबंधन में शामिल होना, एलजेपी का एनडीए के साथ गठबंधन और राष्ट्रीय लोक समता पार्टी का जेडी(यू) में विलय-चुनावी तस्वीर को जटिल बनाते हैं।

इस साल के अंत में बिहार में होने वाले चुनाव काफी अप्रत्याशित हैं। अभी तक, भाजपा, राजद, कांग्रेस या जद (यू) के लिए कोई आसान रास्ता नहीं है। बिहार की राजनीति में मंथन चुपचाप हो रहा है। सत्ता की गत्यात्मकता में संभावित बदलाव हो सकता है। पिछले दो दशकों से जनता दल (यूनाइटेड) के बाद दूसरे स्थान पर रहने वाली भाजपा प्रमुख भूमिका निभाने की उम्मीद कर रही है। राजद सरकार का मुखिया बनना चाहता है।

दो महत्वपूर्ण शक्ति समूह लड़ाई में हैं। एक तरफ एनडीए और दूसरी तरफ महागठबंधन, जिसमें राजद, कांग्रेस और वामपंथी दल शामिल हैं। पार्टी के भीतर और भीतरी गतिशीलता पूरे जोश में है। एनडीए और महागठबंधन एक बड़े राजनीतिक मुकाबले के लिए सोची-समझी चाल चल रहे हैं। दिल्ली विधानसभा चुनाव जीतने के बाद, लगातार उन राज्यों में जीत से उत्साहित भाजपा ने अब बिहार पर नजरें गड़ा दी हैं। बिहार की जातिगत राजनीति दिलचस्प है। पिछड़े वर्ग की आबादी 63.13प्रतिशत है, जबकि सवर्ण जातियां केवल 15.52प्रतिशत हैं। पिछड़े वर्ग की श्रेणी में अन्य पिछड़ा वर्ग 27.12 है, जबकि अत्यंत पिछड़ा वर्ग की आबादी 36प्रतिशत है। दलितों की संख्या लगभग 19.65 है और यादवों की संख्या 14.26प्रतिशत है। नीतीश कुमार की कुर्मी जाति, कुर्मी, जिसे ओबीसी के रूप में भी वर्गीकृत किया गया है, की आबादी 2.87प्रतिशत है। पिछले विधानसभा चुनावों में, लगभग 15प्रतिशत आबादी वाली उच्च जातियों ने कई पार्टियों में टिकट वितरण पर अपना दबदबा बनाया था। भाजपा ने अपने 47.3प्रतिशत टिकट उच्च जाति के उम्मीदवारों को दिये थे, जबकि कांग्रेस ने अपनी 40प्रतिशत सीटें उच्च जातियों को दी थीं।

2020 के बिहार विधानसभा चुनाव में, महागठबंधन 243 सदस्यीय विधानसभा में साधारण बहुमत हासिल नहीं कर सका, केवल 12 सीटों से चूक गया। राजद सदन में सबसे बड़ी पार्टी थी, लेकिन सरकार नहीं बना सकी।

2025 के चुनावों के लिए, जेडी(यू) ने नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री पद का चेहरा बनाने की पुष्टि की है। जाने-माने चुनाव विशेषज्ञ प्रशांत किशोर ने भविष्यवाणी की थी कि नीतीश कुमार अपना राजनीतिक करियर खत्म कर देंगे। राजद ने अपने नेता तेजस्वी यादव को चुना है। कांग्रेस ने अभी तक अपने पत्ते नहीं खोले हैं। इस महीने से शुरू हुई कांग्रेस और राजद के बीच बैठकों का सिलसिला जारी है।

जनता दल (यूनाइटेड) पार्टी और भाजपा गठबंधन वर्तमान में बिहार पर शासन कर रहे हैं। नीतीश कुमार की बिगड़ती सेहत, जातिगत संतुलन और गठबंधन के कामकाज ने बिहार को एनडीए के लिए राजनीतिक रूप से अप्रत्याशित बना दिया है। अगर भाजपा नीतीश को चुनती भी है, तो उनके स्वास्थ्य संबंधी मुद्दे चुनाव परिणाम को काफी प्रभावित कर सकते हैं। जेडीयू भाजपा के साथ ज्यादा सीटों के लिए मोलभाव करना चाहती है। 2020 में जेडी(यू)ने 115 सीटों पर चुनाव लड़ा, लेकिन सिर्फ 43 सीटें ही जीत पायी थी। इसके विपरीत, भाजपा ने 110 सीटों पर चुनाव लड़ा और 74 सीटें जीतीं।

राजद, कांग्रेस और कुछ छोटी पार्टियों से मिलकर बना महागठबंधन कड़ा चुनौती दे रहा है। गठबंधन पर चर्चा के लिए पिछले हफ्ते दिल्ली में राजद और कांग्रेस के शीर्ष नेताओं की बैठक हुई थी। 2020 के बाद से राजनीतिक पुनसंयोजन-वीआईपी का महागठबंधन में शामिल होना, एलजेपी का एनडीए के साथ गठबंधन और राष्ट्रीय लोक समता पार्टी का जेडी(यू) में विलय-चुनावी तस्वीर को जटिल बनाते हैं। 2020 के बाद से एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम एनडीए के भीतर सत्ता समीकरण में बदलाव रहा है, जिसमें भाजपा मजबूत होकर उभरी है। भाजपा ने रणनीतिक रूप से गैर-प्रमुख अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) और गैर-प्रमुख दलित समुदायों को अपने पक्ष में किया है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह दो दिनों के लिए बिहार गये। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जल्द ही बिहार का दौरा करेंगे।

राजद प्रमुख लालू प्रसाद यादव ने एक चौंकाने वाली घोषणा करते हुए कहा कि वह अपने समाजवादी सहयोगी नीतीश कुमार के साथ सुलह करने के लिए तैयार हैं। इस बयान के जवाब में नीतीश ने कहा कि उन्होंने अनजाने में राजद के साथ गठबंधन कर लिया था। हालांकि, तेजस्वी यादव ने जोर देकर कहा कि महागठबंधन में नीतीश के लिए कोई जगह नहीं है। कई लोगों का मानना है कि अपने यू-टर्न के लिए मशहूर नीतीश पाला बदल सकते हैं।

भारत के विपक्षी इंडिया ब्लॉक ने राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता और बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव को आगामी बिहार विधानसभा चुनावों के लिए अपनी समन्वय समिति का प्रमुख नियुक्त किया है। यह निर्णय 17 अप्रैल को पटना में छह गठबंधन सहयोगियों की बैठक के दौरान लिया गया।

महागठबंधन में कांग्रेस और वामपंथी दलों को चिंता है कि राजद सीट बंटवारे के समझौते को अंतिम रूप देने के लिए आखिरी समय तक इंतजार करेगा। कांग्रेस पार्टी 2020 में उन्हें दी गयी कमजोर सीटों से नाखुश है। उसने पिछले चुनाव में जिन 70 सीटों पर चुनाव लड़ा था, उनमें से उन्हें केवल 19 सीटें ही मिलीं। सीपीआई (एमएल), जिसने 2020 में अच्छा प्रदर्शन किया था, सीटों का बड़ा हिस्सा चाहती है। 2005 के बाद से, आरजेडी को 2015 और 2022 में छोटी अवधि को छोड़कर, सत्ता हासिल करने में कठिनाई हो रही है।

फिलहाल, तेजस्वी यादव के सामने दो मुख्य कार्य हैं। सबसे पहले, उन्हें मुसलमानों और यादवों के अपने मूल समूहों से परे अन्य जातियों को शामिल करने के लिए समर्थन का विस्तार करने की आवश्यकता है। इसके लिए एक मजबूत जमीनी स्तर का अभियान शामिल है, क्योंकि पारंपरिक मतदान के रुझान बदल रहे हैं। कांग्रेस ने बिहार में युवा नेतृत्व विकसित नहीं किया है। इसका पुराना कोर ग्रुप मुस्लिम और दलितों के वोट बैंक दूसरे दलों में चले गये हैं। पार्टी ने हाशिए पर पड़े समुदायों पर नजर रखने के लिए 'संविधान नेतृत्व कार्यक्रम' शुरू किया है।

मुख्य दलों को अपने समूहों के भीतर और बाहर दोनों जगह चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है, और एक महत्वपूर्ण राजनीतिक बदलाव की उम्मीद है। ध्यान देने वाली बात यह है कि नीतीश कुमार का ईबीसी बरकरार है और आरजेडी-कांग्रेस गठबंधन को चुनौती दे रहा है। नवंबर से पहले कई और बदलाव हो सकते हैं, जिन्हें देखना दिलचस्प होगा। राजनीति में एक सप्ताह लंबा माना जाता है। छह महीने वास्तव में लंबे होते हैं।

- कल्याणी शंकर

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

आयकर भुगतान के 'ई-पे टैक्स' शुरू

नई दिल्ली। आयकर विभाग ने अपने आधिकारिक ऑनलाइन पोर्टल पर 'ई-पे टैक्स' सुविधा शुरू की है। विभाग ने कहा कि 'ई-पे टैक्स' के साथ सरलता का एक नया युग शुरू हो गया है। विभाग विभिन्न प्रक्रियाओं को आसान बनाकर करदाताओं की सुविधा के लिए निरंतर प्रयास कर रहा है। सरल और अधिक सुलभ भुगतान विधियों की आवश्यकता को समझते हुए, और करदाताओं को डिजिटल रूप से सशक्त बनाने की दिशा में एक और कदम उठाते हुए, बैंकों में लंबी कतारें, थकाऊ फॉर्म भरना और अंतिम समय में कर भुगतान की चिंता के दिन अब खत्म हो गए हैं।

दस लाख से अधिक कीमत के लक्जरी सामान पर अब एक प्रतिशत टीसीएस

नई दिल्ली। दस लाख रुपये से अधिक कीमत वाले हैंडबैग, कलाई घड़ी, जूते और स्पोर्ट्सवियर (खेल-कूद के पहनने वाले उत्पाद) जैसे लक्जरी सामान पर अब एक प्रतिशत 'स्रोत पर कर संग्रह' (टीसीएस) लगेगा। आयकर विभाग ने 22 अप्रैल से 10 लाख रुपये से अधिक की विशिष्ट लक्जरी वस्तुओं की बिक्री पर एक प्रतिशत की दर से टीसीएस की प्रयोज्यता को अधिसूचित किया है। लक्जरी (विलासिता वाली) वस्तुओं के लिए टीसीएस प्रावधान वित्त अधिनियम, 2024 के माध्यम से जुलाई, 2024 में प्रस्तुत बजट के भाग के रूप में पेश किया गया था। टीसीएस एकत्र करने का दायित्व विक्रेता पर होगा, जो अधिसूचित वस्तुओं जैसे कलाई घड़ी, कला वस्तुएं जैसे पेंटिंग, मूर्तियां और प्राचीन वस्तुएं, संग्रहणीय वस्तुएं जैसे सिक्के और टिकट, नौकाएं, हेलीकॉप्टर, लक्जरी हैंडबैग, धूप के चश्मे, जूते, उच्च श्रेणी के खेल परिधान और उपकरण, होम थिएटर सिस्टम और रेसिंग या पोलो के लिए घोड़े आदि के संबंध में होगा।

श्रीनगर मार्ग पर हवाई किराये में कोई वृद्धि न हो: मंत्रालय

नई दिल्ली। नागर विमानन मंत्रालय ने एयरलाइन कंपनियों से कहा है कि श्रीनगर मार्ग पर हवाई किराये में कोई वृद्धि न की जाए। मंत्रालय ने कहा कि एयरलाइनें श्रीनगर के लिए अतिरिक्त उड़ानें की भी व्यवस्था करेंगी। दक्षिण कश्मीर के पहलगाम में एक प्रमुख पर्यटक स्थल पर मंगलवार को आतंकवादियों ने हमला किया। एयर इंडिया और इंडिगो बुधवार को श्रीनगर से राष्ट्रीय राजधानी और मुंबई के लिए कुल चार अतिरिक्त उड़ानें संचालित कर रही हैं। एयरलाइनों ने टिकट पुनर्निर्धारण और रद्दीकरण शुल्क भी माफ कर दिया है।नागर विमानन मंत्री के राममोहन नायडू ने सभी एयरलाइन कंपनियों के साथ तत्काल बैठक की और श्रीनगर मार्ग पर मूल्य वृद्धि के खिलाफ सख्त परामर्शिका जारी की। बुधवार को जारी आधिकारिक बयान में कहा गया कि एयरलाइनों को नियमित किराया स्तर बनाए रखने का निर्देश दिया गया है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि इस संवेदनशील समय के दौरान किसी भी यात्री पर बोझ न पड़े।

सुजलॉन को एनटीपीसी से 378 मेगावाट की पवन ऊर्जा परियोजना मिली

नई दिल्ली। सुजलॉन को एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी से 378 मेगावाट की पवन ऊर्जा परियोजना मिली है, जिससे उसे एनटीपीसी से मिली कुल क्षमता 1,544 मेगावाट हो गई है। कंपनी ने बुधवार को बयान में कहा कि यह ऑर्डर सुजलॉन के बाजार नेतृत्व और टिकाऊ, बड़े पैमाने पर वृद्धि के प्रति उसकी प्रतिबद्धता को मजबूत करता है। सुजलॉन ने कहा कि दीर्घकालिक, उच्च प्रभाव वाली साझेदारी के निर्माण पर अपने रणनीतिक ध्यान को आगे बढ़ाते हुए, उसने एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड (एनजीईएल) के साथ अपनी सबसे बड़ी साझेदारी को 1,544 मेगावाट तक एकीकृत किया है, जिसमें हाल ही में 378 मेगावाट की पवन ऊर्जा परियोजना का ठेका दिया गया है। इस अनुबंध के तहत सुजलॉन 3.15 मेगावाट की रेटेड क्षमता वाले हाइब्रिड लैटिस टावर्स (एचएलटी) के साथ 120 एस144 विंड टर्बाइन जेनरेटर (डब्ल्यूटीजी) की आपूर्ति करेगी और परियोजना के लिए नींव, निर्माण और क्रियान्वयन का काम भी करेगी और रखरखाव और सेवाएं प्रदान करेगी।

भारतीय रियल एस्टेट सेक्टर में वृद्धि की सबसे बड़ी चुनौती

साल 2022-24 के दौरान भारत में रियल एस्टेट इक्विटी निवेश 26.7 अरब डॉलर रहा

नई दिल्ली।

भारतीय रियल एस्टेट सेक्टर ने पिछले तीन वित्तीय वर्ष में शानदार प्रदर्शन किया है, जिसमें 26.7 अरब डॉलर का इक्विटी निवेश आकर्षित किया गया है।

एक रिपोर्ट के अनुसार, मुंबई ने इसमें सबसे अधिक हिस्सा लिया है।

इस सफलता के पीछे मजबूत पूंजी प्रवाह, निवेशक भावना, और उचित मात्रा में संसाधनों का होना मुख्य कारण बना है। इस सेक्टर की वृद्धि में निरंतर तकनीकी और मानव संसाधनों की गहरी समझ, सही निवेशक भावना, और होनहारी रणनीतियों का मतलब है। इस वृद्धि के साथ आते हुए नए चुनौतियों पर ध्यान देना होगा, जो सुनिश्चित करेगा कि सेक्टर विकास के मार्ग में सुधारता करता रहे। परामर्श कंपनी ने कहा, साल 2022-24 के दौरान भारत में कुल रियल एस्टेट इक्विटी निवेश 26.7 अरब डॉलर रहा।

मुंबई 6.9 अरब डॉलर के उच्चतम प्रवाह के साथ रियल एस्टेट इक्विटी निवेश में शीर्ष पर रहा।

निवेश में उसकी हिस्सेदारी 26 प्रतिशत रही। इस अवधि के दौरान मुंबई, दिल्ली-एनसीआर और बेंगलुरु ने कुल मिलाकर लगभग 16.5 अरब डॉलर आकर्षित किए, जो कुल मिलाकर 62 प्रतिशत हिस्सा है। रिपोर्ट 'ब्रिक्स एंड बिलियन्स - मैपिंग द फाइनेंसिंग लैंडस्केप ऑफ रियल एस्टेट में कहा गया, प्रवेश द्वार वाले शहरों का यह निरंतर प्रभुत्व निवेश-ग्रेड परियोजनाओं, मजबूत शहरी बुनियादी ढांचे, कुशल प्रतिभा पूल, परिसंपत्ति वर्गों में मजबूत मांग और लगातार संगठित हो रहे रियल एस्टेट पारिस्थितिकी तंत्र द्वारा प्रेरित था। भूमि/विकास स्थलों ने इक्विटी निवेश का सबसे बड़ा हिस्सा आकर्षित किया, जो कैलेंडर वर्ष 2022-24 के बीच कुल प्रवाह का 44 प्रतिशत था।

इसके बाद निर्मित कार्यालय परिसंपत्तियों का स्थान था, जिनकी हिस्सेदारी 32 प्रतिशत थी।

कैलेंडर वर्ष 2022 और 2024 के बीच, दूसरी श्रेणी के शहरों में कुल रियल एस्टेट इक्विटी निवेश का लगभग 10 प्रतिशत हिस्सा आया, जो लगभग तीन अरब डॉलर था।

बिजली मंत्री ने नेपाल में अरूण तीन परियोजना की समीक्षा की

सीमा पार पारेषण के लिए किया समझौता

नई दिल्ली।

केंद्रीय बिजली मंत्री मनोहर लाल ने नेपाल में 900 मेगावाट क्षमता की अरुण-तीन जलविद्युत परियोजना की प्रगति की समीक्षा की। आधिकारिक बयान के अनुसार इस मौके पर नेपाल के ऊर्जा, जल संसाधन एवं सिंचाई मंत्री दीपक खड़का और अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे। बयान में कहा गया है कि 'मनोहर लाल ने नेपाल के संखुवासभा जिले में 900 मेगावाट की अरुण-तीन जलविद्युत परियोजना क्षेत्रीय संपर्क बढ़ाने और सतत विद्युत विकास के उद्देश्य से द्विपक्षीय रूप से ऊर्जा के क्षेत्र में उठाये गये महत्वपूर्ण कदमों की समीक्षा की। इस अवसर पर बिजली मंत्री ने बिजलीघर स्थल पर इलेक्ट्रोमैकेनिकल कार्यों का शुभारंभ किया। परियोजना के समय पर पूरा होने की दिशा में यह मील का पत्थर है। बाद में काठमांडू में मनोहर लाल और दीपक खड़का की उपस्थिति में, सार्वजनिक क्षेत्र की पावरग्रिड और नेपाल विद्युत प्राधिकरण (एनईए) के बीच एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

रुपया डॉलर के मुकाबले 15 पैसे गिरकर 85.34 पर खुला

पिछले कारोबारी दिन रुपया चार पैसे की गिरावट के साथ 85.19 पर बंद हुआ था

मुंबई।

रुपया बुधवार को शुरुआती कारोबार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 15 पैसे गिरकर 85.34 पर आ गया। यह गिरावट डोनाल्ड ट्रंप के, खास तौर पर फेडरल रिजर्व और चीन के प्रति नरम रुख के कारण अमेरिकी मुद्रा में सुधार के बाद आई। विदेशी मुद्रा व्यापारियों ने कहा कि मंगलवार को ट्रंप द्वारा फेडरल रिजर्व के चेयरमैन जेरोम पॉवेल को बर्खास्त करने की धमकी से पीछे हटने के बाद बाजार को समर्थन मिला, क्योंकि ब्याज दरों में कटौती न करने के लिए उनके खिलाफ कई दिनों से आलोचना हो रही थी। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 85.24 पर खुला और शुरुआती कारोबार में डॉलर के मुकाबले 85.34 तक गिर गया, जो पिछले बंद स्तर से 15 पैसे की गिरावट है। मंगलवार को रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले चार पैसे की गिरावट के साथ 85.19 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले डॉलर की ताकत को मापने वाला सूचकांक 0.37 प्रतिशत की बढ़त के साथ 99.28 पर कारोबार कर रहा था।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 520 , निफ्टी 161अंक उछला

मुम्बई (ईएमएस)। भारतीय शेयर बाजार बुधवार को तेजी के साथ बंद हुआ। बाजार में ये उछाल दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी रहने से आया है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स अंत में 520.90 अंक करीब 0.65 फीसदी बढ़कर 80,116.49 अंक पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला निफ्टी भी अंत में 161.70 अंक तकरीबन 0.67 फीसदी बढ़कर 24,328.95 पर बंद हुआ। आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स की 30 कंपनियों में 24 के शेयरों में तेजी रही जबकि छह शेयरों में गिरावट रही। एचसीएल टेक के शेयरों में सबसे ज्यादा तेजी आई। आईटी कंपनी के शेयर 8 फीसदी तक ऊपर आये। कंपनी के शेयरों में यह उछाल जनवरी-मार्च तिमाही के अच्छे परिणामों के कारण आये हैं। टेक महिंद्रा, इन्फोसिस, टाटा मोटर्स, टीसीएस, महिंद्रा एंड महिंद्रा, सन फार्मा, टाटा स्टील, भारती एयरटेल, मारुति, नेस्ले इंडिया, एलएन्डटी के शेयर मुख्य रुप से उछले हैं। बाजार जानकारों के अनुसार एचसीएल टेक और अन्य आईटी शेयरों के कारण बीएसई आईटी इंडेक्स में लगभग 4 फीसदी की तेजी आई जिससे बाजार को बल मिला। बीएसई आईटी इंडेक्स 4 फीसदी ऊपर आकर 34,842.92 पर बंद हुआ। वहीं विदेशी निवेशकों की खरीदारी से भी बाजार में उछाल आया है। विदेशी निवेशक पिछले पांच कारोबारी सत्र से नेट बायर बने हुए हैं। उन्होंने मंगलवार को घरेलू बाजारों में 1,290 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे। इसके अलावा वैश्विक बाजारों में तेजी से भी घरेलू शेयर बाजारों में सकारात्मक प्रभाव पड़ा है। बीएसई सेंसेक्स छह महीने के बाद एक बार फिर 80 हजार के पार पहुंच गया। सेंसेक्स 25 अक्टूबर, 2025 को 663 अंक या 0.8 फीसदी की गिरावट के साथ 79,402 पर बंद हुआ था। सेंसेक्स पिछले पांच ट्रेडिंग सेशन में 4 फीसदी से ज्यादा बढ़ा है। वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार लगातार सातवें कारोबारी सत्र में मजबूती के साथ खुले। बेंचमार्क इंडेक्स सेंसेक्स खुलते ही 500 से ज्यादा अंक चढ़ गया जबकि निफ्टी-50 तेजी के साथ 24,300 के पार चला गया। एचसीएल टेक के नेतृत्व में इन्फोसिस, टेक महिंद्रा जैसी आईटी स्टॉक्स में जोरदार तेजी से बाजार चढ़कर खुला। वहीं बीएसई सेंसेक्स मंगलवार को 187 अंक बढ़कर 79,595 पर बंद हुआ। जबकि निफ्टी50 41 अंक की बढ़त के साथ 24,167 पर बंद हुआ। वहीं एशियाई बाजारों में आज तेजी रही । इसका कारण वॉल स्ट्रीट से मिले सकारात्मक संकेत थे। अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप के चीन के साथ ट्रेड वार को कम करने को लेकर जताई गई संभावना रही । जापान का निक्केई 1.58 प्रतिशत ऊपर था, जबकि दक्षिण कोरिया का कोस्पी 1.12 प्रतिशत बढ़ा हुआ था। इसके अलावा अमेरिकी बाजारों में तेजी रही। एसएंडपी 500 इंडेक्स 2.51 प्रतिशत चढ़ा, जबकि नैस्डैक कंपोजिट और डॉव जोन्स इंडस्ट्रियल एवरेज में क्रमशः 2.71 प्रतिशत और 2.66 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई।

निफ्टी का लक्ष्य मार्च 2026 तक 24,970 पर पहुंचने की उम्मीद, नोमुरा पर भरोसा

नई दिल्ली।

ग्लोबल ब्रोकरेज फर्म नोमुरा ने भारतीय शेयर बाजार को लेकर उम्मीदें बढ़ा दी हैं। फर्म ने निफ्टी 50 का लक्ष्य अब मार्च 2026 तक के लिए 24,970 तय कर दिया है, जो इससे पहले दिसंबर 2025 तक 23,784 था। नोमुरा का अनुमान है कि निफ्टी अब 2027 के लिए अनुमानित प्रति शेयर आय 1,280 रुपए के आधार पर 19.5 गुना के वैल्यूएशन पर ट्रेड कर सकता है, जो पहले 18.5 गुना था। यह संकेत देता है कि आने वाले वक्त में निफ्टी का वैल्यूएशन दायरा 17 से 20 गुना के बीच रह सकता है।वर्तमान में निफ्टी करीब 24 हजार के स्तर पर ट्रेड कर रहा है और इस महीने के निचले स्तर से यह करीब 10 फीसदी ऊपर है। नोमुरा का कहना है कि विदेशी निवेशकों की वापसी की संभावनाएं अब मजबूत हो गई हैं, खासतौर पर बीते छह महीनों की बिकवाली और अब बाजार में दिख रही स्थिरता को देखते हुए। यह निवेशकों के लिए एक सकारात्मक संकेत है, जो भारतीय बाजार में फिर से दिलचस्पी ले सकते हैं। नोमुरा ने कुछ सेक्टर्स को निवेश के लिहाज से आकर्षक बताया है। इनमें वित्तीय क्षेत्र को टॉप पर रखा है क्योंकि यहां वैल्यूएशन आकर्षक हैं और जोखिम भी अपेक्षाकृत कम है। इसके अलावा उपभोक्ता वस्तुएं, ऑटोमोबाइल, तेल और गैस, टेलीकॉम, बिजली, इंटरनेट और रियल एस्टेट जैसे सेक्टर्स में भी अच्छी संभावनाएं हैं। वहीं, हेल्थकेयर में भी कुछ चुनिंदा स्टॉक्स को प्राथमिकता देने की सलाह दी गई है। हालांकि, कुछ क्षेत्रों को लेकर ब्रोकरेज फर्म ने सतर्कता बरतने की सलाह दी है। आईटी, सीमेंट, मेटल्स और इंडस्ट्री जैसे

सेक्टर्स वैश्विक व्यापारिक तनाव से प्रभावित हो सकते हैं, जबकि फार्मा सेक्टर को अल्पकालिक टैरिफ जोखिम का सामना करना पड़ सकता है। भारत की मजबूत मैक्रोइकॉनॉमिक स्थिति, घटती तेल कीमतें और वैश्विक सप्लाई चेन में बदलाव के चलते भारत निवेशकों के लिए एक आकर्षक बाजार बना गया है।

डीजीसीए ने एयरलाइन कंपनियों से श्रीनगर के लिए उड़ान संख्या बढ़ाने को कहा

पुनर्निर्धारण शुल्क माफ करने पर भी विचार करने को कहा

नई दिल्ली।

पहलगाम आतंकी हमले के बाद पर्यटकों की वापसी आसान हो इसके लिए विमानन नियामक डीजीसीए ने बुधवार को एयरलाइन कंपनियों से श्रीनगर से उड़ानों की संख्या बढ़ाने को कहा। इसके अलावा नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने एयरलाइन कंपनियों से श्रीनगर के लिए उड़ान टिकटों के लिए रद्दीकरण और पुनर्निर्धारण शुल्क माफ करने पर विचार करने को कहा है। डीजीसीए ने एक परामर्शिका जारी कर कहा कि पहलगाम में हुई घटना के बाद, अपने घर लौटने के इच्छुक पर्यटकों की ओर से मांग अप्रत्याशित रूप से बढ़ गई है। विमानन नियामक ने कहा कि इस संबंध में, एयरलाइन कंपनियों को सलाह दी जाती है कि वे बढ़ती मांग के जवाब में उड़ानों की संख्या बढ़ाने के लिए त्वरित कार्रवाई करें और साथ ही श्रीनगर से भारत भर के विभिन्न गंतव्यों तक निर्बाध संपर्क सुनिश्चित करें, ताकि फंसे हुए पर्यटकों को निकालने में सुविधा हो। नियामक ने कहा कि एयरलाइन कंपनियों को इस कठिन समय में अप्रत्याशित परिस्थितियों और चुनौतियों का सामना कर रहे पर्यटकों को सभी आवश्यक सहायता प्रदान करने के लिए भी कहा गया है।

चीन ने अमेरिका को निर्यात की जाने वाले दुर्लभ खनिजों की सप्लाई रोकी

टंगस्टन रॉड शिपमेंट में लगभग 84 प्रतिशत की गिरावट आई

बीजिंग।

दुनिया की दो बड़ी अर्थव्यवस्थाओं अमेरिका और चीन के बीच व्यापार युद्ध और गहरा गया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा 245 फीसदी का टैरिफ लगाए जाने के बाद चीन ने पहले अमेरिकी बोइंग विमानों को खरीदने से इनकार कर दिया था और अब उसने अमेरिका को दुर्लभ खनिजों की सप्लाई रोक दी है। सीमा शुल्क के आंकड़ों से पता चलता है कि अमेरिका को निर्यात किए जाने वाले दुर्लभ खनिजों की सभी सप्लाई करीब-करीब रोक दी गई है। अमेरिकी टैरिफ वॉर का चीन द्वारा दिए गए इस जवाब से अमेरिकी निर्माताओं पर दबाव बढ़ गया है क्योंकि ये सभी चीनी माल पर ही निर्भर थे। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि चीन ने सोलर पैनल और थर्मोइलेक्ट्रिक उपकरणों के निर्माण में इस्तेमाल में बड़े पैमाने पर उपयोग की जाने वाली धातु टेल्यूरियम के निर्यात में करीब 44 प्रतिशत की गिरावट आई है। टंगस्टन रॉड शिपमेंट में लगभग 84 प्रतिशत की गिरावट आई है, जबकि अन्य खनिज पदार्थ टंगस्टन के निर्यात में 77 प्रतिशत की गिरावट आई है। सीमा शुल्क के आंकड़ों के अनुसार, मोलिब्डेनम पाउडर, बिस्मथ उत्पादों और टंगस्टन सामग्री की अन्य तीन श्रेणियों सहित कुछ उत्पाद श्रेणियों के लिए शिपमेंट पूरी तरह से रोक दिए गए हैं। फरवरी में अमेरिका द्वारा चीन पर टैरिफ लगाए जाने के बाद से ही टंगस्टन, बिस्मथ, टेल्यूरियम, इंडियम और मोलिब्डेनम के निर्यात पर चीन ने प्रतिबंध लगाना शुरू कर दिया था। चीनी नियमों के मुताबिक निर्यातकों को इन खनिजों को विदेश भेजने से पहले सरकार की मंजूरी लेनी होती है। लेकिन अमेरिका से बढ़ते व्यापार युद्ध के बाद चीन सरकार ने इन निर्यातों पर बैन लगा दिया है। चीन की कोशिश है कि इस तरह का प्रतिबंध लगाकर अमेरिका पर दबाव बढ़ाया जा सके ताकि वह 245 फीसदी के टैरिफ को कम कर सके। इन खनिजों के निर्यात पर बैन और सप्लाई में आई बड़ी कमी से अमेरिका का न केवल सोलर पैनल और थर्मोइलेक्ट्रिक उपकरणों का निर्माण करने वाली कंपनियां और इंडस्ट्री दबाव में हैं बल्कि स्मार्टफोन बनाने वाली कंपनियों से लेकर अत्याधुनिक सैन्य उपकरण बनाने वाली कंपनियां भी परेशान हैं।

किफायती स्मार्टवॉच रेडमी वॉच मूव लॉन्च

नई दिल्ली।

भारत में चाइनीज कंपनी रेडमी ने एक किफायती स्मार्टवॉच रेडमी वॉच मूव लॉन्च किया है। ढेर सारे हेल्थ फीचर्स इसमें दिए गए हैं। इनमें हार्ट रेट मॉनिटरिंग, एसपीओ2, स्ट्रेस ट्रैकिंग और महिलाओं की हेल्थ मॉनिटरिंग शामिल है। इसके दाम सिर्फ 1999 रुपये हैं। कम दाम वाली रेडमी वॉच को लेकर दावा है कि यह सिंगल चार्ज में 14 दिन चल सकती है। रेडमी वॉच मूव में 1.85 इंच का एमोलेड डिस्प्ले दिया गया है। यह 600 निट्स की पीक ब्राइटनेस के साथ ऑलवेज ऑन डिस्प्ले की सुविधा ऑफर करता है। रेडमी वॉच मूव की भारत में शुरुआती कीमत 1999 रुपये है।

प्री-ऑर्डर्स 24 अप्रैल से शुरू हो जाएंगे। फ्लिपकार्ट से वॉच को खरीदा जा सकेगा। यह वॉच 4 कलर्स- सिल्वर स्प्रिंट, ब्लैक ड्रिफ्ट, ब्लू ब्लेज और गोल्डन रश में खरीदी जा सकेगी। रेडमी वॉच मूव सिर्फ 25 ग्राम की है। स्ट्रैप के साथ इसका वजन 39 ग्राम हो जाता है। इसमें 1.85 इंच का एमोलेड डिस्प्ले दिया गया है। पीक ब्राइटनैस 600 निट्स है। वॉच में ऑलवेज ऑन डिस्प्ले की सुविधा है। और 74 फीसदी स्क्रीन टु बॉडी रेशियो मिल जाता है। कंपनी दावा कर रही है कि वॉच का स्ट्रैप एंटीबैक्टीरियल और स्किन फ्रेंडली है यानी इसे पहनकर आपकी त्वचा को कोई नुकसान नहीं होगा। फंक्शनल क्राउन वॉच में लगाया गया है, जिसकी मदद से टैप, स्क्रॉल और वॉच को पावर ऑफ किया जा सकता है। रेडमी वॉच मूव में 300 एमएएच की बैटरी दी गई है।

महिलाओं की हेल्थ मॉनिटरिंग के लिए इसमें स्पेशल फीचर दिए गए हैं। ब्रीदिंग एक्सरसाइज में भी यह वॉच मदद करेगी। 140 से ज्यादा वर्कआउट मोड इस वॉच में दिए गए हैं। वॉच को आईपी68 रेटिंग मिली है, जो इसे धूल से प्रोटेक्शन देती है। दावा है कि वॉच को पहनकर 30 मिनट तक डेढ़ मीटर तक पानी की गहराई में उतरा जा सकता है। इस वॉच से फोन का म्यूजिक, कैमरा, अलार्म कंट्रोल हो सकता है। दावा है कि यह सिंगल चार्ज में 14 दिन चल सकती है। हालांकि ऑलवेज ऑन डिस्प्ले ऑन रहने पर 5 दिन का बैकअप मिलेगा। दावा है कि यह वॉच 97 फीसदी एक्युरेसी के साथ व्यक्ति की हेल्थ को मॉनिटर करती है। यह आपकी नींद को ट्रैक करेगी। दिन भर हार्ट रेट ट्रैक करेगी। स्ट्रेस को ट्रैक करेगी।

महिंद्रा ने की एक्सईवी 9ई और बीई 6 लॉन्च

मुंबई।

हाल ही में महिंद्रा एंड महिंद्रा ने एक्सईवी 9ई और बीई 6 लॉन्च की है, तबसे गेम बदल गया है। खास तौर पर एक्सईवी 9ई को लेकर लोगों में जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है। हाल ही में डायरेक्टर और एक्टर अनुराग कश्यप ने एक्सईवी 9ई खरीदी और अब ऑस्कर अवॉर्ड विनिंग म्यूजिक डायरेक्टर ए आर रहमान और पॉपुलर एक्ट्रेस कुब्रा सैत ने भी अपने लिए महिंद्रा की यह धांसू इलेक्ट्रिक एसयूवी खरीदी है। म्यूजिक कंपोजर ए आर रहमान और एक्ट्रेस कुब्रा सैत, दोनों ने रेड कलर की एक्सईवी 9ई खरीदी है। माना जा रहा है कि दोनों ने एक्सईवी 9ई का टॉप वेरिएंट खरीदा है, जिसकी एक्स शोरूम प्राइस 30.50 लाख रुपये है। वैसे इस इलेक्ट्रिक एसयूवी की एक्स शोरूम प्राइस 21.90 लाख रुपये से ही शुरू होती है। महिंद्रा की ब्रैंड न्यू इलेक्ट्रिक एसयूवी में 59 केडब्ल्यूएच से लेकर 79 केडब्ल्यूएच तक की बैटरी लगी है, जिनकी सिंगल चार्ज रेंज 542 किलोमीटर से लेकर 656 किलोमीटर तक है। महिंद्रा एक्सईवी 9ई 231 एचपी से लेकर 286 हॉर्सपावर और 380 न्यूटन मीटर तक का पिक टॉर्क जेनरेट करता है। इसमें आपको फास्ट चार्जिंग की भी सुविधा मिलती है। एक्सईवी 9ई महज 6.8 सेकंड में 0-100 केएमपीएच की टॉप स्पीड पकड़ लेती है। एक्सईवी 9ई में आपको 207 एमएम का ग्राउंड क्लियरेंस मिलता है। बता दें कि इलेक्ट्रिक एसयूवी को लेकर लोगों में क्रेज बड़ी तेजी से बढ़ रहा है और फेहरिस्त में बड़े-बड़े फिल्म स्टार्स भी हैं।

मारुति सुजुकी की प्रीमियम हैचबैक स्विफ्ट बिकी सबसे ज्यादा

नई दिल्ली।

बीते महीने की सेल्स रिपोर्ट देखें तो मारुति सुजुकी की प्रीमियम हैचबैक स्विफ्ट सबसे ज्यादा बिकी और फैमिली कार वैगनआर दूसरे पायदान पर रही। इसके बाद अर्टिगा और ब्रेजा जैसी एमपीवी और एसयूवी रही। दिलचस्प बात यह है कि मारुति की इन टॉप 4 कारों की बिक्री में पिछले महीने सालाना तौर पर भी बढ़ोतरी देखने को मिली। मारुति सुजुकी स्विफ्ट बीते मार्च में मारुति सुजुकी की सबसे ज्यादा बिकने वाली कार स्विफ्ट को 17,746 ग्राहक मिले और यह सालाना तौर पर करीब 13 फीसदी की बढ़ोतरी के साथ है। स्विफ्ट को मार्च 2024 में 15,728 ग्राहक मिले थे। मारुति सुजुकी की सबसे पॉपुलर फैमिली कार वैगनआर की बीते मार्च में कुल 17,175 यूनिट बिकी और यह करीब 5 फीसदी की सालाना बढ़ोतरी के साथ है। मारुति सुजुकी अर्टिगा एमपीवी बीते मार्च में मारुति सुजुकी की तीसरी सबसे ज्यादा बिकने वाली कार रही और इसे 16,804 ग्राहक मिले। अर्टिगा की बिक्री में सालाना तौर पर करीब 13 फीसदी की बढ़ोतरी बीते मार्च में हुई है। मारुति सुजुकी की टॉप सेलिंग सेडान डिजायर बीते मार्च में 5वीं सबसे ज्यादा बिकने वाली कार रही और इसे 15,460 ग्राहकों ने खरीदा। डिजायर की बिक्री में सालाना तौर पर करीब 3 फीसदी की कमी देखी गई है। मारुति सुजुकी ब्रेजा की

बीते महीने 16,546 यूनिट बिकी है और यह कंपनी की 5वीं सबसे ज्यादा बिकने वाली कार रही। ब्रेजा की बिक्री में सालाना रूप से 13 फीसदी से ज्यादा की तेजी मार्च 2025 में दिखी है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पूरन ने की प्रशंसक से मुलाकत कर हस्ताक्षर वाली टोपी उपहार में दी

लखनऊ।

लखनऊ सुपर जायंट्स के बल्लेबाज निकोलस पूरन अपने एक प्रशंसक से मुलाकात कर उसे एक खास उपहार दिया है। नबील नाम का ये जब लखनऊ सुपर जायंट्स और गुजरात टाइटंस मैच में तब घायल हो गया था जब पूरन ने लंबा छक्का मारा था और गेंद इसे लग गयी थी। इस प्रशंसक को पूरन ने स्टेडियम में बुलाया और उसका हालचाल पूछने के बाद आने ऑटोग्राफ वाली एक टोपी भी उसे दी। टीम ने सोशल मीडिया पर इसका एक वीडियो भी साझा किया है। इस वीडियो में प्रशंसक ने कहा, मैं बहुत अच्छा महसूस कर रहा हूं, पूरन सर ने मुझे फोन करके यहां बुलाया है। मैं उनसे मिला और उन्होंने पूछा कि क्या मैं ठीक हूं। मैं भी खेल के लिए आ रहा हूं। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि मुझे चोट लगी है पर हमारी लखनऊ टीम को जीतते रहना चाहिए। हमारी टीम ने उस दिन जीत हासिल की, इसी बात से मुझे खुशी हुई है। यह हमारी टीम है, ट्रॉफी हमारा सपना है। वहीं पूरन ने इस बार आईपीएल में शानदार प्रदर्शन करते हुए अब तक 9 मैचों में 368 रन बनाए हैं और वह सबसे अधिक रनों के मामले में दूसरे नंबर पर हैं।

आईपीएल में आज होगा राजस्थान रॉयल्स और आरसीबी का मुकाबला

बेंगलुरु।

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में गुरुवार को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) का मुकाबला राजस्थान रॉयल्स से होगा। इस मैच में उतरते हुए आरसीबी का लक्ष्य घरेलू मैदान पर हार के सिलसिले को तोड़ना रहेगा। आरसीबी को यहां अभी तक हुए तीनों मैचों में हार मिली है हालांकि टीम अन्य मैदानों पर अच्छे प्रदर्शन के कारण अंक तालिक में शीर्ष चार टीमों में शामिल है। अब तक के मैचों में देखा गया है कि आरसीबी अपने घरेलू मैदान में सहज नहीं रही है और उसके बल्लेबाज और गेंदबाज यहां संघर्ष करते दिखे हैं , उसकी इसी कमजोरी का लाभ रॉयल्य टीम उठाना चाहेगी। रॉयल्स का प्रदर्शन इस सत्र में अच्छा नहीं रहा है और उसके लिए प्लेऑफ में जगह बनाये रखने ये मैच जीतना जरुरी है। इस मैदान की पिच धीमी है और ऐसे में आरसीबी के बल्लेबाज उस पर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं कर पा रहे हैं। इस मैदान पर आरसीबी एक बार भी 200 रनों तक नहीं पहुंच पायी है।आरसीबी की बल्लेबाजी विराट कोहली पर टिकी है। विराट ने अभी तक इस सत्र में 64 की औसत से रन बनाए हैं पर जीत के लिए कप्तान रजत पाटीदार सहित अन्य बल्लेबाजों फिल साल्ट, देवदत्त पडिक्कल को भी बेहतर प्रदर्शन करना होगा। आरसीबी के गेंदबाज भी पिच से लाभ नहीं उठा पाये हैं। हार का सिलसिला तोड़ने उसके गेंदबाजों को बेहतर प्रदर्शन करना होगा। आरसीबी के 10 अंक हैं और वह अंक तालिका में तीसरे स्थान पर है। वहीं दूसरी ओर राजस्थान रॉयल्स के प्रदर्शन में निरंतरता की कमी रही है। कप्तान संजू सैमसन चोटिल होने के कारण इस मैच से बाहर रहेंगे, ऐसे में टीम की कप्तानी रियान पराग के पास रहेगी। रॉयल्स के अभी चार अंक हैं और वह अंक तालिका में आठवें स्थान पर है। उसकी बल्लेबाजी रियान के अलावा यशस्वी जायसवाल, शिमरोन

हेटमायर और नितीश राणा पर टिकी है पर उसके गेंदबाजों का प्रदर्शन अब तक खराब रहा है। उसकी ओर से अब तक केवल वानिंदु हसरंगा ने ही छह मैच में नौ विकेट लिए हैं पर वह भी एक मैच में ही सफल रहे हैं। टीम के पास संदीप शर्मा के अलावा इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर भी हैं। स्पिनर के तौर पर श्रीलंकाई स्पिनर महेश थीक्षाना हैं।

इस मैच में दोनो ही टीमों जीत के लिए पूरी ताकत लगा देंगी पर जिस प्रकार का प्रदर्शन दोनो टीमों का रहा है उसमें आरसीबी हावी रहेगी।

फ्लेमिंग ने की आयुष की प्रशंसा

मुम्बई।

चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के मुख्य कोच स्टीफन फ्लेमिंग ने रुतुराज गायकवाड़ की जगह शामिल युवा बल्लेबाज आयुष म्हात्रे की जमकर प्रशंसा की है। आयुष ने लीग में अपने पहले ही मैच में शानदार प्रदर्शन कर सबको प्रभावित किया है। आईपीएल 2025 की मेगा नीलामी में म्हात्रे को कोई खरीदार नहीं मिला था पर रुतुराज के बाहर होने के कारण उन्हें मौका दिया गया। आयुष ने अपने डेब्यू में शानदार प्रदर्शन करते हुए 15 गेंदों पर 32 रन बनाए, जिसमें 213.33 की स्ट्राइक रेट के साथ 4 चौके और 2 छक्के शामिल थे। फ्लेमिंग ने कहा कि प्रशिक्षण सत्रों में कुछ खिलाड़ी शामिल हुए और म्हात्रे सबसे अलग थे। नेट्स में खिलाड़ी का सही आकलन करना कठिन होता है, लेकिन उनके कौशल और शांत स्वभाव ने हमें प्रभावित किया। धोनी और मैं उनके ट्रायल के प्रदर्शन से बहुत खुश थे। जब मौका आया, तो उन्हें शामिल करना आसान था।

फ्लेमिंग ने आगे कहा कि गायकवाड़ की चोट और अन्य खिलाड़ियों के खराब फॉर्म के कारण उन्हें लाना आसान फैसला था। वानखेड़े में इस युवा ने शुरुआत से खेला है इससे वह यहां बल्लेबाजी को लेकर सहज था। 17 साल की उम्र में म्हात्रे सीएसके के लिए आईपीएल में डेब्यू करने वाले सबसे युवा खिलाड़ी बन गए, जिन्होंने 2008 में 18 साल और 139 दिन की उम्र में डेब्यू करने वाले अभिनव मुकुंद का रिकॉर्ड तोड़ा। हालांकि, सीएसके का आईपीएल 2025 सीजन निराशाजनक रहा है और 8 मैचों में दो जीत के साथ टीम अंक तालिका में दसवें स्थान पर है।

अभिषेक की देर रात पार्टी की आदत पर युवराज ने लगाया था अंकुश: योगराज

चंडीगढ़।

पूर्व क्रिकेटर और कोच योगराज सिंह अपने विवादास्पद बयानों के कारण हमेशा चर्चाओं में बने रहते हैं। अब योगराज ने आईपीएल में शानदार प्रदर्शन कर रहे युवा क्रिकेटर अभिषेक शर्मा को लेकर एक अहम खुलासा किया है। योगराज ने कहा है कि एक समय अभिषेक रात-रात भर पार्टी में रहते थे पर मेरे बेटे युवराज सिंह ने उन्हें डांटकर खेलपर पर ध्यान देने कहा जिसकारण ही आज वह यहां तक पहुंचे हैं। योगराज ने हाल ही में एक साक्षात्कर में कहा था कि अभिषेक शर्मा के पिता राजकुमार शर्मा स्वयं एक कोच थे पर अभिषेक उनके हाथों से निकल चुके थे। इसलिए उन्होंने युवराज को कोच की जिम्मेदारी दी थी। युवराज के पास आने के बाद ही अभिषेक नियंत्रण में आये और उनकी जिंदगी में बदलाव आया। योगराज कहा, युवराज की सख्ती का ही ये प्रभाव रहा कि अभिषेक की देर रात की पार्टी की आदत बंद हो गयी। युवराज उनके साथ सख्ती से पेश आए। उन्होंने कभी डांट-फटकार तो कभी प्यार से समझाकर अभिषेक की बुरी आदतों पर लगाम लगाई। उसे रात के 9 बजते ही युवी फोन करते थे कि जाओ सो जाओ। युवराज का डर जब उनके अंदर बना तो वो सही रास्ते पर आने लगे और इसका परिणमाम आपके सामने है। यहां तक कि लॉकडाउन के समय पर तो युवराज ने अभिषेक और शुभमन दोनों को अपने घर पर ही रखा था, जिससे उनकी ट्रेनिंग पर विपरीत प्रभाव ना पड़े। अभिषेक की हर पारी पर युवराज नजर रखते हैं। उनकी अच्छी पारियों की सराहना भी करते हैं और कमजोर पारियों को ठीक करने का तरीका बताते हैं।

(इन्दौर) जूनियर टेनिस टूर्नामेंट - हितार्थ, अराध्य, अहाना, मनुस्मृति क्वाटरफाइनल में -

इन्दौर।

मध्य प्रदेश टेनिस संघ के द्वारा इन्दौर टेनिस क्लब में आयोजित क्वींस कॉलेज ऑल इण्डिया टेलेन्ट सीरीज जूनियर टेनिस टूर्नामेंट में खेले गए बालक एवं बालिका वर्ग प्री-क्वाटरफाइनल मुकाबलों में मध्यप्रदेश के खिलाड़ियों ने दबदबवा बनाते हुए क्वाटरफाइनल में प्रवेश कर लिया है।

अंडर-14 बालक एकल से हितार्थ सुराना, अराध्य पाटिल ने तथा अंडर-14 बालिका एकल में अहाना फलजले, मनुस्मृति सिंह ने अपने-अपने मुकाबले जीतकर क्वाटरफाइनल में प्रवेश किया। मंगलवार को खेले गए अंडर-14 बालक एकल प्री-क्वाटरफाइनल में हितार्थ सुराना (म.प्र.) ने काव्या सक्सेना (गुज.) को 6-2, 6-0 से, अराध्य पाटिल (म.प्र.) ने दिव्यांश टोके (म.प्र.) को 6-3, 4-6, 6-4 से, अनघ अग्रवाल (म.प्र.) ने ओजस मिश्रा (म.प्र.) को 6-4, 6-3 से, ऋषव रावल (म.प्र.) ने चिन्मय मेहता (महा.) को 6-0, 6-2 से, मानवेंद्र त्रिवेदी (महा.) ने नैतिक जैन (म.प्र) को 6-2, 6-3 से शॉ कस्त दी। अन्य मुकाबलों में आरिज खान (म.प्र.) ने गौरांग गंगराडे (म.प्र) को 6-2, 6-1 से, मंत्रा उपाध्याय (गुज.) ने अदविक गुरू (म.प्र) को 6-4, 7-5 से तथा सोहम पाटीदार (म.प्र.) पे रूहान तलरेजा (म.प्र) को 6-4, 6-3 से हराया।

अंडर-14 बालिका एकल प्री-क्वाटरफाइनल में अहाना फलजले (म.प्र.) ने आयरा लोधी (म.प्र.)

को 6-1, 6-0 से, मनुस्मृति सिंह (म.प्र.) ने दृष्टिराज झाला (राज.) को 6-0, 6-0 से, दिविनिति महेश्वरी (म.प्र.) ने आषना शर्मा (म.प्र.) को 6-4, 6-4 से, खुशवी पड़ीयार (राज.) ने ऐशवी जैन (म.प्र.) को 6-0, 6-0 से, समबोधी जोशी (राज.) ने इदेवा धाकड़ (म.प्र) को 6-1, 6-0 से शॉ कस्त दी। अन्य मुकाबालों में आन्या राठी (म.प्र.) ने कतिष्का शर्मा (म.प्र) को 6-0, 6-0 से, आशरिया फुलरे (म.प्र.) ने नंदिका पंवार (म.प्र) को 6-3, 3-1 (कनसीड) से तथा आन्या फलजले (म.प्र.) ने आर्या गोयल (म.प्र) को 6-1, 6-0 से परास्त किया।

संक्षिप्त समाचार

पहलगाम हमले पर भड़के कनेरिया

लाहौर। पाकिस्तान क्रिकेट टीम के पूर्व स्पिनर दानिश कनेरिया ने पहगाम में हुए आतंकी हमले की कड़ी आलोचना करते हुए कहा है कि इससे आतंकियों की मानसिकता का पता चलता है। इस हमले में आतंकियों ने हिंदू पर्यटकों को ही निशाना बनाया है। कनेरिया ने कहा कि बांग्लादेश से बंगाल और कश्मीर तक एक ही मानसिकता हिंदुओं को निशाना बना रही है पर जो लोग धर्मनिरपेक्षता और न्यायपालिका में भरोसा रखने की बात करते हैं। वह इन हमलों को लेकर उतने गंभीर नहीं है जितने होने चाहिये। जिन लोगों के परिवार को अपने सदस्य खोने पड़े हैं। उन पीड़ितों को न्याय मिलना ही चाहिए। गौरतलब है कि कनेरिया पाकिस्तान क्रिकेट टीम से खेलने वाले दूसरे हिन्दू खिलाड़ी हैं। वह समय-समय पर पाक में जारी कट्टरता पर बयान देते रहे हैं। उनका कहना है कि हिंदू होने के कारण ही मेरे साथ टीम में भेदभाव हुआ और मेरा करियर बर्बाद कर दिया गया। इसके लिए उन्होंने पीसीबी को जिम्मेदार बताया था।

लंदन मैराथन में एक महिला संन्यासी भी नजर आयेगी

लंदन। यहां रविवार को होने वाली लंदन मैराथन की तैयारियों जारी हैं। करीब 26.2 मील तकरीबन 42 किलोमीटर की इस दौड़ में कई एथलीट भाग लेते दिखेंगे पर इसमें पहली बार प्रतियोगियों के बीच ही एक महिला संन्यासी श्रीप्रिया भी भाग लेती दिखेंगी। इस महिला संन्यासी का लक्ष्य इस दौड़ में भाग लेकर सामाजिक और धार्मिक रुढ़ियों को तोड़ने के साथ ही हिंदू दर्शन को बढ़ावा देना है। श्रीप्रिया उत्तरी लंदन के चिन्मय मिशन से जुड़ी हुई हैं। उनका लक्ष्य इस दौड़ में भाग लेकर मिशन के कामों को अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाना और विश्व स्तर तक पहचान बनाना है। वह इसके साथ ही इस मैराथन के जरिये धनराशि भी जुटाना चाहती है। इससे वह अपने मिशन का सम्मान भी बढ़ाना चाहती है। उनका कहना है कि मिशन हिंदू दर्शन को लोगों तक सरल भाषा में पहुंचा रहा है, इसके साथ ही कई सामाजिक कार्यों से भी जुड़ा है। वहीं लंदन मैराथन की बात करें तो ये ग्रीनविच से द मॉल तक एक शानदार मार्ग से होकर गुजरेगी। इसमें 26.2 मील की चुनौती में हजारों प्रतिभागी भाग लेंगे, जिनमें पहली बार भाग लेने वाले, चैरिटी धावक, क्लब प्रतियोगी, दुनिया के कुछ महानतम पेशेवर एथलीट और भाग्यशाली लोग शामिल होंगे।

दिल्ली कैपिटल्स ने लखनऊ सुपरजायंट्स को 8 विकेट से हराया, राहुल का अर्धशतक

लखनऊ।

दिल्ली कैपिटल्स ने आईपीएल के 40वें मैच में लखनऊ सुपरजायंट्स को 8 विकेट से हरा दिया। इकाना स्टेडियम में दिल्ली ने बॉलिंग चुनी। लखनऊ ने 6 विकेट खोकर 159 रन बनाए। दिल्ली ने 17.5 ओवर में 2 ही विकेट के नुकसान पर टारगेट हासिल कर लिया। दिल्ली से अभिषेक पोरेल और केएल राहुल ने फिफ्टी लगाई। मुकेश कुमार ने 4 विकेट लिए। लखनऊ से ऐडन मार्करम ने 52, मिचेल मार्श ने 45 और आयुष बडोनी ने 36 रन बनाए। मार्करम ने 2 विकेट भी लिए।

जब निचले क्रम पर बल्लेबाजी के लिए भेजने से जहीर पर भड़के ऋषभ

लखनऊ।

लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के कप्तान ऋषभ पंत दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मुकाबले में बल्लेबाजी के लिए निचले क्रम पर भेजे जाने से बेहद नाराज दिखे। इस मैच में सुपर जायंट्स को हार का भी सामना करना पड़ा है। मैच के बाद का एक विडियो भी आया है इसमें वह टीम के मेंटर जहीर खान पर नाराज होते दिखे हैं। इसमें ऐसा लगा मानो वो कह रहे हों कि मुझे पहले भेजना था। इस मैच में जब निकोलस पूरन 12वें ओवर में आउट हुए तो सभी उम्मीद थी कि ऋषभ बल्लेबाजी करने आएंगे पर उनकी जगह पर अब्दुल समद को भेजा गया जबकि वह तैयार थे। इसके बाद जब समद और मिचेल मार्श भी जल्दी आउट हो गए, तब भी कप्तान नहीं आए। डेविड मिलर और आयुष बडोनी को उनसे पहले भेजा गया। वह अंत में 7वें नंबर पर बल्लेबाजी करने उतरे और दो गेंदों पर आउट हो गए। उन्होंने मुकेश कुमार की गेंद पर बड़ा शॉट खेलने का प्रयास किया पर असफल रहे। अगली गेंद पर उन्होंने रिवर्स स्वीप खेलने की कोशिश की, लेकिन गेंद सीधे स्टंप पर जा लगी। इस वजह से वह गुस्से में दिखाई दिए। पूर्व भारतीय क्रिकेटरों अनिल कुंबले और सुरेश रैना ने भी कहा कि उनकी निराशा का कारण उनका देर से बल्लेबाजी के लिए भेजा जाना था। मैच के

बाद उन्होंने कहा कि मुझे अपनी रणनीति पर दोबारा विचार करना होगा। आउट होने के बाद वह गुस्से में पवेलियन लौट गए। उनका गुस्सा साफ नजर आ रहा था। कुंबले और रैना ने कहा कि ऋषभ की निराशा का कारण उनका देर से बल्लेबाजी करने आना था। कुंबले ने कहा अगर आप कम दबाव में बल्लेबाजी करना चाहते थे तो देर से आना ठीक है, लेकिन यह बहुत देर हो गई। ऋषभ जिस तरह से निराश दिख रहे हैं, उससे साफ है कि उनके साथ गलत हुआ है। आउट होने के बाद उन्हें जहीर से बात करते हुए भी देखा गया।

धोनी बोले, हर दिन पांच लीटर दूध पीने की कहानी सही नहीं

नई दिल्ली।

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी के बारे में कहा जाता रहा है कि वह प्रतिदिन पांच लीटर दूध पीते हैं पर अब एक कार्यक्रम में धोनी ने इसे गलत बताया है और कहा है कि ये गलत है। धोनी ने कहा कि एक औसत व्यक्ति प्रतिदिन 5 लीटर दूध नहीं पी सकता। उन्होंने कहा कि मैं शायद दिन भर में एक लीटर दूध पीता था पर चार लीटर किसी और ने जोड़ दिया। रितुराज गायकवाड़ के चोटिल होकर बाहर होने के बाद एक बार फिर धोनी को चेन्नई सुपरकिंग्स सीएसके की कप्तानी दी गयी है। धोनी ने गत दिन कहा कि टीम अगर इस बार प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई नहीं कर पायी तो अगले सत्र के लिए योजनाएं तैयार करेगी। उन्होंने कहा कि हमारे सामने कुछ कमजोरियां हैं जिन्हें दूर किया जाएगा। अभी सामने जितने भी खेल हैं, उनमें से हमें जीतना है, हम एक बार में एक खेल पर ध्यान केंद्रित करेंगे और अगर हम कुछ हार जाते हैं, तो हमारे लिए अगले साल के लिए सही संयोजन प्राप्त करना अहम रहेगा। उन्होंने कहा कि आप नहीं चाहते कि बहुत सारे खिलाड़ी बदले जाएं, जो महत्वपूर्ण होगा वह है प्रयास करना और क्वालीफाई करना, लेकिन अगर ऐसा नहीं होता है तो अगले साल के लिए सुरक्षित 11 प्राप्त करना और मजबूत वापसी करना ही हमारा लक्ष्य होगा। सीएसके अभी आईपीएल 2024 की अंक तालिका में अंतिम स्थान पर है। उसने अब तक केवल 2 ही गेम जीते हैं। टूर्नामेंट के प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई करना उनके लिए बहुत कठिन है क्योंकि उन्हें अब अपने सभी बचे हुए गेम जीतने होंगे। हाल ही में उन्हें इस सीजन की छठी हार का सामना करना पड़ा है।

बीसीसीसीआई ने आईपीएल में आतिशबाजी बंद की

मुम्बई।

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले को देखते हुए अब मैचों में आतिशबाजी बंद करने का फैसला किया है। इसके अलावा चीयरलीडर्स को भी हटा दिया गया है। सनराइजर्स हैदराबाद और मुंबई इंडियंस के बीच मुकाबले के दौरान खिलाड़ी और मैच अधिकारी काले बैंड भी पहनेंगे। बीसीसीआई ने यह फैसला पहलगाम हमले के पीड़ितों को श्रद्धांजलि देने के लिए लिया है। बीसीसीआई पीड़ितों की याद में एक मिनट का मौन भी रखेगा। एक रिपोर्ट के अनुसार आईपीएल ने हैदराबाद के राजीव गांधी इंटरनेशनल स्टेडियम में होने वाले मैच के दौरान आतिशबाजी और चीयरलीडर्स को हटाने का फैसला किया है। पहलगाम में आतंकी हमले में 26 पर्यटकों की मौत से देश भर में शोक की लहर है।

मोर्गन बोले, कमजोर बल्लेबाजी के कारण हार रही केकेआर

मुम्बई।

कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के पूर्व कप्तान इयोन मोर्गन ने कहा है कि आईपीएल के 18 वें सत्र में टीम के खराब प्रदर्शन का कारण कमजोर बल्लेबाज रही है। मोर्गन ने कहा, 'केकेआर ने उतनी अच्छी तरह से नहीं खेला है जितनी हम चाहते थे। उसके पास कई अच्छे खिलाड़ी हैं जो एक मजबूत टीम के लिए बहुत अच्छा संकेत होता है लेकिन उसे पूरे टूर्नामेंट में एक जैसी परेशानी का सामना करना पड़ा है।' टीम को अपने घरेलू मैदान में भी चार से तीन मैचों में हार मिली है।

उन्होंने कहा, 'गुजरात टाइटंस के खिलाफ मैच की बात करें तो टीम ने बल्लेबाजी क्रम में कुछ बदलाव किए जो जरूरी नहीं थे। अगर वह आराम से बैठकर इस पर विचार करेंगे तो उन्हें भी ये बात समझ आयेगी।' वहीं पूर्व बल्लेबाज अंबाती रायुडू ने पारंपरिक शैली में खेलने के लिए गुजरात टाइटंस के बल्लेबाज बी साई सुदर्शन की प्रशंसा की, जिन्होंने केकेआर के खिलाफ इस मैच में में 36 गेंदों में 52 रन बनाकर वर्तमान टूर्नामेंट में अपनी रन संख्या को 400 के पार पहुंचाया। रायुडू ने कहा, 'उन्हें बल्लेबाजी करते हुए देख कर बहुत खुशी मिलती है। एक कलात्मक बल्लेबाज के रूप में वह दिखाते हैं कि खेल को अब भी परंपरागत शैली में खेला जा सकता है। वह स्मार्ट क्रिकेट खेलते हैं जिससे रन बनते हैं और आत्मविश्वास भी बढ़ता है।' सत्र में बल्लेबाजी की समस्याओं से जूझना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि गुजरात टाइटंस के खिलाफ घरेलू मैच के लिए केकेआर की तरफ से किए गए बदलाव कारगर नहीं थे। वहीं, पूर्व क्रिकेटर अंबाती रायुडू ने गुजरात टाइटंस के बल्लेबाज साई सुदर्शन की दिल खोलकर तारीफ की है।

केकेआर को सोमवार को अपने होमग्राउंड ईडन गार्डन्स में गुजरात टाइटंस से 39 रन से हार का सामना करना पड़ा। इस प्रकार टूर्नामेंट में यह उसकी लगातार दूसरी हार है। यह पिछले 5 मैचों में केकेआर की तीसरी और आठ मैचों में कुल पांचवीं हार थी।

अभिषेक को हटाने से पहले बीसीसीआई ने रोहित को नहीं दी थी जानकारी

मुम्बई।

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने हाल में सहायक कोच अभिषेक नायर को टीम के सहयोगी स्टाफ से हटाया था पर इसकी खबर एकदिवसीय और टेस्ट टीम के कप्तान रोहित शर्मा को भी नहीं दी गयी थी। गौतम गंभीर जब भारतीय टीम के मुख्य कोच बने थे तब अभिषेक को सहायक कोच बनाया गया था पर बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी 2024-25 में भारतीय टीम के हारने के बाद उन्हें बार कर दिया गया था। वहीं रोहित आजकल आईपीएल खेल रहे हैं। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार अभिषेक को हटाने से पहले बीसीसीआई ने रोहित को भरोसे में नहीं लिया। वहीं जब अभिषेक को सहायक कोच बनाया गया था तो रोहित से सलाह ली गई थी। इस रिपोर्ट में कहा गया है कि सहायक कोच को हटाने के मामले में भारतीय टीम प्रबंधन के सभी सदस्य आम राय से सहमत नहीं थे। इस रिपोर्ट में कहा गया, भारतीय टीम के सहयोग स्टाफ में अभिषेक को शामिल करते समय रोहित को बताया गया था पर उन्हें हटाने से पहले रोहित को बताया नहीं गया। इस रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में भारत की हार के बाद समीक्षा बैठक हुई थी पर उस समय चैम्पियंस ट्रॉफी करीब होने के कारण कोचिंग स्टाफ के खिलाफ कार्रवाई नहीं की गई थी। वहीं अब जबकि टीम को जून से ही अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलना है। बीसीसीआई ने ये कार्रवाई की है। अभिषेक के अलावा फील्डिंग कोच टी दिलीप और ट्रेनर सोहम देशाई को भी बाहर कर दिया गया है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

डलहौजी के प्रमुख पर्यटन स्थल

भीड़-भाड़ वाली जिंदगी से दूर जाकर सतधारा फाल्स में लीजिए शांति का अनुभव

सतधारा झरना या फाल्स हिमाचल प्रदेश की चंबा घाटी में स्थित है, जो बर्फ से ढके पहाड़ों और ताजे देवदार के पेड़ों के शानदार दृश्यों से घिरा हुआ है। 'सतधारा' का मतलब होता है सात झरने, इस झरने का नाम सातधारा सात खूबसूरत झरनों के जल के एक साथ मिलने की वजह से रखा गया है। इन झरनों का पानी समुद्र से 2036 मीटर ऊपर एक बिंदु पर मिलता है। यह जगह उन लोगों के लिए एक खास है, जो शहर की भीड़-भाड़ वाली जिंदगी से दूर जाकर शांति का अनुभव करना चाहते हैं। सतधारा फाल्स अपने औषधीय गुणों की वजह से भी जानी जाती है, क्योंकि यहां के पानी में अभ्रक पाया जाता है, जिसमें त्वचा के रोग ठीक करने के गुण होते हैं।

अगर आप डलहौजी के पास घूमने की अच्छी जगह तलाश रहे हैं तो सतधारा फाल्स आपके लिए एक अच्छी जगह है। इसे स्थानीय भाषा में 'गंडक' के नाम से जाना जाता है। यहां का पानी साफ क्रिस्टल और निर्मल है। राजसी सतधारा झरने का पानी की बूंदे जब चट्टानों पर टकराकर उछलती हैं तो पर्यटकों को बेहद आनंदित करती हैं। यहां पानी से गीली हुई मिट्टी की खुशबू हवा को ताजा कर देती है। सतधारा जलप्रपात को चारों ओर का दृश्य अपनी भव्यता के साथ दर्शकों को बेहद प्रभावित करता है। अगर आप सतधारा फाल्स घूमने के अलावा इसके पर्यटन स्थलों की सैर भी करना चाहते हैं तो इस आर्टिकल को पूरा जरूर पढ़ें, इसमें हमने सतधारा फाल्स जाने के बारे में और इसके पास के पर्यटन स्थलों के बारे में पूरी जानकारी दी है।

सतधारा जलप्रपात की मुख्य विशेषताएं

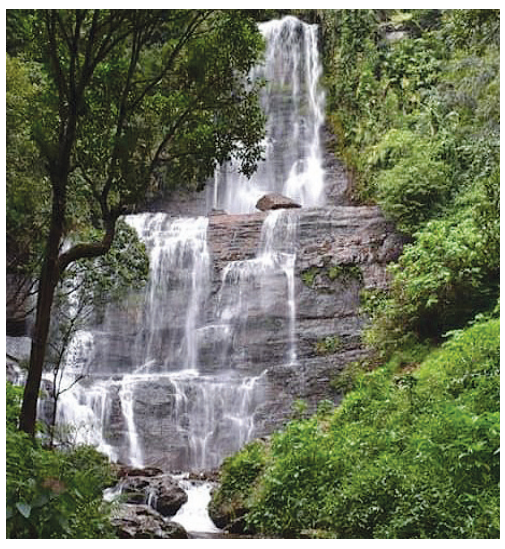

सतधारा जलप्रपात का अपना अलग औषधीय मूल्य है। स्प्रिंग्स में तत्व माइका तत्व पाया जाता है, जिसमें ऐसे औषधीय गुण होते हैं, जो संभावित रूप से कई बीमारियों का इलाज कर सकता है। यह चकाचौंध वाला झरने पंचपुला के रास्ते में स्थित हैं, जो डलहौजी में घूमने के लिए एक और बहुत ही लोकप्रिय जगह है। सतधारा झरने से सूर्यास्त का दृश्य बस शानदार दिखाई देता है, पर्यटकों को देखने में ऐसा लगता है कि एक पीली आग की नारंगी गेंद घूमती है और धीरे-धीरे पहाड़ियों के पीछे छुप जाती है।

सतधारा फाल्स घूमने के लिए टिप्स

- जब आप झरने के क्षेत्र में प्रवेश कर सकते हैं और इसमें चारों ओर छींटे आपके कपड़ों को गीला कर सकते हैं, इसलिए अतिरिक्त कपड़ें ले जाना न भूलें।
- फॉल्स से सूर्यास्त देखने के लिए वहां उपस्थित रहने की कोशिश करें।
- ऐसे जूते पहनें जो आपको अच्छी पकड़ और आराम दें, क्योंकि चट्टानों में काई से फिसलन होती है।
- अपने साथ कैमरा ले जाना न भूलें।

सतधारा फाल्स के आसपास के प्रमुख पर्यटन और आकर्षण स्थल

सतधारा फाल्स डलहौजी का एक प्रमुख पर्यटन स्थल है, जो शहर से 5 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। अगर आप इस फाल्स के अलावा डलहौजी के प्रमुख पर्यटन स्थलों की सैर करना चाहते हैं तो यहां दी गई जानकारी को जरूर पढ़ें।

बकरोटा हिल्स

बकरोटा हिल्स जिसे अपर बकरोटा के नाम से भी जाना जाता है, यह डलहौजी का सबसे ऊंचा इलाका है और यह बकरोटा वॉक नाम की एक सड़क का सर्किल है, जो खजियार की ओर जाती है। भले ही इस जगह पर पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए बहुत कुछ नहीं है, लेकिन यहां टहलना और चारों तरफ के आकर्षक दृश्यों को देखना पर्यटकों की आंखों को बेहद आनंद देता है। आपको बता दें कि यह क्षेत्र चारों तरफ से देवदार के पेड़ों और हरी-भरी पहाड़ियों से घिरा हुआ है।

सच पास

सच दर्रा पीर पंजाल पर्वत श्रृंखला के ऊपर 4500 मीटर की ऊंचाई से होकर जाता है और डलहौजी को चंबा और पांगी घाटियों से जोड़ता है। आपको बता दें कि डलहौजी से 150 किमी की दूरी पर यह मार्ग उत्तर भारत में पार करने के लिए सबसे कठिन मार्गों में से एक है, जो लोग एडवेंचर पसंद करते हैं तो अक्सर सच पास (जब यह खुला होता है) का दौरा करते हैं और यहां से बाइक या कार चलाने का रोमांचक अनुभव लेते हैं। अगर आप इस मार्ग से यात्रा करें तो जोखिम न लें और अपने साथ एक अनुभवी ड्राइवर लेकर जाएं। यह चंबा या पांगी घाटी तक पहुंचने के लिए लोगों का पसंदीदा रास्ता है और डलहौजी से ट्रेकिंग के लिए एक प्रसिद्ध बिंदु है।

सुभाष बावली

सुभाष बावली डलहौजी में गांधी चौक से 1 किमी दूर स्थित एक ऐसी जगह है, जिसका नाम प्रसिद्ध स्वतंत्रता सेनानी सुभाष चंद्र बोस के नाम पर रखा गया। सुभाष बावली एक ओर अपने खूबसूरत प्राकृतिक दृश्यों, दूर-दूर तक फैले बर्फ के पहाड़ों दृश्यों और सुंदरता के लिए जाना जाता है। सुभाष बावली वो जगह है, जहां पर सुभाष चंद्र बोस 1937 में स्वास्थ्य की खराबी के चलते आए थे और वो इस जगह पर 7 महीने तक रहे थे। इस जगह पर रहकर वे बिलकुल ठीक हो गए थे। आपको बता दें कि यहां पर एक खूबसूरत झरना भी है, जो हिमनदी धारा में बहता है।

डैनकुंड पीक

डैनकुंड पीक जिसे सिंगिंग हिल के नाम से भी जाना जाता है, जो डलहौजी में समुद्र तल से 2755 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है। आपको बता दें कि यह डलहौजी में सबसे ऊंचा स्थान होने के कारण यहां से घाटियों और पहाड़ों के अद्भुत दृश्यों को देखा जा सकता है। प्रकृति प्रेमियों के लिए शांत जगह स्वर्ग के सामान है। डलहौजी क्षेत्र में स्थित डैनकुंड सचमुच देखने लायक जगह है, जो अपनी खूबसूरत बर्फ से ढकी चोटियों और हरे-भरे वातावरण के लिए प्रसिद्ध है। डैनकुंड पीक हर साल भारी संख्या में देश भर से पर्यटकों को अपनी तरफ आकर्षित करती है।

गंजी पहाड़ी

गंजी पहाड़ी पठानकोट रोड पर डलहौजी शहर से 5 किलोमीटर की दूरी पर स्थित एक सुंदर पहाड़ी है। इस पहाड़ का नाम गंजी पहाड़ी इसकी खास विशेषता से लिया गया था, क्योंकि इस पहाड़ी पर वनस्पतियों की पूर्ण अनुपस्थिति है। गंजी का मतलब होता है गंजापन। डलहौजी के पास स्थित होने की वजह से यह पहाड़ी एक पसंदीदा पिकनिक स्थल है। सर्दियों के दौरान यह इलाका मोटी बर्फ से ढक जाता है, जो मनोरम दृश्य प्रस्तुत करता है।

चामुंडा देवी मंदिर

चामुंडा देवी मंदिर देवी काली को समर्पित एक महत्वपूर्ण धार्मिक केंद्र है। इस मंदिर के बारे में कहा जाता है कि यहां पर देवी अंबिका ने मुंडा और चंदा नाम के राक्षसों का वध किया था। इस मंदिर में देवी को एक लाल कपड़े में लपेटकर रखा जाता है, यहां आने वाले पर्यटकों को देवी की मूर्ति को छूने नहीं दिया जाता। इस क्षेत्र में पर्यटकों को कई सुंदर दृश्य भी देखने को मिलते हैं।

रॉक गार्डन

रॉक गार्डन डलहौजी में एक सुंदर उद्यान और एक लोकप्रिय पिकनिक स्थल है। इस पार्क में पर्यटक आराम करने के अलावा, इस क्षेत्र में उपलब्ध कई साहसिक खेलों का भी मजा ले सकते हैं, जिनमें जिप लाइनिंग आदि शामिल हैं।

खाज्जिअर

खाज्जिअर डलहौजी के पास स्थित एक छोटा सा शहर है जिसको 'मिनी स्विट्जरलैंड' या 'भारत का स्विटजरलैंड' के नाम से भी जाना जाता है। इस स्थान की खूबसूरती हर किसी को अपनी ओर आकर्षित करती है। 6,500 फीट की ऊंचाई पर स्थित खाज्जिअर अपनी प्राकृतिक सुंदरता की वजह से डलहौजी के पास घूमने की सबसे अच्छी जगहों में से एक हैं। इस जगह होने वाले साहसिक खेल जोरबिंग, ट्रेकिंग पर्यटकों को आकर्षित करते हैं।

पंचपुला

पंचपुला हरे देवदार के पेड़ों के आवरण से घिरा एक झरना है, जो डलहौजी के प्रमुख पर्यटन स्थलों में से एक है। पंचपुला वो जगह है, जहां पर पांच धाराएं एक साथ आती हैं। पंचपुला की मुख्य धारा डलहौजी के आसपास विभिन्न जगहों में पानी की पूर्ति करती है। यह जगह ट्रेकिंग और खूबसूरत दृश्यों की वजह से जानी जाती है। पंचपुला के पास एक महान क्रांतिकारी सरदार अजीत सिंह (शहीद भगत सिंह के चाचा) की याद में एक समाधि बनाई गई है, जहां उन्होंने अंतिम सांस ली थी। मानसून के मौसम में इस जगह के प्राचीन पानी का सबसे अच्छा आनंद लिया जाता है, जब पानी गिरता तो यहां का वातावरण पर्यटकों को आनंदित करता है।

डलहौजी जाने के लिए यह है सबसे अच्छा समय

डलहौजी अपनी आदर्श जलवायु की वजह से एक ऐसी जगह है, जहां आप पूरे वर्ष भर घूम सकते हैं। हालांकि, डलहौजी जाने का सबसे अच्छा समय मार्च-जून के बीच का होता है। मार्च और अप्रैल के महीनों में यहां पर बर्फ पिघलना शुरू हो जाती है और जब सूरज की किरणें बर्फ से ढके पहाड़ों और चरागाहों से टकराती है, तब इस जगह की चमक देखने लायक होती है। इस समय यहां का मौसम बहुत सुहावना रहता है आप मार्च और अप्रैल में ठंड का अनुभव कर सकते हैं और जून के महीने में यहां का तापमान थोड़ा बढ़ने लगता है। गर्मियों के महीनों में भी डलहौजी का मौसम काफी अच्छा होता है, जिसकी वजह से यह प्रकृति प्रेमियों के लिए स्वर्ग के सामान है। मानसून भी यहां का मौसम सुहावना है, क्योंकि मध्यम वर्षा से आपकी योजनाओं में कोई रुकावट नहीं आती। डलहौजी में सर्दियां साहसिक गतिविधियों के लिए सही हैं।

हवाई जहाज से सतधारा फाल्स ऐसे पहुंचें: हवाई जहाज से डलहौजी पहुंचने कांगड़ा में गग्गल हवाई अड्डा इसका सबसे निकटतम घरेलू हवाई अड्डा है। यह हवाई अड्डा शहर से 13 किमी दूर है और यहां से डलहौजी हिल स्टेशन तक पहुंचने के लिए टैक्सी आसानी से उपलब्ध हैं। इसके अलावा आप अन्य हवाई अड्डे चंडीगढ़ (255 किमी), अमृतसर (208 किमी) और जम्मू (200 किमी) के लिए भी उड़ान ले सकते हैं।

रेलगाड़ी से सतधारा फाल्स ऐसे पहुंचें: डलहौजी का सबसे निकटतम रेल स्टेशन पठानकोट है, जो इस पहाड़ी शहर से 80 किमी दूर स्थित है और भारत के विभिन्न शहरों, जैसे दिल्ली, मुंबई और अमृतसर से कई ट्रेनों के माध्यम से अच्छी तरह से जुड़ा हुआ है। पठानकोट रेलवे स्टेशन से डलहौजी पहुंचने के लिए आपको बाहर से टैक्सियां मिल जाएंगी।

सड़क मार्ग से सतधारा फाल्स ऐसे पहुंचें: डलहौजी सड़क मार्ग की मदद से आसपास के प्रमुख शहरों और जगहों से जुड़ा हुआ है। राज्य बस सेवा और लक्जरी कोच डलहौजी को आसपास की सभी प्रमुख जगहों और शहरों से जोड़ते हैं। दिल्ली से डलहौजी के लिए रात भर लक्जरी बसें भी उपलब्ध हैं। इस मार्ग पर टैक्सी और निजी वाहन भी मिल जाते हैं।

स्त्री की देह के आकार वाली है रेणुका झील

रेणुका झील हिमाचल प्रदेश के नाहन से लगभग 40 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। रेणुका झील की समुद्र तल से ऊंचाई लगभग 2200 फीट है। यह एक अत्यंत रमणीक झील है, जो लगभग तीन किलोमीटर लंबी तथा आधा किलोमीटर चौड़ी एक अदभुत झील है। इस झील का आकार एक लेटी हुई स्त्री की देह के समान है। जो इसे अदभुत एवं अनोखा बनाता है।

इस झील के चारों ओर हरियाली एवं इसके पानी मे अठखेलियां करती मछलियां पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करती हैं। इस झील की गणना एक पावन तीर्थ स्थल के रूप में भी की जाती है। हर वर्ष दिपावली के लगभग दस दिन बाद यहां एक विशाल मेले का आयोजन किया जाता है, जिसमें हजारों श्रद्धालु भाग लेते हैं। झील के किनारे मां रेणुका और परशुराम का प्रसिद्ध मंदिर है तथा एक छोटा सा चिडियाघर है, जो पर्यटकों को काफी पसंद आता है। झील में मनोरंजन के लिए बोटिंग करने की सुविधा उपलब्ध है, जिसमें बैठकर सैलानी झील के चारों ओर की प्राकृतिक सुंदरता के दर्शन कर सकते हैं, रेणुका झील का स्त्री रूपी आकार देखने के लिए यहा से आठ किलोमीटर ऊपर जामु चोटी पर जाना पड़ता है। जहां से रेणुका झील का आकार लेटी हुई स्त्री की देह के समान दिखाई पड़ता है।

रेणुका झील का इतिहास

रेणुका झील कैसे बनी और इसकी धार्मिक महत्व के पीछे कई मशहूर दंत कथाए प्रचलित हैं। एक कहानी के अनुसार कहा जाता है कि बहुत समय पहले यहां राजा रेणु रहा करते थे। उनकी दो सुंदर पुत्रियां थीं, जिनमें से एक नैनुका तथा दूसरी पुत्री रेणुका थी। एक बार राजा ने दोनो पुत्रियों से प्रश्न किया कि वो किसका दिया खाती हैं, जिसके जवाब में नैनुका ने कहा कि वह अपने पिता का दिया खाती है। जबकि रेणुका ने जवाब दिया कि वह भगवान का दिया और अपने नसीब का खाती हूं। रेणुका के जवाब से राजा अप्रसन्न हो गए और उन्होंने रेणुका को सबक सिखाने का निर्णय लिया। कुछ समय बाद राजा ने बड़ी पुत्री नैनुका का विवाह बड़ी धूम-धाम से एक पराक्रमी राजा सहस्त्रबाहु से कर दिया और छोटी पुत्री रेणुका को सबक सिखाने रेणुका का विवाह एक सीधे साधे तपस्वी ऋषि जमदग्नि से कर दिया। हालांकि रेणुका राजसी ठाठ-बाट मे पली बढ़ी थी। फिर भी उसने ऋषि जमदग्नि को अपना पति स्वीकार किया और तन मन से उसकी सेवा करने लगी। एक दिन राजा सहस्त्रबाहु की दृष्टि रेणुका पर पड़ी तो वह उसे देखता ही रह गया। वास्तव में रेणुका का रूप लावण्य उसके हृदय में उतर गया था। उसने उसी समय रेणुका को अपनी रानी बनाने का फैसला किया और रेणुका को पाने की युक्ति सोचने लगा। अपने षड्यंत्र के तहत एक दिन वह चुपचाप ऋषि जमदग्नि के आश्रम पहुंचा और ध्यानमग्न जमदग्नि को उसने अपने बाण से मार डाला। उसके बाद वह रेणुका का चीरहरण करने उसकी तरफ बढ़ा। रेणुका सहस्त्रबाहु के अपवित्र इरादों को भांप गई और भागकर नीचे तलहटी मे जा पहुंची। सहस्त्रबाहु रेणुका का पीछा करता हुआ, उसके पीछे दौड़ा। इससे पहले वह रेणुका को पकड़ पाता। एकाएक धरती फटी और देखते ही देखते रेणुका उसमें समा गई। रेणुका के धरा में समाते ही पानी की धाराएं फूट पड़ी और देखते ही देखते उस स्थान ने एक झील का रूप धारण कर लिया। तभी से यह झील रेणुका झील के नाम से प्रसिद्ध हो गई।

रेणुका झील कैसे पहुंचें

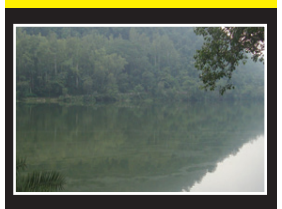

हवाई मार्ग

मुब्बार हटटी यहां का सबसे नजदीकी हवाई अड्डा है, जो यहां से 40 किमी की दूरी पर स्थित है। यहां से टैक्सी द्वारा जाया जा सकता है।

रेल मार्ग

यहां का सबसे नजदीकी रेलवे स्टेशन कालका है, जो लगभग 110 किलोमीटर की दूरी पर है। यहां से आप बस या टैक्सी के द्वारा जा सकते हैं।

सड़क मार्ग

यह स्थल सड़क मार्ग से जुड़ा है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

नजूल भूमि पर गरीबों के लिए फ्लैट बनाएगी योगी सरकार

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तरप्रदेश की राजधानी लखनऊ के ऐशबाग इलाके में अब नजूल भूमि पर प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत फ्लैट बनाए जाएंगे। लखनऊ विकास प्राधिकरण (एलडीए) के उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार ने मौके पर पहुंचकर योजना का जायजा लेकर जरूरी कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने जमीन का सर्वे करने और नियोजन के लिए पांच सदस्यीय समिति बनाई है, जो एक हफ्ते में रिपोर्ट सौंप देगी। निरीक्षण के दौरान सामने आया कि वहां कुछ परिवार झोपड़ियां और टिनशेड में रह रहे हैं और कई जगहों पर अवैध दुकानें भी चल रही हैं। उपाध्यक्ष ने अधिकारियों को अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई जल्द शुरू करने के निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने चारबाग स्टेशन के पास बने फुटओवर ब्रिज का भी निरीक्षण कर यात्रियों की सुविधा के लिए एस्केलेटर सीढ़ियां बनाने का प्रस्ताव दिया। इसके लिए स्ट्रक्चर डिजाइन और लोड टेस्टिंग जल्दी पूरी करने का आदेश दिया। इस दौरान कुमार ने सुदर्शनपुरी में बन रहे कम्युनिटी सेंटर का भी निरीक्षण हुआ, जहां काम की गति संतोषजनक मिली। उपाध्यक्ष ने कहा कि इसके संचालन और रखरखाव के लिए जल्दी ही टेंडर निकाला जाए। इसके अलावा, नंदाखेड़ा के तुलसी कॉम्प्लेक्स का भी निरीक्षण किया गया, जहां अब पुराने आवंटियों को प्रधानमंत्री आवास में शिफ्ट कर पूरी कॉलोनी का री-डेवलपमेंट किया जाएगा। अतिक्रमण हटाकर इस प्रक्रिया को इसी सप्ताह शुरू करने के निर्देश दिए गए हैं। उपाध्यक्ष ने ऐशबाग में जमुना झील के पास बने अटल पार्क का भी निरीक्षण किया और वहां सुरक्षाकर्मियों की तैनाती, टिकट व्यवस्था शुरू करने और पार्क को जनता के लिए खोलने के निर्देश दिए।

बोकारो में मारे गए आठ नक्सलियों के शव लेने नहीं पहुंचे उनके परिजन

बोकारो (एजेंसी)। झारखंड के बोकारो के लुगु पहाड़ में पुलिस मुठभेड़ के दौरान मारे गए आठ नक्सलियों का पोस्टमार्टम हुआ। लेकिन, मारे गए नक्सलियों के परिजन या उनके समर्थक अबतक सामने नहीं आए हैं। आठ में से मारे गए एरिया कमांडर अरविंद यादव के शव को लेने भाई अजज बोकारो पहुंचे, जिन्हें पुलिस ने शव जमुई ले जाने के लिए सौंप दिया गया है। इन सात नक्सलियों में विवेक एक करोड़ का इनामी माओवादी है और सेंट्रल कमेटी सदस्य है। लेकिन मुठभेड़ में मौत के बाद उसके शव पर दावा करने वाला अबतक सामने नहीं आया। बोकारो पुलिस की टीम मानवता का परिचय देकर गिरिडीह रवाना हुई। क्योंकि मारे गए आठ में से छह नक्सली गिरिडीह के मूल निवासी हैं। फोटो दिखाकर पहचान के बाद परिजनों को शव का अंतिम संस्कार के लिए प्रोत्साहित करने में जुटे हैं। शवों के पोस्टमार्टम के बाद सभी मृत आठ नक्सलियों का बेसरा जांच के लिए सुरक्षित रखा गया है। वहीं, डीएनए जांच के लिए मृत शरीर से सैंपल संग्रहित कर सुरक्षित रखे गए हैं। इसके अलावा उनके शरीर से निकले दो बुलेट भी सुरक्षित रखे गए हैं। पोस्टमार्टम होने तक किसी भी मृत नक्सली के शव को हासिल करने के लिए कोई दावा पेश नहीं किया। उनके कोई भी संबंधी शव लेने के लिए पोस्टमार्टम हाउस नहीं पहुंचे।

दिल्ली दंगे को लेकर कोर्ट ने 57 आरोपियों पर किए गंभीर आरोप तय

-कोर्ट ने कहा-आरोपियों की हरकतें हिंसा फैलाने और कानून को ठेंगा दिखाने की थीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर-पूर्वी दिल्ली में साल 2020 में हुए दंगे को लेकर कड़कड़डूमा कोर्ट ने फैसला सुनाया है। कोर्ट ने चांद बाग और मुख्य वजीराबाद रोड इलाके में हुई हिंसा से जुड़े मामले में 57 आरोपियों के खिलाफ दंगा, आगजनी, तोड़फोड़ और हमला करने जैसे गंभीर आरोप तय किए हैं। कोर्ट ने साफ कहा कि यह कोई आकस्मिक भीड़ नहीं थी, बल्कि एक उद्देश्य के साथ एकत्र हुई हिंसक थी, जो तबाही मचाने निकली थी। जज पुलस्त्य प्रमाचला ने कहा कि आरोपियों के खिलाफ पर्याप्त सबूत हैं। कोर्ट के मुताबिक दर्जनों गवाहों ने यह पुष्टि की है कि आरोपी घटनास्थल पर मौजूद थे। गवाहों ने कोर्ट को बताया कि दंगाई भीड़ ने एक ट्रक, टू-व्हीलर और गोदाम को आग के हवाले कर दिया था। साथ ही आम नागरिक को रोककर उसके साथ मारपीट की। कोर्ट का कहना है कि आरोपियों की हरकतें हिंसा फैलाने और कानून व्यवस्था को ठेंगा दिखाने की थीं। कोर्ट ने आरोपियों पर से आपराधिक साजिश की धारा के आरोप से राहत दी, लेकिन यह जरूर माना कि भीड़ की नीयत साफ तौर पर हिंसा फैलाने की थी।

जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ में लगे भूकंप के हल्के झटके, कोई नुकसान नहीं

जम्मू, (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ जिले में बुधवार दोपहर भूकंप के हल्के झटके लगे। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के मुताबिक यह झटका दोपहर 2 बजकर 10 मिनट और 44 सेकंड पर दर्ज किया गया। रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 3.6 मापी गई, जबकि इसकी गहराई 10 किलोमीटर थी। भूकंप की तीव्रता कम होने के कारण जान-माल के नुकसान की कोई सूचना नहीं है। लोग घबराकर अपने घरों और कार्यालयों से बाहर आ गए थे, लेकिन स्थिति जल्द ही सामान्य हो गई। प्रशासन ने बताया कि एहतियात के तौर पर निगरानी की जा रही है। विशेषज्ञों के मुताबिक यह झटका भूगर्भीय हलचल का सामान्य परिणाम हो सकता है।

ठाणे में 12 वर्षीय बच्चे की हत्या का मामला, 2 आरोपियों को हाईकोर्ट ने दी जमानत

मुंबई (एजेंसी)। बॉम्बे हाई कोर्ट ने ठाणे के दो लोगों को जमानत दे दी है, जिन पर अपने दोस्त की मदद करके 12 साल के एक लड़के का अपहरण करने और उसकी हत्या करने का आरोप था, जो उसे 'नपुंसक' कहता था। हाल ही में हुई सुनवाई के दौरान, अदालत ने फैसला सुनाया कि अभियोजन पक्ष अपराध में दो आरोपियों की प्रत्यक्ष संलिप्तता को साबित करने के लिए पर्याप्त सबूत पेश करने में विफल रहा है।

कहां हुई चूक: हमले के इनपुट होने के बाद भी हो गया नरसंहार?

जम्मू (एजेंसी)। पहलगाम हमले को लेकर सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि खुफिया एजेंसियों को इस तरह के हमले की संभावना के बारे में पहले से इनपुट मिले थे। अप्रैल 2025 की शुरुआत में ही खुफिया सूत्रों ने चेतावनी दी थी कि आतंकी संगठन पहलगाम जैसे पर्यटक स्थलों को निशाना बनाने की योजना बना रहे हैं। इनपुट्स में यह भी कहा गया था कि आतंकियों ने रेकी कर ली है और वे किसी बड़े हमले की फिराक में हैं। खुफिया जानकारी के अनुसार, हमास, जैश और लश्कर के बीच तालमेल बढ़ रहा था, और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में आईएसआई की देखरेख में आतंकियों को प्रशिक्षण दिया जा रहा था।

10 मार्च को केंद्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन ने जम्मू में एक उच्च स्तरीय सुरक्षा समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। एक महीने से भी कम समय बाद, 6 अप्रैल को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने श्रीनगर में इंटीग्रेटेड कमान की बैठक की अध्यक्षता की। जम्मू-कश्मीर के दो क्षेत्रों में लगातार बैठकें खुफिया एजेंसियों की चेतावनी के बीच हुईं कि पाकिस्तान जम्मू-कश्मीर में भीषण गर्मी की तैयारी कर रहा है। मंगलवार को, जब पहलगाम में पर्यटकों की चीखें गूंजने लगीं, तो एजेंसियों की सबसे बड़ी आशंका सच साबित हुई।

रिपोर्ट के मुताबिक, लगभग छह आतंकवादियों ने, कुछ स्थानीय सहायकों की मदद से, इस हमले को अंजाम दिया। सूत्रों ने बताया कि ये आतंकी हमले से कुछ दिन पहले इलाके में आ चुके थे, रेकी की थी, और मौके की तलाश में थे। अप्रैल की शुरुआत (1-7 तारीख के बीच) में कुछ होटलों की रेकी किए जाने की खुफिया सूचना पहले से ही मौजूद थी। हालांकि एक वरिष्ठ सूत्र ने कहा, यह कहना गलत होगा कि खुफिया एजेंसियों से चूक हुई। इनपुट्स थे, लेकिन हमलावर मौके की तलाश में थे और उन्होंने सही समय देखकर वार किया। इस हमले में कुछ विदेशी, खासतौर पर पाकिस्तानी आतंकवादी भी शामिल बताए जा रहे हैं। माना जा रहा है कि इन आतंकियों ने कुछ दिन पहले ही घाटी में घुसपैठ की थी और हमले से पहले इलाके की रेकी की थी। केंद्रीय बलों द्वारा रखे गए आंकड़ों के अनुसार, जम्मू-कश्मीर में 70 विदेशी आतंकवादी सक्रिय हैं। डीजीपी नलिन प्रभात द्वारा मार्च में हीरानगर में एक ऑपरेशन का नेतृत्व करने के बाद अंतरराष्ट्रीय सीमा पर हाल ही में घुसपैठ की कोशिशों को विफल कर दिया गया था।

लेकिन एजेंसियों को संदेह है कि कई विदेशी आतंकवादी अपने आकाओं से सही आदेश पाने के लिए घुसपैठ के बाद छिपे हुए हो सकते हैं। बर्फ पिघलने के साथ, पहाड़ी रास्ते खुल गए हैं। ऐसा प्रतीत होता है कि पहलगाम में आतंकवादी पर्यटकों पर हमला करने के लिए बैसारन के मैदानों तक पहुंचने के लिए पहाड़ियों से नीचे उतरे। आतंकवादियों को भागने से रोकने

के लिए घेराबंदी और तलाशी अभियान शुरू किया गया है। एनआईए की टीम मौके पर जाने के लिए तैयार है। एनआईए उन ओवरग्राउंड वर्करों के खिलाफ कार्रवाई शुरू कर सकती है, जिन्होंने संभवतः विदेशी आतंकवादियों की मदद की थी।

माता के श्रद्धालुओं में आई कमी, घोड़े-पिट्ठू, पालकी वालों और कारोबारियों में निराशा

कटड़ा। जम्मू-कश्मीर में पल-पल मौसम बदल रहा है। कटड़ा में एकाएक तेज हवा के साथ वर्षा और ओलावृष्टि शुरू हो गई। मां वैष्णो देवी मार्ग पर ओले गिरने से हल्की सफेद चादर बिछ गई। करीब एक घंटा तक ओले गिरते रहे, जिससे मां वैष्णो देवी के मार्ग, भवन परिसर और कटड़ा में जैसे हल्की सफेद चादर बिछ गई हो। इससे ठंड का अहसास भी होने लगा। मौसम के इस मिजाज के कारण दर्शन को जाने वाले श्रद्धालुओं को दिक्कत हुई। मौसम के तेवर को देखकर भवन मार्ग पर आपदा प्रबंधन दल के साथ श्राइन बोर्ड प्रशासन, पुलिस विभाग, सीआरपीएफ के अधिकारी व जवान जगह-जगह तैनात हैं। फिलहाल मां वैष्णो देवी के सभी मार्ग पूरी तरह से सुचारु है, लेकिन कटड़ा-सांछीछत के बीच चलने वाली हेलीकाप्टर सेवा दिन में अधिकांश समय बाधित ही रही। बैटरी कार और केबल कार सेवा बहाल रही। करीब 20,800 श्रद्धालु भवन की ओर रवाना हो चुके थे। श्रद्धालुओं का आना जारी था। इससे पूर्व रविवार को 30,072 श्रद्धालुओं ने माता दरबार में हाजिरी लगाई थी।

व्यापारी वर्ग में निराशा- हालांकि, छुट्टियों के खत्म होने के बाद से और मौसम में आए बदलाव की वजह से माता के दरबार में श्रद्धालुओं की कमी देखने को मिल रही है। श्रद्धालुओं में आई कमी की वजह से घोड़े-पिट्ठू, पालकी वालों के साथ-साथ व्यापारी वर्ग में निराशा देखने को मिल रही है।

महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम शिंदे श्रीनगर रवाना, जम्मू-कश्मीर में फंसे पर्यटकों और तीर्थयात्रियों की सुरक्षा और कल्याण के लिए उठाया कदम

जम्मू (एजेंसी)। पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के मद्देनजर महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे आज शाम श्रीनगर पहुंचेंगे। इस हमले में 26 नागरिक मारे गए थे और कई घायल हुए थे। एकनाथ शिंदे शाम 7:30 बजे मुंबई से श्रीनगर के लिए रवाना होंगे। प्रवक्ता ने कहा कि उनकी यात्रा जम्मू-कश्मीर में सभी पर्यटकों और तीर्थयात्रियों की सुरक्षा और कल्याण के लिए महाराष्ट्र सरकार की प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है। मंगलवार दोपहर पहलगाम के बैसरन इलाके में आतंकवादियों द्वारा पर्यटकों के एक समूह पर हमला किए जाने के बाद महाराष्ट्र के छह लोगों सहित 26 नागरिक मारे गए। माना जा रहा है कि आतंकवादियों की संख्या चार थी। महाराष्ट्र के छह पर्यटकों में से चार के शवों को मुंबई और दो के शवों को पुणे ले जाए जाने की उम्मीद है। जम्मू-कश्मीर के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के कार्यालय से जारी बयान के अनुसार, मंगलवार को पहलगाम में हुए आतंकी हमले में महाराष्ट्र के पांच पर्यटक मारे गए। इस हमले में 26 लोगों की मौत हो गई, जिनमें से अधिकतर पर्यटक थे और कम से कम 12 अन्य घायल हो गए। आतंकवादियों ने मंगलवार दोपहर कश्मीर के पहलगाम शहर के निकट एक लोकप्रिय मैदान पर गोलीबारी की। एकनाथ शिंदे ने केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू से महाराष्ट्र में फंसे पर्यटकों को निकालने के लिए विशेष उड़ान की व्यवस्था करने का आग्रह किया है। नायडू ने शिंदे को आश्वासन दिया कि फंसे हुए लोगों की सूची उपलब्ध होने के बाद, उन्हें मुंबई पहुंचाने को प्राथमिकता देने का प्रयास किया जाएगा।

बयान में कहा गया है कि जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हाल ही में हुए हमले में महाराष्ट्र के पांच पर्यटकों की जान चली गई। उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने उन्हें राज्य में वापस लाने की व्यवस्था के संबंध में केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू से फोन पर बातचीत की। बातचीत के दौरान शिंदे ने नायडू से जम्मू-कश्मीर में फंसे महाराष्ट्र के पर्यटकों को वापस लाने के लिए विशेष उड़ान की व्यवस्था करने का अनुरोध किया।

अखिलेश का आरोप पहलगाम हमले में भी भाजपा आपदा में अवसर ढूंढ रही

भाजपा का पलटवार, सपा हमेशा तुष्टीकरण की राजनीति करती

लखनऊ (एजेंसी)। समाजवादी पार्टी अध्यक्ष और पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने भाजपा पर पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के बाद आपदा में अवसर ढूंढने का आरोप लगाकर कहा कि पार्टी अपनी सत्ता के सिवा और किसी की सगी नहीं है। अखिलेश ने पोस्ट में भाजपा पर पहलगाम आतंकवादी हमले को लेकर बचकाना विज्ञापन जारी करने का आरोप लगाया। इस पर भाजपा ने पलटवार कर सपा पर तुष्टिकरण की राजनीति करने का आरोप लगाया है। अखिलेश ने कहा कि भाजपा ने पहलगाम के बेहद दर्दनाक हादसे पर बचकाना विज्ञापन जारी कर साबित किया है कि भाजपा की संवेदना उन लोगों के प्रति शून्य है, जिन्होंने अपना जीवन खोया है और जिनके परिजनों पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। भाजपा अपनी सत्ता के सिवा किसी की सगी नहीं है। घोर निंदनीय!

सपा प्रमुख ने हालांकि पोस्ट के साथ कोई विज्ञापन टैग नहीं किया है लेकिन पार्टी नेताओं का

मानना है कि उनका इशारा भाजपा की छत्तीसगढ़ इकाई द्वारा अपने एक्स हैंडल से पोस्ट की गई तस्वीर की तरफ था। तस्वीर में हमले के बाद के दृश्य का एनिमेटेड स्वरूप दिखाया गया है और साथ में लिखा है धर्म पूछा, जाति नहीं। अखिलेश ने कहा कि जब जम्मू कश्मीर में भाजपा सरकार ने सब कुछ अपने मन के हिसाब से किया है, तब इतने लोगों की मौत के लिए अपनी जिम्मेदारी से पल्ला नहीं झाड़ सकती।

अखिलेश ने कहा कि भाजपाइयों और उनके संगी-साथियों के खिलाफ देश भर के करोड़ों लोगों के मन में उठ रहा गहरे दुख, रोष और क्रोध से भरा ये आक्रोशित सवाल गलत नहीं है कि अगर भाजपा और उनके संगी-साथी देश भर के पर्यटकों को जम्मू कश्मीर के भ्रमण पर जाने के लिए प्रेरित कर रहे हैं, तब उनकी सुरक्षा के पर्याप्त प्रबंध पहले से क्यों नहीं किये गये? अखिलेश ने कहा कि अगर भाजपा सरकार ये बहाना करती है कि हमारे पास सुरक्षा बलों की कमी है, तब इसके लिए भी भाजपा सरकार ही जिम्मेदार है।

वहीं, अखिलेश के बयान पर भाजपा ने पलटवार किया है। भाजपा की उत्तर प्रदेश इकाई के महासचिव और पार्टी के राज्यसभा सदस्य अमरपाल मौर्य ने कहा कि यह कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि एक ऐसी पार्टी जो हमेशा तुष्टीकरण की राजनीति करती है। वर्तमान में भी राजनीति कर रही है, जब हम सभी को एक स्वर में पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के खिलाफ बोलना चाहिए। लेकिन, मैं आपको आश्वस्त करना चाहता हूं अखिलेश कि आपकी तरह हम तुष्टीकरण की राजनीति नहीं करने वाले है। बल्कि हमारी सरकार इस कायराना हमले के दोषियों को मुंहतोड़ जवाब देगी।

महाराष्ट्र की पहली मुस्लिम महिला अदीबा अहमद बनी आईएएस, देश में 142वें स्थान पर

मुंबई, (एजेंसी)। संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) 2024 परीक्षा के अंतिम परिणाम मंगलवार को घोषित किए गए। इनमें महिला अभ्यर्थी शक्ति दुबे ने देश में प्रथम स्थान प्राप्त करने का गौरव प्राप्त किया है, जबकि महाराष्ट्र के अर्चित डोंगरे देश में तीसरे स्थान पर आए हैं। इस वर्ष भी महाराष्ट्र के युवाओं ने यूपीएससी परीक्षा में सफलता प्राप्त कर मराठी ध्वज फहराया। उल्लेखनीय है कि महाराष्ट्र के यवतमाल जिले की अदीबा अनम अशफाक अहमद ने भारत में 142वीं रैंक हासिल कर शानदार सफलता हासिल की है। अदीबा महाराष्ट्र की पहली महिला मुस्लिम आईएएस अधिकारी बन गई हैं। अदीबा ने अपनी स्नातक की पढ़ाई अबेदा इनामदार कॉलेज, पुणे से पूरी की। अदीबा ने बी.ए. उर्दू और बी.ए. गणित में स्नातक किया है। इसके बाद उन्होंने संघ लोक सेवा आयोग की प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी शुरू कर दी। अदीबा हज हाउस आईएएस प्रशिक्षण संस्थान और बाद में जामिया आवासीय प्रशिक्षण संस्थान की छात्रा रही। उनकी सफलता के लिए उनके मित्रों, रिश्तेदारों और परिवार से उन्हें बधाई मिल रही है। इस बीच, अदीबा ने पहले यूपीएससी में साक्षात्कार दिया था, लेकिन उनका नाम अंतिम चयन सूची में नहीं आया। हालांकि, उन्होंने हार नहीं मानी और दोबारा यूपीएससी परीक्षा की तैयारी की। इस वर्ष के प्रयास में अंतिम सूची में उनके चयन पर परिवार ने प्रसन्नता व्यक्त की है।

- मुंबई की अंकिता पाटिल देश में 303वें स्थान पर

मुंबई के मुलुंड की रहने वाली अंकिता पाटिल ने भी यूपीएससी परीक्षा में सफलता हासिल की है और भारत में 303वीं रैंक हासिल की है। इसलिए उनकी प्रशंसा की जा रही है और पाटिल परिवार में अंकिता की सफलता का जश्न बड़े हर्ष के साथ मनाया जा रहा है। इस सफलता के बाद अंकिता कहती हैं कि, मैं बहुत खुश हूं, मैंने पिछले तीन-चार सालों से कड़ी मेहनत की है। उन सभी वर्षों की कड़ी मेहनत रंग लाई।

दिल्ली समेत 14 राज्यों में चलेगी लू, 12 राज्यों में बारिश की संभावना

-यूपी में अगले कुछ दिन में तापमान पहुंच सकता है 47 डिग्री पर

नई दिल्ली (एजेंसी)। मौसम विभाग ने बुधवार को दिल्ली, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तर प्रदेश सहित 14 राज्यों में हीटवेव की चेतावनी जारी की है। इस दौरान कई राज्यों में तापमान में 3-5 डिग्री की बढ़ोतरी हो सकती है। यूपी में अगले पांच दिन में अधिकतम तापमान 47 डिग्री पहुंचने का अनुमान है। राजस्थान के 4 जिलों में आज लू का यलो अलर्ट जारी किया गया है। 14 शहरों में मंगलवार को अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेल्सियस या उससे ऊपर रहा।

वहीं मध्यप्रदेश के 6 जिलों में हीटवेव चलेगी। खजुराहो, नौगांव, पन्ना, सीधी में तापमान 45 डिग्री या इससे ज्यादा रह सकता है। उधर, छत्तीसगढ़ में मंगलवार को बीजापुर-तेलंगाना बॉर्डर पर लू से एक मजदूर की मौत हो गई। वह मिर्ची तोड़ने तेलंगाना गया था। मौसम विभाग ने 3 दिनों तक सरगुजा संभाग, रायपुर, बिलासपुर और दुर्ग संभाग के 11 जिलों में लू का यलो अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग ने

कर्नाटक, केरल, तमिलनाडु, मणिपुर समेत 12 राज्यों में बुधवार को बारिश की संभावना जताई है। अरुणाचल प्रदेश, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में 27 अप्रैल तक भारी बारिश हो सकती है। असम और मेघालय में तेज आंधी-तूफान की आशंका है। 28 अप्रैल तक राजस्थान, पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, गुजरात, उत्तर प्रदेश में हीटवेव रहेगी। बिहार, झारखंड, ओडिशा और पश्चिम बंगाल में अगले 2 दिन तक तेज गर्मी पड़ेगी। अरुणाचल प्रदेश, असम, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नागालैंड, त्रिपुरा, सिक्किम में 27 अप्रैल तक बारिश हो सकती है।

महागठबंधन के नेता जेडीयू के मुस्लिम नेताओं को बदनाम करने में जुटे: इकबाल हैदर

पटना (एजेंसी)। वक्फ संशोधन बिल पर जेडीयू ने जब से संसद में समर्थन किया है तब से बिहार की राजनीति के साथ ही देश की सियासत में जेडीयू के स्टैंड को लेकर खूब चर्चा है। इस बीच जेडीयू के मुस्लिम नेताओं की बेचैनी कुछ ज्यादा ही बढ़ी हुई है। दरअसल, वक्फ संशोधन बिल पर जेडीयू के समर्थन के बाद कई मुस्लिम नेताओं ने जेडीयू से इस्तीफा दे दिया है, इससे चुनावी साल में पार्टी की परेशानी बढ़ गई है। खासकर मुस्लिम वोट को लेकर पार्टी में चिंता है। लेकिन इसी बीच जेडीयू के एक बड़े मुस्लिम नेता ने आरोप लगाया है, जिससे बिहार में सियासी पारा चढ़ गया है।

दरअसल, जेडीयू के बड़े मुस्लिम नेता मेहर इकबाल हैदर ने आरोप लगाया है कि जेडीयू के मुस्लिम नेताओं को जान बूझकर षड्यंत्र के तहत हमारे विरोधी महागठबंधन की कुछ पार्टियों की ओर से बदनाम किया जा रहा है। इसमें दावा किया जा रहा है कि जेडीयू के मुस्लिम नेता वक्फ के मुद्दे के बाद पार्टी से नाराज हैं और वे पार्टी छोड़ने वाले हैं। लेकिन, ये सरासर गलत है और उनकी छवि को बदनाम करने की साजिश है।

इकबाल कहते हैं कि वक्फ संशोधन कानून पर नीतीश कुमार नजर बनाए हुए हैं और जब मामला अभी कोर्ट में है। बावजूद इसके हमारे विरोधी नीतीश और जेडीयू को मुस्लिम विरोधी बताने पर लगे हुए हैं। लेकिन, मुस्लिम समाज को मैं बताना चाहता हूं कि जब तक नीतीश हैं तब तक मुस्लिम समाज का कोई अहित नहीं कर सकता है।

वहीं, जेडीयू नेता के आरोप पर आरजेडी ने पलटवार किया है। आरजेडी के प्रवक्ता एजाज अहमद कहते हैं कि जेडीयू नेता का आरोप सरासर गलत है और ये सब जनता के गुस्से से बचने के लिए बयान दे रहे हैं। जेडीयू के नेता बीजेपी के विचारों में अपने को समाहित कर चुके हैं और उनके नेता नीतीश कुमार चुप्पी साधे हुए हैं।

हिमालय में सालों से कम हो रही बर्फबारी, जल सुरक्षा खतरे में?

-दो अरब की आबादी पिघलते ग्लेशियरों से निकलने वाले पानी पर निर्भर

नई दिल्ली (एजेंसी)। हिमालय-हिंदुकुश पर्वत श्रृंखला में बर्फबारी पिछले 23 सालों में अपने सबसे निचले स्तर पर पहुंच गई है। यह हालात उन दो अरब लोगों के लिए गंभीर खतरा है जो पिघलते ग्लेशियरों से निकलने वाले पानी पर निर्भर हैं। एक रिपोर्ट में चेतावनी दी गई है कि हिमालय पर्वत श्रृंखला में बर्फ की कमी का यह रुझान लगातार तीसरे साल भी जारी है और इससे क्षेत्र में जल सुरक्षा खतरे में पड़ गई है।

हिमालय-हिंदुकुश पर्वत श्रृंखला अफगानिस्तान से म्यांमार तक फैली है, जबकि आर्कटिक और अंटार्कटिक महाद्वीप के बाद बर्फ और ग्लेशियरों का सबसे बड़ा भंडार इसी क्षेत्र में है। ये जलाशय करीब दो अरब लोगों के लिए ताजे पानी का मुख्य स्रोत हैं, जबकि कृषि, घरेलू इस्तेमाल और अन्य जरुरतों के लिए भी इन्हीं जलाशयों पर निर्भर रहा जाता है। रिपोर्ट के मुताबिक, इस क्षेत्र में मौसमी बर्फ आवरण सामान्य से 23.6 फीसदी कम है, जो पिछले 23 सालों में सबसे निचला स्तर पर है। रिपोर्ट के मुख्य लेखक शेर मोहम्मद ने कहा कि इस साल बर्फबारी जनवरी के अंत में शुरू हुई और पूरे शीतकाल में औसत से कम रही। उन्होंने कहा कि इस कमी से नदी के प्रवाह में संभावित कमी, भूजल पर निर्भरता में वृद्धि, और सूखे जैसे जोखिम में वृद्धि हो सकती है। क्षेत्र के कई देशों ने पहले ही सूखे की चेतावनी जारी कर दी है, जबकि फसल की पैदावार और पानी की उपलब्धता भी खतरे में है। यह स्थिति उस आबादी के लिए और भी जटिल है जो लंबे समय तक चलने वाली, तीव्र और बार-बार आने वाली गर्मी की लहरों से जूझती हैं।

भारत, पाकिस्तान, अफगानिस्तान, बांग्लादेश, भूटान, चीन, म्यांमार और नेपाल अंतरराष्ट्रीय एकीकृत पर्वतीय विकास केंद्र के सदस्य देश पर इसका सबसे ज्यादा असर पड़ता हैं। अंतर-सरकारी निकाय ने क्षेत्र की 12 प्रमुख नदी घाटियों पर निर्भर देशों से जल प्रबंधन, सूखे की तैयारी, पूर्व चेतावनी प्रणालियों में सुधार करने और क्षेत्रीय सहयोग बढ़ाने का आग्रह किया है। रिपोर्ट में विशेष रूप से बताया गया है कि दक्षिण-पूर्व एशिया की दो सबसे लंबी नदियां मेकांग और सालवीन, जो चीन और म्यांमार को पानी देती हैं, उनकी करीब आधी बर्फ पिघल चुकी है। आईसीआईएमओडी के महानिदेशक ने दीर्घकालिक समाधान के लिए नीतिगत बदलावों का आह्वान किया है। उन्होंने कहा कि कार्बन उत्सर्जन ने हिंदुकुश पर्वतमाला में अभूतपूर्व बर्फ हानि के मार्ग को अपरिवर्तनीय बना दिया है। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास के लिए तुरंत उपाय किए जाने की जरुरत पर जोर दिया। संयुक्त राष्ट्र के विश्व मौसम विज्ञान संगठन के मुताबिक एशिया जलवायु संबंधी आपदाओं से सबसे अधिक प्रभावित क्षेत्र है।

मार्च महीने में एक रिपोर्ट जारी की गई है,

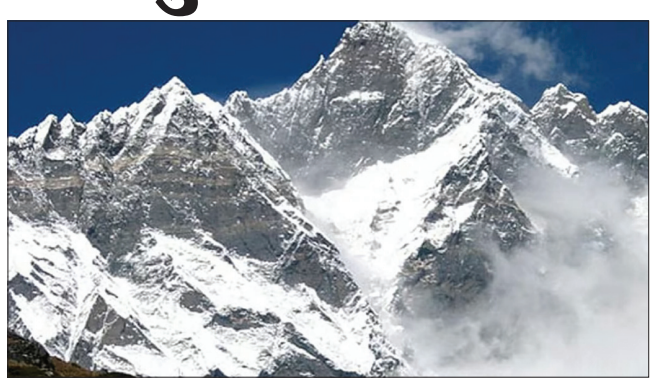

जिसके मुताबिक पिछले छह सालों में से पांच साल ऐसे थे जिनमें ग्लेशियरों में सबसे तेज गिरावट देखी गई। यह स्थिति इस क्षेत्र की पर्यावरणीय स्थिरता और मानव जीवन के लिए बढ़ती कठिनाइयों का संकेत दे रही है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

फ्लाइट में महिला कर्मचारी से की भारतीय यात्री ने अभद्रता, आरोपी गिरफ्तार

सिंगापुर, एजेंसी। सिंगापुर जाने वाले विमान की केबिन क्रू (चालक दल) सदस्य की मर्यादा भंग करने के आरोप में मंगलवार को 20 वर्षीय भारतीय नागरिक पर मामला दर्ज किया जाएगा। उड़ान के दौरान 28 वर्षीय महिला केबिन क्रू सदस्य की कथित तौर पर मर्यादा भंग किए जाने की घटना के बाद 28 फरवरी को दोपहर 12 बजकर पांच मिनट पर पुलिस को इसकी सूचना दी गई थी। सोमवार को जारी एक पुलिस बयान के अनुसार, प्रारंभिक जांच में सामने आया कि महिला केबिन क्रू सदस्य एक महिला यात्री को शौचालय की ओर ले जा रही थीं, तभी उन्होंने जमीन पर टिश्यू पेपर का एक टुकड़ा देखा। जब वह उसे उठाने के लिए झुकीं, तभी 20 वर्षीय आरोपी उनके पीछे आया और उन्हें पकड़कर जबरन शौचालय में घुस गया। 'द स्ट्रेट्स टाइम्स' अखबार की खबर के अनुसार, महिला यात्री जो उस वक्त वहां मौजूद थीं, उन्होंने मामले में तत्काल हस्तक्षेप कर महिला क्रू सदस्य को विमान के शौचालय से बाहर निकाला। घटना की सूचना केबिन सुपरवाइजर को दी गई और विमान के सिंगापुर के चांगी हवाई अड्डे पर उतरते ही पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने संबंधित एयरलाइन का नाम उजागर नहीं किया है। आरोपी पर 'मर्यादा भंग करने के इरादे से बल प्रयोग' की धारा के तहत आरोप दर्ज किए जाएंगे। हवाई अड्डा पुलिस विभाग की कमांडर, सहायक आयुक्त एम. मालती ने कहा, हम ऐसे मामलों को गंभीरता से लेते हैं क्योंकि केबिन क्रू प्रशिक्षित पेशेवर होते हैं, जो सभी यात्रियों की सुरक्षा और भलाई सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध होते हैं। उन्होंने कहा, पुलिस विमान में सवार सभी कर्मचारियों और यात्रियों को किसी भी प्रकार के यौन उत्पीड़न या हमले से सुरक्षित रखने के लिए प्रतिबद्ध है।

जर्मन इन्फलुएंसर की मौत

बर्लिन, एजेंसी। जर्मन ट्रैवल इन्फ्लुएंसर वैनेसा कोनोपका की लिवर खराब होने और निमोनिया के चलते मौत हो गई। उनके बॉयफ्रेंड ने फेसबुक पर उनकी मृत्यु की घोषणा की। फेसबुक पर लिखा गया कि कोनोपका को 31 दिसंबर को फिलीपींस में गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं के कारण अस्पताल में भर्ती कराया गया था। वह कमजोर हो गई थीं। खाने, चलने या आसानी से बोलने में असमर्थ थीं। उनके बॉयफ्रेंड फर्नांडो ने एक गोफंडमी पेज बनाया था, ताकि उन्हें वापस जर्मनी ले जाने के लिए मेडिकल एयर एंबुलेंस के लिए 227,000 डॉलर से अधिक राशि जुटाई जा सके। फर्नांडो ने लिखा कि वैनेसा का निधन हो गया। वह हमेशा आप सभी से जुड़ना पसंद करती थी और फिलीपींस के लिए उसका प्यार शब्दों से परे था। एक बार फिर मैं केवल आपकी प्रार्थनाओं के लिए कह सकता हूं ताकि भगवान उसके प्रियजनों के दिलों को सुकून दे। मुझे उस पर भरोसा है मुझे पता है कि वह वैनेसा के साथ है और मुझे पता है कि भगवान हमेशा हमारे साथ है। वैनेसा और उनके बॉयफ्रेंड फर्नांडो सोशल मीडिया पर लोकप्रिय ट्रैवल अकाउंट हैप्पीनेस क्रॉसिंग चलाते थे, जहां वे बोराके, फिलीपींस में रहने के अपने अनुभवों को साझा करते थे। अपनी मृत्यु से पहले कोनोपका कुछ समय के लिए सोशल मीडिया पर लौटी थीं और उनकी हालत में थोड़ा सुधार दिखा था।

अमेरिका की होमलैंड सिक्योरिटी सेक्रेटरी क्रिस्टी नोएम का हैंडबैग चोरी, बैग में 2.50 लाख रुपए थे

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के होमलैंड सिक्योरिटी डिपार्टमेंट की सेक्रेटरी क्रिस्टी नोएम का हैंडबैग रविवार को एक रेस्टोरेंट में चोरी हो गया। उनके बैग में सिक्योरिटी बैज और 3000 डॉलर नकद (2.55 लाख रुपए) थे। इसके अलावा हैंडबैग में उनका ड्राइविंग लाइसेंस, दवाइयां, अपार्टमेंट की चाबियां और खाली चेक भी थे। होमलैंड डिपार्टमेंट ने बताया कि नोएम का पूरा परिवार ईस्टर के मौके पर उनके साथ। वह कैश का इस्तेमाल अपने परिवार के साथ डिनर और गिफ्ट खरीदने के लिए कर रही थीं। अमेरिका का होमलैंड सिक्योरिटी डिपार्टमेंट एक फेडरल एग्जीक्यूटिव ऑफिस है। इसका मुख्य मकसद अमेरिका को आतंकवाद और अन्य खतरों से सुरक्षित रखना है। यह बॉर्डर कंट्रोल, इमिग्रेशन, आतंकवाद और साइबर सिक्योरिटी जैसी जिम्मेदारी देखता है।

गाजा टेकओवर से लेकर टैरिफ तक, ट्रंप के पहले 100 दिनों में 10 सबसे विवादित फैसले

वाशिंगटन, एजेंसी। वाइट हाउस में दोबारा कदम रखते ही डोनाल्ड ट्रंप ने अपने अंदाज में साफ कर दिया कि ये कार्यकाल पहले से भी ज़्यादा सख्त, तेज और विवादित होने वाला है। चाहे गाजा में युद्धविराम पर अमेरिकी स्टैंड हो या फिर हार्वर्ड जैसी यूनिवर्सिटियों की फंडिंग ब्लॉक करना। ट्रंप प्रशासन के फैसले सिर्फ अमेरिका में, बल्कि पूरी दुनिया में बहस का कारण बने। प्रवासी विरोधी नीतियों से लेकर चीन के खिलाफ व्यापारिक जंग तक, इन 100 दिनों में ट्रंप ने ऐसा कोई मुद्दा नहीं छोड़ा जिसमें उनकी मौजूदगी की गूंज न सुनाई दी हो। ट्रंप के दूसरे कार्यकाल के 10 सबसे धमाकेदार और विवादास्पद फैसले, जिन्होंने वैश्विक राजनीति, कूटनीति और अर्थव्यवस्था में हलचल मचा दी।

पहले ही दिन 26 कार्यकारी आदेश : 20 जनवरी को ट्रंप ने ओवल ऑफिस में वापसी के साथ ही रिकॉर्ड 26 आदेशों पर साइन किए। इसमें प्रमुख रूप से अमेरिका को विश्व स्वास्थ्य संगठन से बाहर किया। 6 जनवरी 2021 के कैपिटल हमले में शामिल लोगों को माफ कर दिया।

गाजा टेकओवर प्लान : इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के साथ बैठक में ट्रंप ने कहा कि अमेरिका गाजा पर नियंत्रण लेकर उसे मिडल ईस्ट की रिविएरा बना सकता है। उन्होंने गाजा से फिलिस्तीनियों को हटाने की बात भी कही। उनकी इस बात की दुनिया भर में जबरदस्त आलोचना हुई।

एलन मस्क और डीओजीई मंत्रालय : 12 फरवरी को ट्रंप ने एलन मस्क को सरकार में डीओजीई का नेतृत्व सौंपा। इस विभाग की कमान संभालते ही मस्क पर ट्रंप प्रशासन पर हावी होने के आरोप भी लगे। ट्रांसपेरेंसी और हितों के टकराव पर सवाल भी उठे। मस्क के साथ इस विभाग की जिम्मेदारी भारतवंशी और रिपब्लिकन नेता विवेक रामास्वामी को भी दी गई, लेकिन उन्होंने बाद में पद छोड़ दिया। अब रामास्वामी ओहियो राज्य के गवर्नर पद की रेस में हैं।

पुतिन से दोस्ती का नया अध्याय : वर्षों की दूरी खत्म करते हुए ट्रंप ने पुतिन से सीधी बातचीत शुरू की। 1कई अमेरिकी-रूसी मीटिंग्स में यूरोप को शामिल नहीं किया गया, जो नाटो सहयोगियों को चौंकाने वाला कदम था।

म्यूनिख में यूरोप को फटकार : अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने यूरोपीय देशों पर अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता रोकने, रक्षा खर्च न बढ़ाने और अप्रवासियों को लेकर उदार रवैये की कड़ी आलोचना की।

जेलेंस्की का अपमान : जब यूक्रेन के राष्ट्रपति वलोडोमिर जेलेंस्की अमेरिकी दौरे पर पहुंचे तो उन्हें सार्वजनिक तौर पर काफी अपमान झेलना पड़ा। पहले सूट-बूट नहीं पहनने पर ट्रंप ने उनकी खिल्ली उड़ाई फिर कैमरे के सामने ट्रंप ने काफी सुनाया। नतीजन पहली बार ऐसा हुआ कि वाइट हाउस से बिना खाना खाए किसी नेता को वापस भेज दिया गया।

हार्वर्ड और कोलंबिया यूनिवर्सिटी पर ऐक्शन : ट्रंप प्रशासन ने इजरायल विरोधी प्रदर्शनों पर कार्रवाई के बहाने कोलंबिया यूनिवर्सिटी की 400 मिलियन फंडिंग काटी। इसके बाद हार्वर्ड की 2.2 बिलियन की फंडिंग फ्रीज़ कर दी और टैक्स छूट खत्म करने की धमकी दी। जवाब में हार्वर्ड ने भी ट्रंप प्रशासन के खिलाफ मुकदमा दायर किया है।

अवैध प्रवासियों का जबरन निर्वासन एक पुराना युद्धकालीन कानून इस्तेमाल करके 200 से ज्यादा संदिग्धों को जबरन निर्वासित किया गया। यह मामला अमेरिका के सुप्रीम कोर्ट तक पहुंचा। एक अमेरिकी सैन्य विमान 104 भारतीय प्रवासियों को लेकर पंजाब के अमृतसर में उतरा। यह पहली बार था जब अमेरिका ने किसी गैर-अमेरिकी देश में सैन्य विमान से निर्वासन किया। ग्रीनलैंड पर नजर ग्रीनलैंड पर अमेरिका की टेढ़ी नजर ट्रंप बोले, हमें ग्रीनलैंड चाहिए, सुरक्षा के लिए ज़रूरी है। उन्होंने बल प्रयोग पर भी जोर दिया। ट्रंप की इस बात से डेनमार्क भड़क गया और वाइस प्रेसिडेंट वेंस की यात्रा विवादों में घिरी। टैरिफ वॉर की शुरुआत 2 अप्रैल को ट्रंप ने पूरी दुनिया पर भारी टैरिफ लगा दिए। 9 अप्रैल को आंशिक रियायत दी – ज्यादातर देशों पर 10प्रतिशत टैक्स, लेकिन चीन पर 245प्रतिशत टैक्स। इसके चलते ग्लोबल मार्केट में अफरातफरी मची। डॉलर गिरा और सोने की कीमतें आसमान तक पहुंची।

हिंदुओं को बचाने के लिए स्कॉटलैंड लाया ऐतिहासिक बिल, पहली बार हिंदूफोबिया पर उठी आवाज

एडिनबरा, एजेंसी। यूरोपीय देश स्कॉटलैंड की संसद में पहली बार हिंदू समुदाय के खिलाफ बढ़ते भेदभाव और हाशिए पर डाले जाने को लेकर एक ऐतिहासिक प्रस्ताव पेश किया गया है। एल्बा पार्टी की सांसद ऐश रीगन ने यह प्रस्ताव ग्लासगो की गांधीवादी शांति संस्था की रिपोर्ट के आधार पर पेश किया है। यह कदम न केवल स्कॉटलैंड बल्कि पूरे यूरोपीय संघ में अपनी तरह का पहला प्रस्ताव है। यह प्रस्ताव स्कॉटलैंड के हिंदू समुदाय के सामने आ रही चुनौतियों, जैसे कि धार्मिक नफरत, मंदिरों पर हमले और सांस्कृतिक असहिष्णुता को प्रमुखता से उजागर करता है। प्रस्ताव में क्या है? स्कॉटिश संसद ने गांधीवादी शांति संस्था के कार्यों की सराहना की है। प्रस्ताव में 'हिंदूफोबिया इन स्कॉटलैंड' रिपोर्ट का हवाला देते हुए बताया गया है कि किस तरह से हिंदू समुदाय को भेदभाव, बहिष्करण और दुर्व्यवहार का सामना करना पड़ रहा है। यह प्रस्ताव अंतर-धार्मिक संवाद, सामाजिक समरसता और विविधता को बढ़ावा देने के प्रयासों को आगे बढ़ाने की अपील करता है। क्या कहती है रिपोर्ट? यह रिपोर्ट स्कॉटलैंड में हिंदू समुदाय पर केंद्रित पहली व्यापक अध्ययन है। इसके अनुसार, 5.4 मिलियन की जनसंख्या वाले स्कॉटलैंड में हिंदुओं की संख्या महज 0.3प्रतिशत है और इस छोटे समुदाय को असमानता, मंदिरों पर हमले, जातिगत टिप्पणियां और दुर्व्यवहार जैसी चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। भारतीय मूल के नेताओं की प्रतिक्रिया सरकार द्वारा पेश किए गए इस बिल को लेकर भारतीय मूल के नेताओं की प्रतिक्रिया आई है। भारतीय काउंसिल ऑफ स्कॉटलैंड के अध्यक्ष नील लाल ने कहा, जब मंदिरों पर हमला होता है या हिंदू परिवारों पर फब्तियां कसी जाती हैं।

ट्रंप टॉवर में हाई-वोल्टेज ड्रामा, इमारत की ऊंची जगह पर चढ़ा युवक; पुलिस ने किया गिरफ्तार

वाशिंगटन, एजेंसी। सोमवार को न्यूयॉर्क सिटी के मशहूर ट्रंप टॉवर में एक व्यक्ति के सबसे ऊंची जगह पर चढ़ने की घटना सामने आई। पुलिस ने बताया कि यह व्यक्ति मानसिक रूप से अस्थिर लग रहा था और उसे इमारत के अंदर एक ऊंची सतह पर देखा गया। सूचना मिलते ही पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और उसे सुरक्षित हिरासत में ले लिया गया।

बता दें कि इस इमारत में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का पेंटहाउस है। न्यूयॉर्क की सबसे उंची इमारतों में एक ट्रंप टॉवर की ये घटना शाम करीब 4:30 बजे की है। इस इमारत में निजी अपार्टमेंट, रेस्टोरेंट, दुकानें और एक ऊंचा सार्वजनिक एट्रियम है, जो आम लोगों और पर्यटकों के लिए खुला रहता है।

व्यक्ति को सुरक्षित नीचे उतारा गया घटनास्थल पर मौजूद कुछ लोगों ने इस घटना का वीडियो साझा किया, जिसमें देखा गया कि सुरक्षा कर्मी एट्रियम से लोगों को बाहर निकाल रहे हैं। पुलिस और एनवाईपीडी की इमरजेंसी सर्विस यूनिट के अधिकारी हेलमेट और सुरक्षा उपकरण पहनकर मौके पर पहुंचे और व्यक्ति को सुरक्षित नीचे उतारा। फिलहाल उस पर कौन-कौन से आरोप लगेंगे, यह साफ नहीं है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

चीन की अर्थव्यवस्था ने 2025 की शुरुआत में जबरदस्त छलांग लगाई

बीजिंग, एजेंसी। चीन की अर्थव्यवस्था ने 2025 की पहली तिमाही में मजबूत शुरुआत की है। दुनियाभर में चल रही उथल-पुथल, अमेरिका के साथ व्यापार तनाव और वैश्विक मंदी की आशंकाओं के बावजूद चीन की वृद्धि उम्मीद से बेहतर रही। नवीनतम सरकारी आंकड़ों के अनुसार, जनवरी से मार्च के बीच चीन की जीडीपी में 5.4प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जो पिछले साल की समान अवधि की तुलना में उल्लेखनीय वृद्धि है। इस तिमाही में चीन की जीडीपी 31.875 ट्रिलियन युआन थी, जो लगभग 4.3 ट्रिलियन डॉलर के बराबर है।

इस वृद्धि के पीछे कई सकारात्मक कारक रहे हैं, जिनमें लोगों की बढ़ती क्रय शक्ति, मजबूत कृषि उत्पादन, उच्च तकनीक विनिर्माण, बेहतर रोजगार और बाजार का भरोसा शामिल है। त्योहारी सीजन में लोगों ने खूब खर्च किया, जिससे सेवा क्षेत्र को भी बढ़ावा मिला। मार्च में औद्योगिक उत्पादन में 7.7प्रतिशत और पूरी तिमाही में 6.5प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। वहीं, उच्च तकनीक और उन्नत विनिर्माण जैसे क्षेत्रों में भी मजबूत वृद्धि दर्ज की गई।

चीनी सरकार पारंपरिक उद्योगों को आधुनिक तकनीक से उन्नत करने का लगातार प्रयास कर रही है। नई गुणवत्ता वाली उत्पादक शक्तियों पर ध्यान केंद्रित करते हुए, चीन अपने विनिर्माण आधार को विज्ञान और नवाचार से जोड़ रहा है। डीपसीक एआई जैसे उदाहरण बताते हैं कि कैसे स्टार्टअप और नवीन तकनीक को अपनाने से देश की अर्थव्यवस्था को नई गति मिल रही है।

तकनीक ने न केवल विनिर्माण बल्कि कृषि में भी अपना जादू दिखाया है। पहली तिमाही में फसल

उत्पादन में 4 प्रतिशत की वृद्धि हुई। शहरों में बेरोजगारी दर भी फरवरी के 5.4प्रतिशत से घटकर मार्च में 5.2प्रतिशत हो गई। वहीं, खुदरा बिक्री यानी उपभोक्ता वस्तुओं की बिक्री में भी 4.6प्रतिशत की वृद्धि हुई, जो साफ तौर पर दर्शाता है कि लोग खरीदारी करने से नहीं हिचकिचा रहे हैं।

विदेशी व्यापार की बात करें तो चीन का कुल व्यापार 1.3प्रतिशत बढ़कर 10.3 ट्रिलियन युआन हो गया। मुख्य रूप से, आसियान और बीआरआई देशों के साथ व्यापार संबंधों ने चीन की वृद्धि का समर्थन किया है। आसियान के साथ व्यापार में 7.1प्रतिशत की वृद्धि हुई और बीआरआई देशों का योगदान चीन के कुल विदेशी व्यापार में 51.1प्रतिशत रहा।

चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग की वियतनाम, मलेशिया और कंबोडिया की हालिया यात्राओं ने भी व्यापार संबंधों को नई ऊर्जा दी है। चीनी सरकार ने विदेशी निवेश को बढ़ावा देने के लिए 2025 के लिए एक विशेष योजना भी शुरू की है, जिसमें विदेशों से अधिक निवेश आकर्षित करने के लिए 20 ठोस कदम शामिल हैं। भले ही संरक्षणवाद, भू-राजनीतिक तनाव और अमेरिकी दबाव जैसी अंतरराष्ट्रीय चुनौतियां बनी हुई हैं, लेकिन चीन की अर्थव्यवस्था में लचीलापन दिख रहा है। नीति निर्माता इस साल के विकास लक्ष्य को हासिल करने के लिए सक्रिय मोड में हैं और बाजार के अनुकूल निर्णय ले रहे हैं। हालांकि, आगे का रास्ता बिल्कुल आसान नहीं है। ग्लोबल अनिश्चितता और अंदरूनी चुनौतियों से निपटने के लिए चीन को लगातार स्मार्ट फैसले लेने होंगे। लेकिन, जो रफ्तार अब तक दिखी है, वो बताती है कि चीन फिलहाल अपने आर्थिक मिशन में सही ट्रैक पर है।

रूस-यूक्रेन युद्ध रुकवाने को पूरी ताकत लगाएंगे डोनाल्ड ट्रंप, लंदन में होने जा रहा 'महासम्मेलन'

लंदन, एजेंसी। रूस और यूक्रेन के बीच युद्धविराम करवाने के लिए अमेरिका पूरी ताकत लगा रहा है। बुधवार को लंदन में अमेरिका यूरोपी और यूक्रेन के अधिकारियों के साथ बात करेगा। अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रूबियो और डोनाल्ड ट्रंप के विशेष राजदूत स्टीव विटकॉफ और केथ केलोग फ्रांस, जर्मनी, यूके और यूक्रेन के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों के साथ बातचीत करेंगे। सोमवार को यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा था, जैसा कि हमने पहले भी बिना शर्त सीजफायर पर सहमति जताई थी, एक बार फिर हम शांति की ओर आगे बढ़ने में विश्वास रखते हैं। यूके के प्रधानमंत्री केर स्टार्मर से फोन पर बात करने के बाद उन्होंने कहा था कि शांति के लिए पहला कदम बिना शर्त सीजफायर ही हो सकता है। हालांकि इस ईस्टर पर रूस ने जो कुछ किया है उससे लगता है कि वह युद्ध को लंबा खींचना चाहता है। पिछले सप्ताह पैरिस में भी अमेरिका ने संभावित सीजफायर डील को लेकर प्रस्ताव पेश किया था। अमेरिका ने रूस को यह भी ऑफर दिया था कि क्रीमिया पर उसके अधिकार को मान्यता दी जाएगी। हालांकि रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन सहमत नहीं हुए। मामले से जुड़े जानकारों का कहना है कि इस डील में यूक्रेन के हिस्सों में शामिल होने पर रोक और कीव की सुरक्षा का वादा भी शामिल हो सकता है। बता दें कि रूस ने 2014 में व्लादिमीर पुतिन ने क्रीमिया पर कब्जा कर लिया था। इसके बाद उन्होंने अपने एक्शन को जस्टिफाइ करने के लिए जनमत संग्रह करवाया। हालांकि रूस के इस कब्जे को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता नहीं मिली। जेलेंस्की बार-बार कहते हैं कि वह इस इलाके पर रूस के आधिपत्य को स्वीकार नहीं करते हैं। डोनाल्ड ट्रंप ने चुनाव प्रचार के दौरान ही कहा था कि वह राष्ट्रपति बनते ही रूस और यूक्रेन का युद्ध रुकवा देंगे। हालांकि शुक्रवार को परेशान अमेरिका ने कह दिया कि अगर दोनों देश प्रस्ताव को स्वीकार नहीं करते और सकारात्मक दिशा में आगे नहीं बढ़ते तो वह प्रयास करना ही बंद कर देगा। वहीं रूस ने कहा है कि 30 घंटे के ईस्टर पॉज के बाद उसकी सेनाओं ने फिर से हमला शुरू कर दिया है।

सिंधु नहर परियोजना के खिलाफ सिंध में सड़कों पर जनता

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान में सिंधु नदी से छह नई नहरें खोदने के संघीय सरकार के प्रस्ताव के खिलाफ राष्ट्रवादी दल, वकील, किसान, लेखक और नागरिक समाज के सदस्यों समेत करीब 50 हजार लोग पूरे सिंध प्रांत में विरोध प्रदर्शन और धरना दे रहे हैं। उनका दावा है कि सरकार राज्य के जल संसाधनों को बर्बाद करने का प्रयास कर रही है। इस प्रयास के खिलाफ सिंध प्रांत में जन आंदोलन लगातार बढ़ता जा रहा है। खैरपुर में वकील लगातार तीन दिनों से धरना दे रहे हैं, जिससे पंजाब और सिंध के बीच यातायात जाम हो गया है। द बलूचिस्तान पोस्ट (टीबीपी) की एक रिपोर्ट के अनुसार, 72 करोड़ डॉलर की यह नहर परियोजना ग्रीन पाकिस्तान प्रयास का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य चोलिस्तान रेगिस्तान में सैन्य-संचालित कृषि व्यवसाय के लिए कृषि भूमि बनाने के लिए सिंधु से पानी निकालना है। टीबीपी के अनुसार, विरोधियों का दावा है कि यह योजना सिंध के जल अधिकारों का उल्लंघन करती है और राज्य के कृषि उद्योग को गंभीर रूप से नुकसान पहुंचाने की क्षमता रखती है। इसे लेकर सिंध के सभी शहरों में विरोध शिविर, शटडाउन हड़ताल और प्रदर्शन बढ़ गए हैं। राष्ट्रवादी समूहों ने रेल परिचालन भी रोक दिया है। यहां तक कि सत्तारूढ़ गठबंधन में शामिल पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) के नेता बिलावल भुट्टो जरदारी ने परियोजना का विरोध कर गठबंधन छोड़ने की धमकी दी है। टीबीपी की रिपोर्ट के अनुसार, प्रदर्शनकारी सिंधु बचाओ जागरूकता मार्च के हिस्से के रूप में हैदराबाद में इकट्ठे हुए और घोषणा की कि वे तब तक नहीं रुकेंगे जब तक कि अनुमानित नहर परियोजना को पूरी तरह से छोड़ नहीं दिया जाता। एमक्यूएम के संस्थापक और नेता अल्ताफ हुसैन ने पहले सिंधु नदी से नई नहरों के विकास का कड़ा विरोध किया था और अब इस परियोजना को सिंध को पानी से वंचित करने और इसे शुष्क बनाने का एक जानबूझकर किया गया प्रयास बताया है।

आव्रजन एजेंट रिकर्स द्वीप जेल में नहीं कर सकेंगे काम, न्यायाधीश ने न्यूयॉर्क के मेयर के आदेश पर लगाई रोक

न्यूयॉर्क, एजेंसी। संघीय आव्रजन एजेंट अब रिकर्स द्वीप जेल परिसर से काम नहीं कर सकेंगे। न्यूयॉर्क के संघीय न्यायाधीश ने मेयर एरिक एडम्स की ओर से आव्रजन एजेंटों को दी गई अनुमति पर अस्थायी रोक लगा दी है। एरिक एडम्स के आदेश के खिलाफ दायर मुकदमे पर 25 अप्रैल को सुनवाई होनी है। इससे पहले लिखित आदेश में न्यायाधीश मैरी रोसाडो ने मेयर को संघीय सरकार के साथ किसी भी समझौता ज्ञापन पर बातचीत, हस्ताक्षर या कार्यान्वयन की दिशा में कोई भी कदम उठाने से रोक दिया। न्यूयॉर्क मेयर एरिक एडम्स ने अमेरिकी आव्रजन और सीमा शुल्क प्रवर्तन और अन्य संघीय एजेंसियों को जेल परिसर में कार्यालय बनाए रखने की अनुमति दी थी। इसके खिलाफ न्यूयॉर्क सिटी काउंसिल ने न्यायालय में मुकदमा दायर करके कार्यकारी आदेश को रोकने की मांग की है। मुकदमे में डेमोक्रेट एडम्स पर न्याय विभाग द्वारा उनके खिलाफ आपराधिक आरोपों को वापस लेने के बदले में ट्रंप प्रशासन के साथ भ्रष्ट सौदेबाजी में प्रवेश करने का आरोप लगाया गया है। इस मुकदमे की सुनवाई 25 अप्रैल को होनी है। मुकदमे में कहा गया है कि जेल परिसर में आव्रजन एजेंटों और अन्य संघीय एजेंसियों की मौजूदगी उन्हें गिरोह और नशीली दवाओं से संबंधित जांच में सहायता करने की अनुमति देगी, लेकिन नागरिक आव्रजन प्रवर्तन में उनकी कोई भूमिका नहीं होगी। वहीं एडम्स के एक प्रवक्ता ने कहा कि सुनवाई से पहले शहर ट्रंप प्रशासन के साथ कोई समझौता नहीं करेगा। एडम्स ने पहले घोषणा की थी कि वह अपने पहले डिप्टी मेयर रैंडी मैस्ट्रो को रिकर्स द्वीप पर आव्रजन एजेंटों की वापसी पर सभी निर्णय लेने के लिए नियुक्त करेंगे ताकि किसी संघर्ष की स्थिति न बने। वहीं मैस्ट्रो ने पिछले सप्ताह कहा था कि योजना पर संघीय सरकार के साथ चर्चा जारी है। सिटी काउंसिल के अध्यक्ष एड्रिएन एडम्स के प्रवक्ता जूलिया एगोस ने कहा कि परिषद ट्रंप प्रशासन और उसके एजेंटों द्वारा हमलों के खिलाफ सभी न्यूयॉर्क वासियों के अधिकारों और सुरक्षा की रक्षा करने का प्रयास कर रहा है। हम न्यायाधीश रोसाडो के निर्णय की सराहना करते हैं। उन्होंने शुक्रवार की सुनवाई तक प्रशासन और संघीय एजेंसियों के बीच किसी भी समझौते पर बातचीत या क्रियान्वयन को रोक दिया है ताकि समुदायों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। आव्रजन एजेंटों की पहले रिकर्स द्वीप में उपस्थिति थी, लेकिन 2014 में न्यूयॉर्क शहर के अभ्यारण्य कानूनों के तहत उन्हें आव्रजन प्रवर्तन के साथ सहयोग को सीमित करने के तहत वहां काम करने से प्रभावी रूप से प्रतिबंधित कर दिया गया था।

स्वामी,मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

शैलेषभाई का मृत शरीर सूरत लाया जाएगा मुंबई से शाम तक पार्थिव शरीर पहुंचेगा

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

कश्मीर के आतंकवादी हमले में सूरत के एक युवा की क्रूर मृत्यु हुई है। 44 वर्षीय शैलेषभाई हिमतभाई कळथिया के शहीद होने की पुष्टि होते ही उनके परिवार में शोक की लहर दौड़ गई है। प्रशासन द्वारा शैलेषभाई के मृत शरीर को सूरत लाने की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। अधिकारियों के अनुसार, शैलेषभाई का मृत शरीर कश्मीर से फ्लाइट के जरिए मुंबई एयरपोर्ट लाया जाएगा, और वहां से एंबुलेंस के द्वारा मृत शरीर को सूरत लाया जाएगा।

सूरत जिला प्रशासन द्वारा पूरी व्यवस्था की गई है। अतिरिक्त कलेक्टर विजयभाई रबारी ने बताया, ''हमने मृत शरीर लाने के संबंध में सभी व्यवस्थाएं कर दी हैं। परिवार के साथ लगातार संपर्क में हैं और उन्हें हर तरह की मदद प्रदान की जा रही है।'' मृतक शैलेषभाई के पिता हिमतभाई अब सूरत पहुंच गए हैं और अपने बेटे के अंतिम दर्शन के लिए आतुर हैं। 22 अप्रैल मंगलवार को दोपहर लगभग 3 बजे जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादियों ने पर्यटकों पर गोलीबारी की थी। इस हमले में 27 लोगों की मौत हुई, जिसमें सूरत के शैलेष हिमतभाई कळथिया भी शामिल थे। मूल रूप से अमरेली जिले के निवासी और पिछले एक साल से मुंबई में रहने वाले शैलेष कळथिया अपने परिवार के साथ कश्मीर घूमने गए थे, परिवार घोड़े पर सवार होकर प्रकृति के सौंदर्य का आनंद ले रहा था, तभी अचानक आतंकवादियों ने ताबड़तोड़ गोलियां चलाईं, जिससे शैलेषभाई को गोली लगी और उनकी मृत्यु हो गई। यह संभावना जताई जा रही है कि शैलेषभाई जन्मदिन मनाने के लिए कश्मीर गए थे, और वे अपने जन्मदिन से एक दिन पहले ही मारे गए।

परिवार के साथ कश्मीर घूमने गए शैलेष का आतंकवादी हमले में निधन हो गया, और उनका मृत शरीर आज शाम तक सूरत लाया जाएगा, जहां उनकी अंतिम क्रिया की जाएगी। मृतक शैलेष के पिता भी सूरत आने के लिए रवाना हो गए हैं।

मृतक शैलेष के मृत शरीर को एयरपोर्ट से सीधे स्मीमर अस्पताल ले जाया जाएगा, जहां उसे अस्पताल के कोल्ड स्टोरिज में रखा जाएगा। फिर अगले दिन काठोर स्थित शमशान घाट में उनकी अंतिम विधि की जाएगी।

गुनाहीत इतिहास रखने वालों पर कार्रवाई, पुलिस के साथ DGVCL ने पकड़ी बिजली चोरी

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के सचिन ग्रामीण क्षेत्र में आपराधिक इतिहास रखने वाले व्यक्तियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की नीति अपनाते हुए DGVCL (दक्षिण गुजरात विद्युत कंपनी लिमिटेड) और सचिन ग्रामीण पुलिस ने संयुक्त रूप से एक विशेष ऑपरेशन चलाया। इस ऑपरेशन के तहत कई संदिग्ध व्यक्तियों के आवास स्थलों पर बिजली मीटर की जांच की गई। ऑपरेशन के दौरान पुलिस ने लगभग 15 घरों की तलाशी ली, जिनमें से एक व्यक्ति के घर में गंभीर बिजली चोरी का मामला सामने आया। जांच में पता चला कि उस व्यक्ति ने मीटर के साथ छेड़छाड़ कर कंपनी को भारी नुकसान पहुंचाया था।

बिजली कंपनी के अधिकारियों ने तुरंत ही मामले में कानूनी कार्रवाई शुरू की। आरोपी के खिलाफ बिजली चोरी से संबंधित धाराओं के तहत शिकायत दर्ज की गई है और उसे जुर्माना लगाने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है। इसके अलावा, अधिकारियों ने बताया कि आने वाले समय में भी ऐसे आपराधिक इतिहास वाले व्यक्तियों के खिलाफ जांच जारी रखी जाएगी। इस ऑपरेशन का मुख्य उद्देश्य उन व्यक्तियों पर कार्रवाई करना है जिन्होंने पहले भी कानून का उल्लंघन किया है और वर्तमान में भी विभिन्न गैरकानूनी गतिविधियों में संलिप्त हैं। बिजली कंपनी की आय को नुकसान पहुंचाने वाले ऐसे लोगों के खिलाफ की गई सख्त कार्रवाई से भविष्य में ऐसे मामलों में कमी आने की उम्मीद जताई गई है।

DGVCL के एक अधिकारी ने बताया कि, ''हम नियमित रूप से ऐसे ऑपरेशन चलाते रहते हैं ताकि बिजली चोरी को रोका जा सके और कानून का शासन मजबूत किया जा सके। लोगों के सहयोग और पुलिस के समर्थन से ही हमें ऐसी सफलता मिल रही है।'' सचिन ग्रामीण पुलिस विभाग ने भी संकेत दिया है कि आने वाले समय में ऐसे व्यक्तियों पर नजर रखी जाएगी और समाज में कानून का डर बनाए रखने के लिए ठोस कदम उठाए जाएंगे।

सूरत से फिर पकड़ी गई अफीम

निओल छेड़छा गांव में एक व्यक्ति 168 ग्राम अफीम के साथ पकड़ा

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत शहर पुलिस द्वारा ''नो ड्रग्स इन सूरत सिटी'' अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत अब तक नशीले पदार्थों का कारोबार करने वाले कई व्यक्तियों को पुलिस ने पकड़ा है। इसी कड़ी में एलसीबी जोन 1 की टीम ने सारोली पुलिस के साथ मिलकर अफीम की अवैध बिक्री करने वाले एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। उसके पास से 168 ग्राम अफीम बरामद की गई है, जिसकी कीमत 50,400 रुपये बताई जा रही है।

सूरत के युवाओं को नशे की गतिविधियों से दूर रखने के लिए शहर पुलिस लगातार प्रयास कर रही है। इस संदर्भ में, सूरत शहर पुलिस द्वारा ''नो ड्रग्स इन सूरत सिटी'' अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत नशीले पदार्थों की बिक्री करने वाले या उसकी सप्लाई करने वाले व्यक्तियों को पकड़ने का कार्य किया जा रहा है। अब तक ड्रग्स के कारोबार से जुड़े कई आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। इसी क्रम में सूरत की एलसीबी जोन 1 की टीम और सारोली पुलिस की टीम ने मिलकर एक संयुक्त ऑपरेशन किया और अफीम के मुद्दा माल के साथ राजूराम उर्फ राजेश पटेल को गिरफ्तार किया।

हमले में घायल हुए गैरेज मालिक ने पांडेसरा पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई।

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत शहर के पांडेसरा क्षेत्र में एक गैरेज संचालक युवक पर पांच से छह लोगों ने च्चपड़ीका का धंधा कौन चलाता है?ज्ज पूछते हुए पहले गाली-गलौज की, फिर थप्पड़ मारा और अंत में चप्पल से हमला किया। पूरा घटनाक्रम सीसीटीवी कैमरे में साफ-साफ कैद हो गया है। हमले में घायल हुए गैरेज मालिक ने पांडेसरा पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई। घायल व्यक्ति उमेश परमाणंद कुशवाहा (उम्र 35), जो बिहार के गोपालगंज जिले के चैनपुर गांव के निवासी हैं, वर्तमान में सूरत के पांडेसरा के प्लॉट नं. 295/बी, आविर्भाव सोसाइटी-02 में रहते हैं और गैरेज चलाते हैं। 22 अप्रैल 2025 को शाम करीब 5ः30 बजे उमेश अपने गैरेज पर काम कर रहे थे। इसी दौरान सुरज उर्फ ददू मानसिंह नामक व्यक्ति अपने दो साथियों के साथ आया और उग्र सवाल पूछा, च्चपड़ीका का धंधा कौन चलाता है?ज्ज इस सवाल ने विवाद की स्थिति पैदा की। फिर उन्होंने उमेश को गाली दी और उसके बाद थप्पड़ मारा। स्थिति इतनी बिगड़ गई कि सुरज उर्फ ददू ने उमेश के दाहिने पैर के घुटने के नीचे चप्पल से हमला किया। बाकी दो हमलावरों ने भी मारपीट की और हत्या की धमकी देते हुए वहां से भाग गए।

यह पूरी घटना पांडेसरा गांव मेन रोड पर स्थित प्लॉट नं. 625, आविर्भाव सोसाइटी-01 के बाहर लगाए गए सीसीटीवी कैमरे में साफ-साफ कैद हो गई है। हमलावरों की पहचान करने में पुलिस को सहायता मिली है। घटना की जानकारी मिलते ही पांडेसरा पुलिस स्टेशन के पी.एस.आई. बी.डी. पटेल द्वारा तुरंत मामला दर्ज करके जांच शुरू की गई है। आरोपी सुरज उर्फ ददू मानसिंह और उसके दोनों साथियों की तलाश जारी है। शिकायतकर्ता उमेश ने बताया कि वह कोई च्चपड़ीका का धंधाज्ज नहीं चला रहे हैं और आरोपियों ने क्यों इस प्रकार का हमला किया, यह उन्हें नहीं पता। हमलावरों का उद्देश्य क्या था, यह अब पुलिस जांच का विषय बन गया है। उमेश को इलाज के लिए पास के अस्पताल में भेजा गया है। घटना के बाद पांडेसरा क्षेत्र के व्यापारी और निवासी भय के माहौल में हैं। पुलिस ने आगे की जांच शुरू कर दी है और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए ऑपरेशन शुरू किया है।

सूरत में कमर्शियल कॉम्प्लेक्स में लगी आग, वाहन चपेट में आए

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के पालनपुर क्षेत्र के मोरा भागल स्थित नक्षत्र सॉलिटेयर नामक कमर्शियल कॉम्प्लेक्स में आज सुबह अचानक भीषण आग लग गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, यह आग शॉर्ट सर्किट के कारण कॉम्प्लेक्स की शेड में लगी थी। इस आग से मौके पर अफरा-तफरी मच गई। आग की सूचना मिलते ही तुरंत फायर ब्रिगेड को बुलाया गया। फायर विभाग की चार टीमें तत्काल मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया।

इस कॉम्प्लेक्स में कई दुकानों के अलावा वाहन भी पार्क किए गए थे। आग इतनी भीषण थी कि उसमें पार्क किए गए कई वाहन और अन्य सामग्री जलकर राख हो गई। हालांकि, सौभाग्यवश किसी भी प्रकार की जनहानि की सूचना नहीं है। अग्निकांड के बाद कॉम्प्लेक्स में धुंध जैसा माहौल छा गया था। स्थानीय लोग भी इस घटना को लेकर भयभीत हो गए थे। फायर विभाग ने तुरंत कार्रवाई करते हुए और अधिक नुकसान होने से रोक लिया। फिलहाल आग किस कारण से लगी और इससे कितना आर्थिक नुकसान हुआ, इसकी जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस और फायर विभाग द्वारा पूरी तरह से जांच सुनिश्चित करने के लिए उचित कदम उठाए जा रहे हैं।

5 साल से फरार अपहरण केस का आरोपी पकड़ा गया

इंदौर में शादी में आया और दबोचा गया, कोरोना के दौरान लाजपुर जेल में बंद आरोपी को जमानत मिलने के बाद फरार था

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सुरत पुलिस ने 5 साल से फरार एक अपहरण के आरोपी को इंदौर में गिरफ्तार किया है। आरोपी, जो कोरोना के दौरान लाजपुर जेल में बंद था, जमानत मिलने के बाद फरार हो गया था। बाद में वह इंदौर में शादी समारोह में आया, जहां पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। अब आरोपी को सुरत लाया जा रहा है, जहां उसके खिलाफ अपहरण मामले में कार्रवाई की जाएगी।

सूरत से 2019 में 2 साल के बच्चे के अपहरण के मामले में लाजपुर जेल में कच्चा काम करने वाले कैदी के रूप में सजा काट रहा आरोपी, कोरोना महामारी के दौरान अंतरिम जमानत पर फरार हो गया था। पिछले पांच सालों से पुलिस उसकी तलाश कर रही थी। अब सूरत शहर की क्राइम ब्रांच ने सूचना के आधार पर इस फरार कैदी को मध्यप्रदेश के इंदौर जिले के हवामहाल क्षेत्र से पकड़ लिया है।

फरियादी मुकेशभाई भेरूसिंह पवार परिवार के साथ पर्वत पाटिया ओवरब्रिज के नीचे रहते थे और प्लंबर के रूप में मजदूरी का काम करते थे। उनके पास 2 साल का एक बेटा था। 14/10/2019 की शाम, दीपक उर्फ भूरो मांगिलाल माली नाम के युवक ने चॉकलेट देने का बहाना बनाकर बच्चे को अपने साथ ले लिया। जब बच्चे का अपहरण हुआ, तो पुना पुलिस स्टेशन में IPC धारा 363 और 366 के तहत मामला दर्ज किया गया। पुलिस ने तुरंत कार्रवाई की और आरोपी को पकड़ लिया तथा बच्चे को मुक्त करवा लिया। आरोपी लाजपुर मध्यस्थ जेल में न्यायिक कस्टडी में कच्चा काम करने वाले कैदी के रूप में सजा काट रहा था।

कोरोना महामारी के दौरान देशभर की जेलों में बंदियों की संख्या कम करने के लिए सुप्रीम कोर्ट द्वारा सुश्र मोटो रिट पिटिशन के तहत अंतरिम जमानत की सिफारिश की गई थी। इसके तहत गुजरात हाईकोर्ट के आदेशानुसार दीपक माली को भी 30/03/2020 को जेल से रिहा किया गया था। लेकिन जमानत की अवधि समाप्त होने के बाद, वह 31/12/2020 को जेल में हाजिर नहीं हुआ और फरार हो गया था।

इस अपराध में आरोपी पांच साल से फरार था, इसलिए शहर पुलिस द्वारा लगातार जांच जारी थी। हाल ही में सूरत क्राइम ब्रांच को एक निजी मुखबिर के माध्यम से सूचना मिली कि फरार कैदी दीपक उर्फ भूरो माली मध्यप्रदेश राज्य के इंदौर जिले के हवामहाल क्षेत्र में अपने रिश्तेदारों के विवाह समारोह में शामिल होने के लिए गया हुआ है।

कड़ी धूप से बचने की अनोखी कोशिश, सूरत में सड़क पर मंडप लगाकर छाया का इंतजाम

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत शहर के उधना क्षेत्र में गर्मी से बचने का एक अनोखा प्रयास देखने को मिला है। यहां जैन समाज द्वारा एक अनोखी और सराहनीय पहल की गई है। पूरे सड़क मार्ग को मंडप बनाकर छाया में लाया गया है। गर्मी की तीव्रता के बीच श्रद्धालुओं और महोत्सव में भाग लेने वाले भक्तों को आरामदायक वातावरण मिल सके, इसके लिए उधना तेरापंथ भवन से लेकर तरणकुंड तक का 1140 फीट लंबा रास्ता कपड़े से ढक दिया गया है।

यह विशेष व्यवस्था 24 अप्रैल से 2 मई 2025 तक होने वाले महापर्व को ध्यान में रखते हुए की गई है। इस दौरान 4 दीक्षा महोत्सव और साथ ही वर्षीतप पारणा महोत्सव का भव्य आयोजन होने वाला है। ये सभी धार्मिक कार्यक्रम स्थावकवासी संप्रदाय के प्रखर संत, आचार्य श्री शिवमुनी महाराज साहेब के नेतृत्व में आयोजित किए जाएंगे। समाज के व्यापक सहयोग और सेवाभावी कार्यकर्ताओं की सक्रिय भागीदारी से यह पूरा आयोजन सुचारु रूप से चल रहा है। सड़क पर छाया देने के लिए जहां मंडप लगाए गए हैं, वहां गर्मी से राहत देने के लिए पंखे, पीने के पानी की व्यवस्था, आरामदायक बैठने की जगह, और सुव्यवस्थित ट्रैफिक प्रबंधन भी किया गया है।

आचार्यश्री का 40वां वर्षीतप

विशेष यह है कि आचार्यश्री शिवमुनी महाराज साहेब स्वयं अपने जीवन के 40वें वर्षी तप में विहार कर रहे हैं, इस अवसर पर इस महोत्सव का महत्व और भी बढ़ जाता है। वर्षीतप - जो एक साल तक रोज एक टिफिन उपवास करके किया जाता है - जैन साधु जीवन की सबसे कठिन तपस्यों में से एक माना जाता है। आचार्यश्री का जीवन यात्राएं अनेक श्रावकों के लिए प्रेरणा का स्रोत बन रहा है। यह कार्यक्रम केवल धार्मिक उत्सव तक सीमित नहीं है, बल्कि यह मानव सेवा, परस्पर सहयोग और आध्यात्मिक उन्नति का अद्भुत संदेश भी देता है। भीषण गर्मी के बीच सामान्य लोगों को भी इस व्यवस्था का लाभ मिल सकता है - जो जैन धर्म के करुणा और सेवा जैसे मूल्यों को प्रतिबिंबित करता है।